Postal Regn No/ RYP DN/ 34/2020-22

A-133952/2020, 1594/2020-co/A

शहर की

दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार

जनता से रिश्ता

हिन्दी दैनिक

जो दिखेगा वो छपेगा

www.jantaserishta.com corporate@jantaserishta.org » पौष कृष्ण पक्ष: नवमी » ★ भिलाई-दुर्ग, गुरुवार 04 जनवरी 2024 » वर्ष : 05 अंक : 35 » पृष्ठ - 12 » मूल्य -1.50 रुपए

13 फरवरी को अबू धाबी जाएंगे प्रधानमंत्री, अहलान मोदी 2024 कार्यक्रम में होंगे शामिल

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने 13 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी अबू धाबी की यात्रा करेंगे और यहां एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का नाम अहलान मोदी 2024 रखा गया है। बता दें कि इससे पहले ये भी खबर आई थी कि अबू धाबी में तैयार हो रहे बीएपीएस मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने को लेकर भी प्रधानमंत्री को निमंत्रण मिला है। अबू धाबी में बन रहे इस मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को होने जा रहा है। इस उद्घाटन समारोह के निमंत्रण को पीएम मोदी ने स्वीकार कर लिया है और वो खुद इस उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। बीएपीएस मंदिर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक मंदिर के निर्माण पर उत्साह भी व्यक्त किया है। पूरे भारत में तीर्थ स्थलों के उल्लेखनीय और नवीनीकरण और विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना भी की गई है।

आज कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं जगन रेड्डी की बहन YS शर्मिला

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। आंध्र प्रदेश के सीएम जगन बोमन रेड्डी की बहन और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाई एस शर्मिला आज गुरुवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकती हैं। बीते कई दिनों में उनके कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा हो रही है। बता दें कि शर्मिला बुधवार की रात दिल्ली भी पहुंच चुकी हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी जानकारी दी है कि गुरुवार को एक बहुत ही प्रतिष्ठित हस्ती कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी में शामिल होंगी। YS शर्मिला जब बुधवार की रात दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंचीं तो उनसे पूछा गया कि क्या वह चार जनवरी को कांग्रेस में शामिल हो रही हैं? शर्मिला ने इसके जवाब में कहा कि हां, ऐसा ही लगता है। इससे पहले शर्मिला ने मंगलवार को हैदराबाद में अपनी पार्टी की बैठक की अध्यक्षता की थी। यहां उन्होंने कहा था कि वह और पार्टी के अन्य नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे तथा दिल्ली में एक महत्वपूर्ण घोषणा करेंगे। YS शर्मिला अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी हैं और आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन हैं। उन्होंने साल 2021 में वाईएसआर तेलंगाना पार्टी स्थापना की थी। माना जा रहा है कि YSTRP के कांग्रेस में विलय के बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस में कोई बड़ा पद दिया जा सकता है।

भारत ने नहीं हटाई सेना तो खतरे में पड़ जाएगा हमारा लोकतंत्र: मुइज्जू

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा है कि अगर भारत ने हिंद महासागर द्वीपसमूह से अपनी सेना नहीं हटाई तो उसके देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। चीन की तरफ झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने कहा कि मालदीव में अगर भारतीय सेना बरकरार रहती है तो इसका मतलब मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा की अवहेलना करना होगा। TOI को दिए एक विशेष इंटरव्यू में मुइज्जू ने कहा, भारत द्वारा हिंद महासागर द्वीपसमूह से अपनी सेना नहीं हटाने का मतलब मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा की अवहेलना करना होगा, और इससे हमारे देश में लोकतंत्र का भविष्य यह खतरे में पड़ जाएगा। हालाँकि, मुइज्जू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग का समर्थन किया है, जिसमें मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल की परिचालन तत्परता के निर्माण के प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित है। बता दें कि राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने मालदीव में भारत के किसी भी स्थायी सैन्य उपस्थिति को अस्वीकार कर दिया था। इसके साथ ही मुइज्जू ने विश्वास जताया कि आपसी बातचीत के जरिए मालदीव और भारत सैन्य उपस्थिति का मुद्दा सुलझा लेगा। उन्होंने कहा कि मालदीव में संसदीय मंजूरी के बिना विदेशी सैन्य कर्मियों की मौजूदगी संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। जब उनसे चीन के प्रति उनके कथित झुकाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह केवल मालदीव समर्थक नीति का पालन करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारत की यात्रा से पहले मुइज्जू चीन की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम किसी भी देश के विरोधी नहीं होंगे।

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला: पांच साल बाद केंद्रीय राज्य ब्यूरो की छत्तीसगढ़ में एंट्री

CBI करेगी PSC गड़बड़ी की जांच

रायपुर (जसेरि)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय सरकार की आज तीसरी कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य के युवाओं के हित में राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2021 के संबंध में प्राप्त अनियमितताओं की शिकायतों के संबंध में सीबीआई से जांच कराने का फैसला लिया गया है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा-2021 के तहत 12 विभागों के 170 पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी की गई है। मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी करने का निर्णय लिया गया है।

साय कैबिनेट के फैसले से राज्य शासन द्वारा किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा पूरा हो गया है। गौरतलब है कि धान खरीदी का यह वायदा प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में भी शामिल रहा है। सरकार ने राज्य के अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारी परिवारों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उन्हें आगामी पांच वर्ष तक नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया है, इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशनकार्डधारी परिवार लाभन्वित होंगे और उन्हें आगामी पांच सालों तक राशन दुकानों से नि:शुल्क चावल मिलेगा।

पहली बार इलेक्शन में रहा बड़ा मुद्दा : बीजेपी ने सत्ता में आने पर इस पीएससी मामले की जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने का वादा किया था। वहीं पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई थी। फिलहाल मामला विचाराधीन है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान पीएससी भर्ती में घोटला बड़ा मुद्दा बना था।

बीजेपी ने इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाया। सीएम हाउस का घेराव किया गया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आरोप पत्र जारी किया तो उसमें भी प्रमुखता से उल्लेख किया गया था। इससे पहले भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भी राजधानी में हुई हुंकार रैली में PSC का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था।

मोदी की गारंटी को पूरा किया गया है - उज्जवल दीपक : पीएससी घोटाले को उज्जवल दीपक ने उजागर किया था। उन्होंने कहा कि, इस जांच से प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता आएगी। जांच की गारंटी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी थी और इसे पूरा किया गया है। मई 2023 में उज्जवल ने राज्यपाल से CBI जांच और चेयरमैन के नार्को टेस्ट की मांग की थी।

सीबीआई को राज्य में जांच से रोक का आदेश अभी नहीं हटा : साय कैबिनेट में CGPSC मामले की CBI जांच कराने का फैसला किया है, लेकिन CBI की राज्य में एंट्री बैन के आदेश को नहीं हटाया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने CBI को राज्य में जांच करने और छापा मारने के लिए साल 2001 में सामान्य सहमति दी थी। बाद में इसे भूपेश सरकार ने वापस ले लिया था।

भाजयुमो बोली- दोषी सलाखों के पीछे होंगे : भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने पीएससी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं की CBI जांच कराने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि, युवाओं के साथ हुए अन्याय का परिमार्जन होगा और दोषी सलाखों के पीछे होंगे। आयोग के तत्कालीन चेयरमैन टामनसिंह सोनवानी, राजभवन सेक्रेटरी अमृत खलको समेत कई अफसरों के बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर पद पर नियुक्ति के आरोप लगे थे। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने नग्न होकर प्रदर्शन तक किया था। उन्होंने कहा कि, भूपेश सरकार ने युवाओं के साथ हुए अन्याय पर ध्यान नहीं दिया और उल्टे इन नियुक्तियों को जायज ठहराने के लिए कुतर्क किया। हाईकोर्ट ने भी इन नियुक्तियों पर रोक लगाकर इस पूरे मामले की जांच कराए जाने पर जोर दिया था।

कैबिनेट बैठक के महत्वपूर्ण फैसले

- राज्य के युवाओं के हित में राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2021 के संबंध में प्राप्त अनियमितताओं की शिकायतों के परिपेक्ष्य में विस्तृत जाँच के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रकरण प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा-2021 के अंतर्गत 12 विभागों के 170 पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी की गई है।
- मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी (लिंकिंग सहित) करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रिपरिषद के इस निर्णय से राज्य शासन द्वारा किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी का वायदा पूरा हो गया है। धान खरीदी का यह वायदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में भी शामिल रहा है।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशन कार्डधारी परिवारों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उन्हें आगामी पांच वर्ष तक नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण का निर्णय लिया है, इससे राज्य के 67 लाख 92 हजार 153 राशन कार्डधारी परिवार लाभन्वित होंगे और उन्हें आगामी पांच सालों तक राशन दुकानों से नि:शुल्क चावल मिलेगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जारी राशन कार्डों में जनवरी-2024 से आगामी 5 सालों तक नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण के समान ही छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम-2012 के तहत जारी अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डों में नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण करने का फैसला लिया गया है।

धमकी: 11 संदिग्धों की तलाश में एनआईए की रेड

लखनऊ (ए/नेट डेस्क)। अयोध्या में सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इस बीच यूपी एटीएस ने अयोध्या में आतंकी हमले की साजिश को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एटीएस की मानें तो अयोध्या में हमले की साजिश औरंगाबाद में रची जा रही थी। एटीएस ने इस मामले में केस दर्ज करने के बाद औरंगाबाद में 11 संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की पर अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इस दौरान कई फोन बरामद किए गए। एटीएस ने अब इन संदिग्धों को लखनऊ मुख्यालय तलब किया है। इस दौरान एटीएस लखनऊ में इनसे पूछताछ करेगी। सूत्रों के मुताबिक औरंगाबाद में अयोध्या हमले की साजिश रची जा रही थी।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका, कार्यालय पहुंचे कार्यकर्ता

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज श्रेष्ठ (प्रवर्तन निदेशालय) गिरफ्तार कर सकती है। यह दावा खुद आम आदमी पार्टी ने किया है। सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए गुरुवार सुबह से ही आप मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं के जुटने का क्रम शुरू हो गया है। हालांकि, ईडी सूत्रों की मानें तो अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापेमारी की खबरें अफवाहों के अलावा कुछ नहीं हैं। आज ऐसी कोई योजना नहीं है।

बता दें कि शराब घोटाले में ED केजरीवाल को तीन समन जारी कर चुकी है, लेकिन अब तक दिल्ली के सीएम ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। हालांकि, तीनों बार केजरीवाल ने ईडी को लिखित जवाब भेजा है और जांच में सहयोग करने की बात कही है। आप नेताओं ने दावा किया है कि ईडी आज अरविंद केजरीवाल के आवास पर रेड मार सकती है और उनकी गिरफ्तारी भी कर सकती है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया है कि अरविंद केजरीवाल के घर आज ईडी की छापेमारी हो सकती है, जिसके बाद उन्हें अरेस्ट किया जा सकता है।

ईडी के नोटिस को बताया गैरकानूनी : आतिशी ने आजतक से बात करते हुए कहा कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से खबर मिली है कि आज अरविंद केजरीवाल के घर पर रेड होगी और उन्हें गिरफ्तार भी किया जाएगा। ये बिल्कुल साफ है कि समन भेजने की टाइमिंग और उन्हें गिरफ्तार करने का प्लान बनाया गया है, ये सिर्फ और सिर्फ लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी का कहना है कि जांच एजेंसी का नोटिस गैर कानूनी है।

तीन हफ्ते में भेजे गए तीन समन : आतिशी ने आगे कहा कि एक ऐसा केस, जिसमें एक साल से जांच चल रही है। इसमें आजतक कोई एक रुपया कैश, सोना, चांदी और किसी भी तरह की प्रॉपर्टी के कागज बरामद नहीं हुए। उसमें ऐसी क्या हड़बड़ी आ गई कि तीन हफ्ते में तीन बार समन भेज दिए। आतिशी ने कहा कि केजरीवाल हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन ईडी को बताना चाहिए कि उन्हें किसलिए बुला रही है।

कांग्रेस की 'आत्मा' हिंदू, राम मंदिर समारोह में शामिल होना चाहिए: शिवसेना

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस की 'आत्मा' को हिंदू करार देते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस के नेताओं को यदि विशेष निमंत्रण मिला है तो उन्हें राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में आयोजित होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना चाहिए। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी है और विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन की सदस्य भी है। शिवसेना (यूबीटी) ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के एक संपादकीय लेख में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''अगर उस समय प्रधानमंत्री भाजपा से होते तो बाबरी मस्जिद नहीं गिराई जाती। दिसंबर 1992 में जब ढांचा गिराया गया तब कांग्रेस की सरकार थी और पी वी नरसिम्हा राव देश के प्रधानमंत्री थे।''

जहां मौका लगेगा, मारते रहेंगे

अवीव (ए/नेट डेस्क)। गाजा पट्टी पर हमास और इजरायल के बीच चल रहा युद्ध अब दूसरे देशों तक फैल रहा है। इजरायल ने इसी सप्ताह लेबनान के अंदर घुसकर एक ड्रोन अटैक में हमास के डिप्टी चीफ सालेह अल-अरूरी को मार गिराया था। यही नहीं बुधवार को तो ईरान में पूर्व जनरल कासिम सुलेमानी की कब्र पर दो बम धमाके हो गए। इस धमाके में 103 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 200 लोग जख्मी हुए हैं। माना जा रहा है कि इसमें भी इजरायल का रोल था।

जरा इनकी भी सुनो...

महत्वपूर्ण खबरें

भूख लगेगी तो मंदिर जाओगे? वहां उल्टा दान मांग लेंगे

पटना (ए/नेट डेस्क)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राम मंदिर के बहाने अपनी और पीएम मोदी की मार्केटिंग कर रही है। वह बुधवार को मधुबनी के झंझारपुर में पूर्व सांसद रामदेव भंडारी की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार भड़ास निकाली। तेजस्वी यादव ने कहा, हम लोगों को नौकरी दे रहे हैं और ये लोग ईडी और सीबीआई को बार-बार हमारे घर में घुसा देते हैं। लोग थक चुके हैं ये सब देखकर। मैं तो बचपन से देख रहा हूं ED-CBI। कुछ फर्क थोड़ी पड़ता है इन सब चीजों से। हम लोग लड़ते रहेंगे। राम मंदिर को लेकर भाजपा पर बरसते हुए तेजस्वी यादव ने पूछा, बीमार पड़ोगे तो अस्पताल जाओगे ने? भूख लगेगी और मंदिर जाओगे तो खाना मिलेगा? वहां तो उल्टा दान मांग लेंगे आपसे।

सुको से फैसले आते ही गौतम अडानी की कंपनी में फेरबदल!

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गौतम अडानी को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया और कहा कि अडानी-हिंडनबर्ग मामले में मार्केट रेगुलेटर SEBI की जांच सही राह पर है। अभी तक 24 मामलों में से 22 मामले की जांच पूरी की जा चुकी है और 2 बचे आरोपों की जांच करने के लिए कोर्ट ने SEBI को 3 महीने का वक्त दिया है। अभी तक के सभी मामलों में अडानी ग्रुप को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद अडानी ग्रुप की एक कंपनी ने अपने बोर्ड में बड़ा फेरबदल किया है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड ने बुधवार को ऐलान करते हुए बताया कि गौतम अडानी को कार्यकारी अध्यक्ष, करण अडानी को MD और अश्वनी गुप्ता को CEO नियुक्त किया गया। अडानी पोर्ट्स ने यह भी कहा कि उसके बोर्ड ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के माध्यम से 5,000 करोड़ रुपये तक के धन जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने गौतम अडानी को 4 जनवरी 2024 से लेकर 30 जून, 2027 तक कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है।

पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने पर मिली जान से मारने की धमकी

कोलकाता (ए/नेट डेस्क)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक और प्रसिद्ध लेखक मनोजरंजन ब्यापारी ने हुगली के बालागढ़ में अपनी ही पार्टी के स्थानीय नेता पर भ्रष्टाचार और आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। ब्यापारी ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और सरकार से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। बालागढ़ से पहली बार विधायक बने ब्यापारी ने हुगली जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार और आपराधिक गतिविधियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह अपनी पार्टी के ही सहयोगियों की धमकी की वजह से क्षेत्र का दौरा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय नेताओं ने इसका विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी है। उन्होंने कहा, मैं यह सोचकर टीएमसी में शामिल हुआ था कि मुझे जनता के लिए काम करने के लिए एक मंच मिलेगा, लेकिन बालागढ़ में कुछ स्थानीय टीएमसी नेता अपराध और भ्रष्टाचार का शो चला रहे हैं।

दुनिया में एक ही धर्म और वो है सनातन: सीएम योगी

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक ही धर्म है और वो है सनातन धर्म। उन्होंने ये बयान राजस्थान के जोधपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया। सीएम योगी ने कहा कि धर्म एक ही है और वो है सनातन धर्म। बाकी पंथ और संप्रदाय हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर देश, काल और परिस्थिति में बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके जो कायम है, वो सनातन है। दुनिया में बहुत लोग आए और चले गए, लेकिन सनातन ने किसी भी परिस्थिति में अपनी निरंतरता बनाए रखी। उन्होंने जोधपुर के लोगों को अयोध्या आने का भी न्योता दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हर रास्ता मंजिल तक पहुंचता है। ये वही रास्ता है, जो हमारे संतों और योगियों ने हमें दिखाया है। उन्होंने कहा कि 500 साल के इंतजार के बाद 22 जनवरी को भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे।

ताजा खबर

- गुरुग्राम: अब तक बरामद नहीं हुई दिव्या पाहुजा की लाश, ढूंढने के लिए पंजाब पहुंची पुलिस
- ईरान में कासिम सुलेमानी की कब्र के पास हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 103 हुई

दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
जनता से रिश्ता

जिले में चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 प्रारंभ : मनेंद्रगढ़। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आज जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आर. के. खाती के द्वारा आज मनेंद्रगढ़ में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। जहां पर असुरक्षित, घुमंतू बच्चों को सुरक्षा व्यवस्था दी जायेगी। कार्यालय में सुनील कुमार जिला समन्वयक, कोमल पटेल सुपरवाईजर, हिमांशु शिवहरे सुपरवाईजर, उषा लहरे केस वर्कर अच्छे लाल लहरे केस वर्कर है।

»न्यूज खास

पेंशन समाधान शिविर में प्राप्त हुए 4 आवेदन

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर शुक्ला के निर्देशानुसार जिले के विकासखण्डों में जिला कोषालय द्वारा लंबित पेंशन प्रकरणों के समाधान के लिए पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज उप कोषालय कार्यालय अंतागढ़ में पेंशन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 04 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 01 पेंशन प्रकरण जिला कोषालय के ई-बिल सेक्सन अंतर्गत भुगतान के लिए प्रक्रियाधीन है। इसके अलावा 02 प्रकरणों में महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग अंतागढ़ को प्रकरण तैयार कर संयुक्त संचालक कोष लेखा पेंशन जगदलपुर प्रेषित करने के निर्देश दिए गए तथा 01 अन्य प्रकरण न्यायलयीन प्रकरण होने के कारण 90 प्रतिशत प्रत्याशित पेंशन यथावत रखने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त उपस्थित सभी पेंशन संबंधी लिपिकों को आगामी 06 माह में सेवानिवृत्त होने वाले प्रकरणों को तत्काल संयुक्त संचालक कोष लेखा पेंशन जगदलपुर प्रेषित करने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी रामानंद कुंजाम द्वारा दिए गए। इस अवसर पर उप कोषालय अधिकारी अंतागढ़ निधि शोरी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले के दूरस्थ अंचल जनकपुर में स्वास्थ्य अमला सक्रिय

मनेंद्रगढ़। कलेक्टर दुग्गा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सुरेश तिवारी एक्टिव सक्रीय भूमिका में जिले के बैगा जनजाति पीवीजीटी के बसाहट में विशेष कैम्प लगाकर बैगा जनजातिय समूह को शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड, टीवी जाँच, डायलीसिस, सिकलसेल जाँच एवं गैर संचारी रोग का स्क्रिनिंग किया जा रहा है। यह कार्यक्रम युद्ध स्तर पर 1 और 2 जनवरी को खड़गवां और मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के 90 प्रतिशत समूह को लाभान्वित किया जा चूका है, शेष कार्य कैम्प लगा कर किया जा रहा है, साथ डीपीएम सुलेमान के नेतृत्व में मनेन्द्रगढ़ एवं खड़गवा ब्लॉक के 20 आयुष्मान कार्ड ऑपरेटर को लेकर 3 दिवसीय ब्लॉक जनकपुर में रहकर आयुष्यामन कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से जिले के समस्त स्वास्थ्य अमला को लगा कर संपूर्ण जिले के बैगा जनजाति को स्वास्थ लाभ दिलाने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है। ज़िले के ब्लॉक जनकपुर जहां पर संसाधन की कमी है और पूरे जिले का 70-75 प्रतिशत बैगा जनजाति आबादी निवासरत है, वहां आज 03 जनवरी 2024 से तीन दिवस के लिए जिले के स्वास्थ अमला को टीम बना कर विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीजीटी) के लिए गठित टीम मे सी.पी.एम. सह नोडल अधिकारी राकेश वर्मा, डीपीसी दीपक चौधरी, डीडीएम भास्कर निराला मौजूद रहे।

दूसरे टेस्ट के पहले दिन 23 विकेट गिरे

साउथ अफ्रीका 55, भारत 153 पर ऑलआउट, टीम इंडिया 36 रन से आगे

केप टाउन (ए)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 23 विकेट गिरे। दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों ने सभी विकेट लिए। केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 55 रन पर ही ऑलआउट हो गई। भारत से मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लिए। टीम इंडिया भी अपनी पहली पारी में कुछ खास नहीं कर सकी और 153 रन पर ही सिमट गई। हालांकि टीम को 98 रन की बढ़त मिली। विराट कोहली ने 46 रन बनाए, जबकि 7 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सके। साउथ अफ्रीका के 3 बॉलर्स ने 3-3 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका ने तीसरे ही सेशन में अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी। टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए। हालांकि टीम अब भी भारत से 36 रन से पिछड़ रही है और उसके 7 विकेट बाकी हैं।

केप टाउन में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 23.2 ओवर ही टिक सकी। उसके 11 खिलाड़ी मिलकर 55 रन ही बना सके। टेस्ट क्रिकेट में ये साउथ अफ्रीका का भारत के

खिलाफ सबसे छोटा स्कोर रहा। काइल वेरियन ने 15 और डेविड बेडिंघम ने 12 रन बनाए। बाकी बैटर्स 6 रन का स्कोर भी पार नहीं कर सके।

भारत से तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने महज 15 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने ऐडन मार्करम, डीन एल्गर, टोनी डी जॉर्जी, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन और मार्को यानसन को पवेलियन भेजा। ये उनके टेस्ट करियर की बेस्ट बॉलिंग रही। सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट मिले। भारत ने अपनी पहली पारी दूसरे सेशन में शुरू की। टीम ने 111 रन बनाने में 4 विकेट गंवाए। पहला विकेट गिरने के बाद कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने टीम को 72 रन तक पहुंचा दिया था। यहां से रोहित (39 रन), शुभमन (36 रन) और श्रेयस (0) आउट हो गए और टीम का स्कोर 72/1 से 111/4 हो गया। साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर ने 3 विकेट लिए। तीसरे सेशन में भारत ने बगैर नुकसान के 42 रन बना लिए थे। केएल राहुल 8 और विराट कोहली 46 रन के स्कोर पर नॉटआउट थे। यहां से टीम ने अपने आखिरी 6 विकेट बगैर रन बनाए 11 बॉल के अंदर ही गंवा दिए। 153 के स्कोर पर टीम ने 4 विकेट गंवाए थे, इसी स्कोर पर टीम ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत को 98 रन की बढ़त मिली। 33वें ओवर की पहली, तीसरी और पांचवीं बॉल पर लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट लिए। 34वें ओवर में भी भारत ने पहली, तीसरी और पांचवीं बॉल पर ही 3 विकेट गंवा दिए। 34वें ओवर में कगिसो रबाडा ने 2 विकेट लिए, जबकि एक बैटर रन आउट हुआ। रबाडा ने पारी में कुल 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पहले दिन के तीसरे सेशन में ही शुरू कर दी। ऐडन मार्करम और कप्तान डीन एल्गर ने संभलकर शुरुआत की। दोनों ने 37 रन जोड़ लिए थे तभी एल्गर 12 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद टोनी डी जॉर्जी और ट्रिस्टन स्टब्स 1-1 रन बनाकर ही आउट हो गए। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 2 विकेट लिए, जबकि एक सफलता जसप्रीत बुमराह को मिली।

पहले दिन का खेल खत्म होने तक साउथ अफ्रीका से ओपनर ऐडन मार्करम 36 रन और डेविड बेडिंघम 7 रन बनाकर नॉटआउट रहे। दोनों दूसरे दिन के खेल में साउथ अफ्रीका की पारी आगे बढ़ाएंगे।

प्लिसकोवा ब्रिसबेन इंटरनेशनल के अंतिम-16 में, पोलैंड यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने आठ महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के दूसरे दौर में मारी बूजकोवा को 6-0, 6-1 से हराया। मानसिक स्वास्थ्य कारणों और थकान की वजह से टेनिस से ब्रेक लेने के बाद अमांडा ने वापसी की है।

तीन बार की विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए मां बनने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रही नाओमी ओसाका को हरा दिया। प्लिसकोवा ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में 3-6, 7-6, 6-4 से अपने नाम करके अंतिम-16 में जगह बनाई। दो बार अमेरिकी ओपन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली ओसाका ने पहले मैच में तमारा कोर्पेश को सीधे सेटों में हराया था। यह मई 2022 के बाद एलीट स्तर पर उनका पहला मैच था। जुलाई में ओसाका ने बेटी को जन्म दिया था। प्लिसकोवा का अगले दौर में मुकाबला येलेना ओस्टापेंको से होगा। अन्य मैचों में शीर्ष वरीयता प्राप्त गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता एरिना सबालेंका ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-3, 6-0 से मात दी। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना का सामना ओलिविया गाडेकी से होगा।

पोलैंड ने चीन को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि फ्रांस ने इटली को हराकर अंतिम-आठ में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन को महिला एकल में 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, हुबर्ट हुरकाज ने झांग झिंजेन को पुरुष एकल में 6-3, 6-4 से मात दी। मिश्रित युगल में कैटरीना पीटर और जान जीलिंस्की ने याउ शियाओदी और सुन फाजिंग को 6-3, 5-7, 10-7 से शिकस्त दी। यूनान को कनाडा से खेलना है और अगले दौर में पहुंचने के लिए उसे हर हालत में यह मैच जीतना होगा। वहीं, सर्बिया की टक्कर ऑस्ट्रेलिया से होगी।

किसान की शिकायत पर कलेक्टर ने तुरन्त कराई जांच, खरीदी केंद्र प्रभारी को दिया नोटिस

मनेंद्रगढ़ (jantaserishta.com)। धान खरीदी केन्द्र में किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। प्रत्येक खरीद केंद्र प्रभारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। उक्ताशय के निर्देश जारी करते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने सभी नोडल अधिकारी को निरन्तर धान खरीदी केंद्र के निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को अनियमितता की शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पँहुचे ग्राम सेमरा के किसान के आवेदन पर कलेक्टर एमसीबी ने त्वरित कार्यवाही की।

कलेक्टर दुग्गा के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्राम नागपुर स्थित धान खरीदी केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। यंहा धान खरीदी केंद्र में आए हुए किसानों से बात करने के बाद उन्होंने खरीदे जा रहे धान की जांच की और धान खरीदी में अमानक होने पर रिजेक्ट किए गए धान की भी जांच की और धान खरीदी केंद्र प्रभारी राकेश साहू से सभी विषयों पर जानकारी ली। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने सहायक पंजीयक सहकारी समिति एमसीबी से सीधे दूरभाष पर बात की और धान खरीदी केन्द्र के

प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कलेक्टर एमसीबी के स्पष्ट निर्देश हैं कि मानक गुणवत्ता के अनुसार, नियत समय में सभी किसानों की धान खरीदी की जायेगी और इस दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले या अनियमितता करने वाले के विरुद्ध तुरंत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। विदित हो कि देर शाम ग्राम पंचायत सेमरा के किसान रामनाथ ने कलेक्टर दुग्गा के समक्ष उपस्थित हो कर धान खरीदी केन्द्र नागपुर में अनियमितता की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर एक घण्टे में ही जांच की कार्यवाही की गयी।

सीएमएचओ ने विभिन्न स्वास्थ्य केंद्र व स्वास्थ्य शिविर का किया निरीक्षण

कोरबा (jantaserishta.com)। कलेक्टर सौरभ के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस.एन.केशरी द्वारा आज कोरबा विकासखंड के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों एवं स्वास्थ्य शिविरों का निरीक्षण कर आमजनो को पहुँचाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दीपक राज तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ अशरफ अंसारी उपस्थित थे।

डॉ केशरी ने आज आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) मदनपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इसी प्रकार उन्होंने सरडीह, बगरीडाँड़ में पीव्हीटीजी वर्ग के स्वास्थ्य जांच हेतु संचालित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविर एवं सोलवा पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा की स्वास्थ्य शिविर का भी अवलोकन

किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजना का जायजा लेते हुए शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल, एनीमिया टेस्ट, लक्षण युक्त मरीजों की टीवी स्क्रीनिंग तथा 30 वर्ष के ऊपर के सभी व्यक्तियों का बीपी, शुगर जांच करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देशित किया।

साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए कहा। जिससे अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर से हितग्राही हो रहे लाभान्वित

मोहला (jantaserishta.com)। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर गांव-गांव पहुंचकर, केंद्र शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों तक पंहुचा रहा है। शिविर हितग्राहियों के लिए योजनाओं का लाभ लेने में मददगार साबित हो रहा है। पहले जहां शासन की योजनाओं की जानकारी नहीं होने के चलते, पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जाते थे, वही अब सहजता पूर्वक योजनाओं का लाभ ले पा रहे हैं। इसके जरिये हितग्राहियों की जीवन में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर ग्रामीणों के लिए खुशियां लेकर आया है। इससे आम जनजीवन सवर रहा है। कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया गया है। विभागीय अधिकारियों के द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार कर बड़ी संख्या में लाभान्वित किया जा रहा है। शिविर में हितग्राहियों का उत्साह देखने को मिल रहा है। एक ही मंच पर विभागीय योजनाओं की जानकारी मिल रही है।

सिम्स में गायनिक ओपीडी निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार, जल्द ही मिलेगी सुविधा

बिलासपुर। संभाग के सबसे बड़े अस्पताल छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में मरीजों की सुविधा के लिए चिकित्सालय में अतिरिक्त गायनिक (स्त्री रोग) ओपीडी कक्ष निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

सिम्स के उपचिकित्सा अधीक्षक ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस चरण में एमआरडी (मरीज पंजीयन शाखा) के उपर खाली छत का चयन कर उक्त स्थान पर गायनिक ओपीडी का निर्माण कार्य कराने के लिए मार्किंग कर तैयारी शुरू कर दी गई है। वर्तमान में सिम्स चिकित्सालय में 13 विभागों की ओपीडी व 38 वार्डों में मरीजों को भर्ती कर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। आने वाले 5 से 6 माह के भीतर उक्त कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया

है। ओपीडी बनने से चिकित्सालय में आने वाली प्रसूताओं को इसका लाभ मिलेगा। अतिरिक्त ओपीडी निर्माण से मरीज व परिजनों को सहूलियत होगी। यह निर्माण कार्य सीजीएमएससी द्वारा करवाया जाएगा।

ड्रोन डेमोन्सट्रेशन के माध्यम से खेतों में नैनो यूरिया छिड़काव का प्रदर्शन

कोरबा (jantaserishta.com)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भारत सरकार की योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने एवं शासन की लोक हितैषी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले के सभी जनपदों के निर्धारित स्थानों में कार्ययोजना अनुसार सतत रूप से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विकासखंड कटघोरा के ग्राम पौंसरा और ग्राम ढपढप में, जनपद पंचायत करतला के तुमान व ढोंढ़ातराई में, विकासखंड कोरबा के ग्राम कोलगा व सोलवां में, पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दम्हामुड़ा व छिंदिया/बाबूपारा में, विकासखंड पाली के ग्राम नगोई, भादा, लोहडिया और मुढ़ाली में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर आयोजित किया गया।

इन शिविर स्थलों में विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाइल वैन भी पहुंच रही है। जिसका स्वागत ग्रामवासियों द्वारा पारंपरिक तरीके से किया गया। मोबाइल वैन के एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन करने के साथ ही लघु चलचित्रों से विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्य की जानकारी आमजनों को दी गई। शिविर में शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने एवं योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है।

करतला के तुमान व ढोढ़ातराई निर्धारित शिविर कार्यक्रम में वैन के माध्यम से कृषि गतिविधि ड्रोन डेमोन्सट्रेशन व स्वॉइल हेल्थ कार्ड डेमोन्सट्रेशन का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन डेमोन्स्ट्रेशन के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा खेतों में ड्रोन से नैनो यूरिया का छिड़काव का प्रदर्शन कर आमजनों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शिविर में मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत हितग्राहियों द्वारा विभिन्न योजनाओं से मिले लाभ के संबंध में अपने अनुभव साझा करते हुए आमजनों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। शिविरों में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, वन नेशन वन कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, आधार अपडेशन, सस्ती व अच्छी जेनेरिक दवाई आदि की जानकारी देने के साथ योजनाओं से वंचित हितग्राहियों से आवेदन लिए गए। यहां उनकी समस्याओं का भी समाधान किया गया।

शिविर स्थल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए कैम्प में बीपी, शुगर की जाँच तथा दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। गौरतलब है कि जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने एवं जानकारी देने हेतु विभागों द्वारा स्टॉल लगाया जा रहा है। जहां पर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया गया एवं जरूरतमंद लोगों को आवेदन फार्म भरवाए जा रहे हैं। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

महासमुंद के ग्राम बेलटुकरी में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए सांसद साहू और विधायक सिन्हा

महासमुंद (jantaserishta.com)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी विकसित भारत संकल्प यात्रा का पड़ाव आज महासमुंद विकासखण्ड के ग्राम बेलटुकरी पहुंची। शिविर में महासमुंद लोकसभा के सांसद चुन्नीलाल साहू एवं विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शिविर में पहुंचकर शिविर के उद्देश्यों के संदर्भ में जानकारी दी। सांसद साहू व विधायक सिन्हा ने शिविर में लगे विभागीय स्टाल का अवलोकन किया। यहां शिविर लगाकर योजनाओं की जानकारी और लाभ दिया गया। साथ ही ग्राम पंचायत बेलटुकरी में भारत सरकार के संयुक्त सचिव अमिताभ कुमार शाह कुमार ने पहुंच कर शिविर का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर प्रभात मलिक, वनमण्डलाधिकारी पंकज राजपूत, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उमेश साहू, जनपद सीईओ मिषा कोसले मौजूद थे।

संकल्प यात्रा के मुख्य अतिथि सांसद चुन्नी लाल साहू ने कहा कि मोदी जी की

गारंटी वाली गाड़ी आपके गांव में खड़ी है। ये मोदीजी की गारंटी वाली सरकार है। गारंटी में यहां मेडिकल कॉलेज खुल गया है। 2047 तक भारत विकसित भारत बनेगा। किसी को भी कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। समाज के अंतिम व्यक्तियों को शासन की प्रमुख योजनाओं से जागरूक कर उन्हें लाभान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गारंटी वाली गाड़ियों से भारत सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी डिजिटल स्क्रीन, फ्लेक्स और पोस्टर के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने सभी ग्रामीणों को केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों में ऐसे व्यक्ति जो शासन की योजना से अब तक वंचित रह गये थे उन्हें लाभान्वित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अपील किया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्रतानुसार अवश्य उठाएं। शिविर में अध्यक्षता कर रहे महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ मिलकर विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से ग्राम वासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। विधायक सिन्हा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है कि जिनका पक्का मकान नहीं है उन्हें पक्का मकान मिलेगा। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी द्वारा दिए गए हर गारंटी पूरा होगा। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्रतानुसार अवश्य उठाएं। कार्यक्रम में सिन्हा ने विभागीय योजना स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉल प्रभारी और हितग्राहियों से चर्चा कर योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामवासियों को बताया कि गांव में जल्दी मुक्तिधाम भी बनाया जाएगा।

शहर की जनता से रिश्ता
दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
हिन्दी दैनिक
जो दिखेगा वो छपेगा
03
METRO
» गुरुवार 04 जनवरी 2024 » पौष, कृष्ण पक्ष: अष्टमी

पेज 04 यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड 2023 से सम्मानित हुए युवा वैज्ञानिक

राजधानी में 1 साल में 63 हत्याएं, बलात्कार की 268 घटनाएं

बीते एक साल में औसतन हर रोज धोखाधड़ी का एक शिकार हुआ

रायपुर(jantaserishta. com)। राजधानी जिला पुलिस ने बुधवार को साल 2023 के अपराध और उनके आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने चोरी, लूट डकैती,धोखाधड़ी, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे सभी मामलों में दहाई अंकों में कमी का दावा किया है । इस दौरान साल के 365 दिनों में कुल 342 मामले धोखाधड़ी के दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में हत्या के 63 प्रकरण दर्ज किये गये, जिसमें 58 प्रकरणों में कुल 124 हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। वर्ष 2022 में हत्या के 75 मामले दर्ज हुए थे। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में हत्या के मामलों में 16 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में हत्या के प्रयास के 90 मामलों में से 80 प्रकरणों में कुल 217 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। वर्ष 2022 में हत्या के प्रयास के 124 प्रकरण दर्ज हुए थे। गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में हत्या के प्रयास के मामलों में 27.41 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में दुष्कर्म के 214 मामले दर्ज हुए हैं। गत वर्ष 268 मामलें दर्ज किये गये थे। वर्ष 2023 में दुष्कर्म के मामलों में वर्ष 2022 की तुलना में 19.55 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष

2023 में शीलभंग के 157 प्रकरण दर्ज हुए है। गत वर्ष 170 मामले दर्ज किये गये थे। गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में शीलमंग के मामलों में 7.64 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में उपेक्षापूर्ण कार्य से मृत्यु के 547 मामले दर्ज किये गये है, जबकि गत वर्ष कुल 826 मामले दर्ज किये गये थे। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में उपेक्षापूर्ण कार्य से मृत्यु के मामलों में 12.81 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में डकैती के 05 प्रकरणों में से सभी 05 प्रकरणों में आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त करते हुए कुल 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2022 में 07 प्रकरणों में 47 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। विगत वर्ष की तुलना में डकैती के मामलों में वर्ष 2023 में 28.57 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में लूट के कुल 87 मामलों में 180 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। वर्ष 2022 में कुल 110 प्रकरण दर्ज किये गये थे। लूट के मामलों में गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में 20.94 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में चोरी के 1587 प्रकरण दर्ज हुए हैं। जबकि पिछले वर्ष 1966 मामले दर्ज किये गये थे, इसी प्रकार वर्ष 2023 में नकबजनी के 505 मामले दर्ज किये गये हैं जबकि पिछले वर्ष 630 मामले दर्ज हुए थे। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में चोरी एवं नकबजनी के मामलों में क्रमश: 19.27 प्रतिशत एवं 19.84 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में धोखाधड़ी के कुल 342 प्रकरण दर्ज किये गय है। जबकि गत वर्ष 2022 में कुल 350 प्रकरण दर्ज हुए थे। गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2023 में धोखाधड़ी के मामलों में 4.73 प्रतिशत की कमी आई है।

पुलिस पर लोगों का भरोसा व अपराधियों में हो भय: शर्मा

रायपुर(jantaserishta. com)। ००० उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुलिस मुख्यालय, अटल नगर, नवा रायपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभाग के प्रशासन शाखा, योजना, प्रबंध शाखा और अपराध शाखा सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बनाए गए कानून व्यवस्था का उचित तरीके से पालन करते हुए आमजनों को समय पर न्याय दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न शाखाओं से संबंधित अद्यतन जानकारी से गृह मंत्री को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने समीक्षा के दौरान नशीले पदार्थों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु विशेष सेल बनाये जाने एवं पुलिस, ड्रग कंट्रोलर एवं नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मध्य उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित कर नशीले पदार्थों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने

आधारभूत पुलिसिंग को मजबूत करने कहा। श्री शर्मा ने बैठक में अपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जुआ-सट्टा, और अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं, उन्होंने यातायात व्यवस्था को ठीक करने के लिए कदम उठाने कहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बनाए गए कानून व्यवस्था का उचित तरीके से पालन करते हुए आम जनों को समय पर न्याय दिलाना सुनिश्चित करें।

राजधानी में महिला की हत्या: बेटा ही निकला मां का कातिल, गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में दिल दहला देने वाला मामला एक सामने आया है। बीते सोमवार को बेटे ने ही अपनी मां की हत्या कर घर से फरार था। लड़का घर से भागने के लिए निकला था, लेकिन बुधवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। युवक उसके परिवार के साथ हमेशा विवाद में रहता था। वहीं सोमवार को आरोपी बेटे ने पहले अपनी मां की सिर को जमीन में पटक-पटककर हत्या कर दी। इसके बाद कलयुगी बेटे ने चेहरे को गिलास से भी गोद दिया था।

मामला डीडी नगर थाने क्षेत्र में स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी का है। कॉलोनी के बी ब्लॉक निवासी लगभग 50 साल की पी.नीता राव की लाश उसके ही घर में मिली। महिला के पति पी. गौरीशंकर राव ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर घटना स्थल पहुंची। वहां लाश के आसपास खून बिखरा हुआ मिला। वहीं बाथरूम में खून से सनी बनियान और पैरों के निशान भी मिला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पी. नीता राव प्राइवेट स्कूल में टीचर थीं। घर में मां, बेटा और बेटी ही रहते थे। मृत महिला के पति कुम्हारी के घर में रहते हैं। उसके बेटा पी. नागेश राव नशे का आदी है जो छोटी-छोटी

बातों पर परिवार और मां से अक्सर मारपीट करता था। कभी-कभी जान से मरने का धमकी भी देता था। घटना के दौरान उसकी बेटी काम के सिलसिले से बाहर थी। नए साल की शुभकामनायें देने के लिए बेटी ने मृतका को बार-बार कॉल की, लेकिन कुछ जवाब नहीं आने पर उसके पिता को कॉल की। इस दौरान जब उसने घर अंदर पहुंचा और देखा तो दंग हो गया था। महिला की लाश जमीन में पड़ी थी। इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी। पुलिस घटना की जांच शुरू कर दी और बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नया बस स्टैण्ड में ओड़िशा के गांजा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर नया बस स्टैण्ड में ओड़िशा के गांजा तस्कर गिरफ्तार किए गए है। तस्करी की सूचना एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत भाठागांव स्थित नया बस स्टैण्ड पास 02 व्यक्ति अपने पास बैग में गांजा रखे है तथा कहीं जाने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम खेती कुम्हार एवं सुनील सुना निवासी बलांगीर उड़ीसा का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके पास रखे बैग की तलाशी लेने पर बैग में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 08 किलो 220 ग्राम गांजा जुमला कीमती लगभग 80,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 14/2024 धारा 20बी नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई।

उरला में कट्टा-कारतूस लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। उरला में कट्टा-कारतूस लेकर घूम रहे बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना उरला क्षेत्रांतर्गत ग्रैवीटी कंपनी पास स्थित खाली मैदान में एक व्यक्ति अपने पास कट्टा रखा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध पीताम्बर पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक उरला अविनाश मिश्रा द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी उरला को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को कट्टा के साथ रंगे हाथ पकडने निर्देशित किया गया। जिस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना उरला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पक?ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम सतीश कुशवाहा निवासी नालंदा बिहार का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा सतीश कुशवाहा की तलाशी लेने पर उसके पास कट्टा एवं खाली कारतूस रखा होना पाया। कट्टा एवं खाली कारतूस रखने के संबंध में सतीश कुशवाहा से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह किया जा रहा था। जिस पर आरोपी सतीश कुशवाहा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें 01 नग देशी कट्टा एवं 02 नग खाली कारतूस जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना उरला में अपराध क्रमांक 06/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। आरोपी द्वारा देशी कट्टा व कारतूस को बिहार से लाना बताया गया है।

छत्तीसगढ़ के 89 आइएएस अफसरों का देर रात तबादला, मयंक श्रीवास्तव होंगे जनसंपर्क

भाजपा सरकार की पहली बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

jantaserishta.com

रायपुर। राज्य ब्यूरो। राज्य सरकार ने बुधवार की देर रात बंपर तबादले आदेश जारी किए हैं। रायपुर सहित कई जिलों के कलेक्टरों के अलावा सचिव स्तर पर ट्रांसफर आदेश जारी किया है। गौरव कुमार सिंह को रायपुर का कलेक्टर बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में बुधवार की देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी हुई है। इस आदेश में राज्य के कई विभागों के सचिवों की जिम्मेदारी में बदलाव समेत कई जिलों के कलेक्टरों का तबादला हुआ है। इसके साथ ही नगरीय निकाय के अफसरों की भी जिम्मेदारियों में बदलाव हुआ है।

अफसरों की नई पदस्थापना

- सुब्रत साहू अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग, महानिदेशक ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास।
- मनोज पिंगुआ- अपर मुख्य सचिव वन विभाग, गृह एवं जेल विभाग, अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल।
- निहारिका बारिक- प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विकास आयुक्त ,प्रमुख सचिव इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी ।
- शहला निगार- कृषि उत्पादन आयुक्त सचिव कृषि एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गन्ना आयुक्त।
- डा .कमलप्रीत सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग।
- परदेसी सिद्धार्थ कोमल- सचिव स्कूल शिक्षा।
- गोविंद रामचुरेंद्र- आयुक्त सरगुजा संभाग, अंबिकापुर।
- प्रसन्ना आर- सचिव उच्च शिक्षा, विशेष कर्तव्य अधिकारी, छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस बिलासपुर।
- अन्बलगन पी.- सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग।
- अलरमेलमंगई डी. - श्रमायुक्त।
- एस प्रकाश सचिव परिवहन विभाग, संसदीय कार्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग।
- टोपेश्वर वर्मा- सचिव, राजस्व मंडल बिलासपुर।
- नीलम नामदेव एक्का- सचिव जनशिकायत निवारण, संचालक विमानन।
- सी आर प्रसन्ना- सचिव, सहकारिता विभाग
- भुवनेश यादव- सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग।
- एस. भारतीदासन- सचिव कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग।
- शम्मी आबिदी- सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग।
- पी. दयानंद- सचिव ऊर्जा विभाग, खनिज साधन विभाग, जनसंपर्क, वाणिज्य एवं उद्योग विमानन एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी।
- बसवराजू एस. - सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग
- हिमशिखर गुप्ता- सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग, वाणिज्य कर विभाग।
- मोहम्मद अब्दुल केसर हक- सचिव वाणिज्य एवं उद्योग

विभाग , लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग।

- यशवंत कुमार- संचालक ग्रामोद्योग, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड, छत्तीसगढ़ हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड।
- जनक प्रसाद पाठक- प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड।
- भीम सिंह- मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण विकास अभिकरण।
- राजेश सिंह राणा- मुख्य कार्यपालन अधिकारी क्रेडा।
- शिखा राजपूत तिवारी- आयुक्त, बिलासपुर संभाग।
- सत्यनारायण राठौर- आयुक्त, दुर्ग संभाग।
- महादेव कावरे- संचालक, कोष एवं लेखा।
- डा .प्रियंका शुक्ला- संचालक तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण, पशु चिकित्सा सेवाएं।
- किरण कौशल- विशेष सचिव वाणिज्यकर पंजीयन विभाग।
- डा.तंबोली अयाज फकीर भाई आयुक्त ,गृह निर्माण मंडल।
- सौरभ कुमार- संचालक नगर तथा ग्राम निवेश और मुख्य कार्यपालन अधिकारी नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण।
- सुनील कुमार जैन- संचालक भौमकी तथा खनिकर्म, विशेष सचिव खनिज साधन विभाग, ऊर्जा विभाग, मिशन संचालक जल जीवन मिशन।
- कुमार लाल चौहान- कलेक्टर जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़।
- विपिन माझी - कलेक्टर जिला नारायणपुर।
- डोमन सिंह- विशेष सचिव, मंत्रालय।
- केडी कुंजाम विशेष सचिव , खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम।
- अनुराग पांडेय- कलेक्टर बीजापुर।
- जयप्रकाश मौर्य- विशेष सचिव, उच्च शिक्षा।
- सारांश मित्तर- विशेष सचिव, कृषि विभाग।
- पदम सिंह एल्मा- विशेष सचिव तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग।
- रमेश कुमार शर्मा- विशेष सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, संचालक भू अभिलेख मुद्रण एवं लेखन सामग्री, विशेष सचिव धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व विभाग, प्रबंध संचालक मार्कफेड।
- धर्मेश कुमार साहू- महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक।
- भूरे सर्वेश्वर नरेंद्र- सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग।
- दीपक सोनी- पंजीयक सहकारी समिति, नियंत्रक खाद एवं औषधि प्रशासन।
- भोसकर विलास संदिपान- कलेक्टर जिला सरगुजा।
- संजीव कुमार झा- संचालक, समग्र शिक्षा।
- जीवन किशोर ध्रुव- प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड।
- रजत बंसल- आयुक्त वाणिज्य कर जीएसटी।
- अभिजीत सिंह- कलेक्टर, कांकेर।
- रणवीर सिंह - कलेक्टर ,बेमेतरा।
- पुष्पेंद्र कुमार मीणा- सचिव, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग।
- तारन प्रकाश सिन्हा- संयुक्त सचिव,खेल एवं युवा कल्याण विभाग ।
- इफ्फत आरा- संचालक, आयुष।
- दिव्या उमेश मिश्रा- संचालक, लोक शिक्षण।
- संजय अग्रवाल- कलेक्टर , राजनंदगांव।
- नम्रता गांधी- कलेक्टर, धमतरी।
- गौरव कुमार सिंह- कलेक्टर,रायपुर।
- अजीत वसंत- कलेक्टर, कोरबा।
- विनीत नंदनवार- संयुक्त सचिव,मंत्रालय
- इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल- कलेक्टर, बालोद।
- जगदीश सोनकर- प्रबंध संचालक ,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन।
- राजेंद्र कुमार कटारा- संचालक , राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद, राज्य साक्षरता मिशन।
- कुंदन कुमार- संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास।
- ऋचा प्रकाश चौधरी- कलेक्टर, दुर्ग।
- कुलदीप शर्मा- प्रबंध संचालक पाठ्य पुस्तक निगम।
- ऋतुराज रघुवंशी- संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं।
- डी .राहुल वेंकट- कलेक्टर , मनेंद्रगढ़- चिरमिरी - भरतपुर।
- चंदन संजय त्रिपाठी- संचालक, कृषि।
- डा. फरिहा आलम- उप सचिव ,स्कूल शिक्षा।
- रोक्तिमा यादव- संचालक, समाज कल्याण।
- दीपक कुमार अग्रवाल- कलेक्टर, गरियाबंद।
- तूलिका प्रजापति- संचालक ,महिला एवं बाल विकास।
- पद्मिनी भोई साहू - प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन रायपुर।
- गोपाल वर्मा- उपसचिव, मंत्रालय।
- आकाश छिकारा- कलेक्टर ,जांजगीर चांपा।
- रोहित व्यास- कलेक्टर, सूरजपुर।
- मयंक चतुर्वेदी- कलेक्टर, दंतेवाड़ा ।
- कुणाल दुदावत- कलेक्टर, कोंडागांव।
- चंद्रकांत वर्मा- कलेक्टर, खैरागढ़, छुईखदान, गंडई।
- देवेश कुमार ध्रुव- आयुक्त, नगर निगम भिलाई।
- अविनाश मिश्रा- आयुक्त , नगर पालिका निगम रायपुर।
- विश्वदीप- मुख्य कार्यपालन अधिकारी , जिला पंचायत रायपुर
- प्रतीक जैन- अपर आयुक्त वाणिज्यिक कर।
- मयंक श्रीवास्तव- आयुक्त, सहसंचालक जनसंपर्क।

विकसित भारत संकल्प यात्रा: नगर निगम जोन-10 के वार्ड 53 में लगा शिविर

केन्द्रीय योजनाओं के लिए 2130 हितग्राहियों ने कराया पंजीयन

रायपुर (jantaserishta. com)। केन्द्र सरकार के विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 10 के तहत बाबू जगजीवन राम वार्ड क्रमांक 53 के सांस्कृतिक भवन गांधी चौक देवपुरी में शिविर लगाया गया।

इसमे सांसद श्री सुनील सोनी सम्मिलित हुए। उन्होने शासकीय विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों में जाकर किया। लोकसभा सांसद श्री सोनी ने कहा कि केन्द्र सरकार की लोकहितौषी योजना है जिससे आम नागरिक सीधे लाभान्वित हो सकते है। ऐसे योजनाओं की जानकारी प्रदान करे एवं उनका लाभ कैसे लें उसकी प्रक्रिया के बारे में बताएं। शिविर में 2130 पात्र नागरिक केन्द्र सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। जन स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में 1615 नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। 780 नागरिकों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। शिविर में पीएम विश्वकर्मा योजना से पात्र 25 नागरिक एवं पीएम उज्जवला योजना से 350 पीएम स्वनिधि योजना से 29, आयुष्मान भारत योजना से 61, आधार कार्ड अपडेटेशन योजना से 35 नागरिकों का पंजीकरण कराया गया। शिविर में 72 नागरिकों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी में सफलता की कहानी सुनाई, जबकि 125 नागरिकों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक श्री मोती लाल साहू एवं जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

वार्ड 52 में 2122 पात्र नागरिकों को मिला योजनाओं का लाभ

विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 के जोन क्रमांक 10 कार्यालय परिसर अमलीडीह में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर लगाई गई। जिसमें आम नागरिकों को केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ लेने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू शामिल हुए। श्री साहू ने शासकीय विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों में जाकर अवलोकन किया । उन्होंने अधिकारियों को आम जनता को केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। 5471 नागरिकों ने वार्ड क्रमांक 52 के शिविर में पहुंचकर केन्द्र सरकार की लोकहितैषी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही जन स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में 1250 नागरिकों का चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं उन्हें नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयॉ दी। 550 नागरिकों ने वर्ष 2047 तक

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। शिविर में पीएम विश्वकर्मा योजना से पात्र 101 नागरिक एवं पीएम उज्जवला योजना से 450 नागरिक पीएम स्वनिधि योजना से 34, आयुष्मान भारत योजना से 90, आधार कार्ड अपडेटेशन योजना से 175 नागरिक प्रत्यक्ष लाभान्वित हुए। शिविर में 75 नागरिकों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी में सफलता की कहानी सुनाई। विकसित भारत संकल्प यात्रा क्विज प्रतियोगिता में 190 नागरिकों ने भाग लिया।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की सेंट पॉल्स कैथेड्रल में नव वर्ष की प्रार्थना

रायपुर(jantaserishta.com)। कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नव वर्ष में देश व छत्तीसगढ़ तरक्की करे। हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म व समाज का हो खुशहाल व समृद्ध बने यही कामना है। सेंट पॉल्स कैथेड्रल में नव वर्ष की प्रार्थना व प्रीति भोज में अग्रवाल ने यह उदगार व्यक्त किए। इस मौके पर छत्तीसगढ़ डायसिस के सचिव नितिन लॉरेंस, कोषाध्यक्ष अजय जॉन, पादरी सुनील कुमार व पादरी सुशील मसीह, चर्च कोषाध्यक्ष प्रमोद मसीह भी मौजूद थे। मंत्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ डायसिस और कैथेड्रल द्वारा सभी समाज की सेवा के लिए किए जा रहे कामों की सराहना की। इससे पहले छत्तीसगढ़ डायसिस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने मसीही समाज के उल्लेखनीय कार्यों, समस्याओं व मांगों जिनमें सर्व-सुविधायुक्त 40 कमरों व तीन हॉल वाले सामुदायिक भवन के निर्माण, कब्रस्थानों की कमी, गिरजाघरों व स्कूलों की जीर्ण शीर्ण हालत, अनुदान स्कूलों में शिक्षकों की कमी आदि की ओर बृजमोहन अग्रवाल का ध्यान आकृष्ट किया। मंत्री अग्रवाल ने सामुदायकि भवन के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। कब्रस्थान व अन्य मांगों को भी पूरा करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस मौके पर कैथेड्रल के पूर्व युवा

सभा अध्यक्षों जेएल डेनिएल, नितिन लॉरेंस व अजय जॉन का सम्मान भी किया। उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा जॉन राजेश पॉल को स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर दी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार ट्राफी को प्रदान किया। पादरी सुनील कुमार व डायसिस के सचिव लॉरेंस ने भी मंत्री अग्रवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंत्री अग्रवाल ने अपनी ओर से एक जरूरतमंद दिव्यांग बालिक को ट्राइसिकल भी प्रदान की। इस मौके पर अग्रवाल ने क्रिसमस सदभावना रैली -2023 पर बन रही डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर का विमोचन भी किया। बृजमोहन अग्रवाल समाज के प्रीति भोज में भी शामिल हुए। इस अवसर पर बज़ी संख्या में मसीहीजन शामिल हुए।

दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
शहर की जनता से रिश्ता

मुख्यमंत्री ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका श्रीमती सावित्री बाई फुले की जयंती पर उन्हें नमन किया : रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारत की पहली महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक स्वर्गीय श्रीमती सावित्री बाई फुले की 03 जनवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा कि सावित्री बाई फुले जी ने महिला शिक्षा के लिए लोगों को न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि कई महिलाओं को शिक्षा भी दी। छुआछूत विरोध, स्त्री अधिकारों की लड़ाई एवं शिक्षा के क्षेत्र में श्रीमती फुले का योगदान अविस्मरणीय है। स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उनके उल्लेखनीय कार्य हमेशा याद किए जाएंगे।

क्रिकेटर सौरभ गांगुली ने नवा रायपुर के स्टेडियम को सराहा

- बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की सौजन्य मुलाकात
- सीएम ने बताया कि बचपन में क्रिकेट खेलने अपने हाथों से लकड़ी का बेट बनाते थे

रायपुर (jantaserishta. com)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज सौजन्य मुलाकात करने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष श्री सौरव गांगुली पहुंचे। श्री गांगुली ने मुख्यमंत्री को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भी श्री गांगुली को बधाई दी। इस दौरान क्रिकेट पर, छत्तीसगढ़ पर और विभिन्न विषयों पर औपचारिक चर्चा हुई।

चर्चा के दौरान श्री गांगुली ने मुख्यमंत्री से क्रिकेट में रुचि के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्रिकेट में इतनी रुचि थी कि गांव में क्रिकेट खेलने लकड़ी से खुद बल्ला तैयार करते थे। जशपुर जिले के बारे में बताते हुए उन्होंने बताया कि हमारे यहां हाकी खेली जाती है। यहां पर पहाड़ी कोरवा जनजाति तीरंदाजी बहुत कौशल से करते हैं इसलिए तीरंदाजी में भी खिलाड़ी खूब रुचि लेते हैं। मुख्यमंत्री से श्री गांगुली ने रायपुर प्रवास पर कहा कि मैं पहली बार छत्तीसगढ़ आया हूँ श्री गांगुली ने बताया कि वो पहली बार छत्तीसगढ़ आये। यहां नवा रायपुर का स्टेडियम बहुत अच्छा है। मुझे बताया गया कि यहां अंतरराष्ट्रीय मैच हुए हैं और सचिन जैसे मशहूर खिलाड़ी भी यहां खेल चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि आपका कभी कोलकाता में आना हुआ क्या। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में स्टील मंत्रालय देखने के दौरान कोलकाता काफी जाना होता था। श्री गांगुली ने छत्तीसगढ़ के बारे में विस्तार से मुख्यमंत्री से पूछा। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ वनसंपदा से समृद्ध है। प्राकृतिक रूप से काफी खूबसूरत है। खनिज से भी समृद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्री गांगुली का बेल मेटल से निर्मित मूर्ति और शॉल भेंट कर अभिनन्दन किया। श्री गांगुली ने मुख्यमंत्री को सम्मानपूर्वक अपना हस्ताक्षर किया हुआ बल्ला भेंट किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, विधायक श्री सम्पत अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ पी. दयानन्द भी उपस्थित थे। विधायक श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री और श्री गांगुली को इस मौके पर जगन्नाथ पुरी से लाया गया भगवान श्री जगन्नाथ का प्रसाद और छायाचित्र भेंट किया। क्या बाघ का फोटोग्राफ मोदी जी ने यहीं लिया था श्री गांगुली ने पूछा कि क्या कान्हा भी छत्तीसगढ़ में है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

रायपुर (jantaserishta. com)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बुधवार को महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन की ओर से स्व.शारदा कावड़िया की याद में आयोजित निःशुल्क नेत्र, बहरापन और स्वास्थ्य शिविर का उदघाटन किया। उन्होंने आयोजन की प्रशंसा की तथा ऐसे स्वास्थ्य शिविर निःशुल्क आयोजित करने का आहवान स्वयंसेवी संस्थाओं से किया। संयोजक पार्षद और जोन अध्यक्ष डॉ.प्रमोद साहू ने बताया कि पंडरी स्थित मधु पिल्लै शासकीय स्कूल में शिविर का आयोजन हुआ जिसमें कुल 577 मरीजों का सामान्य परीक्षण, 49 मोतियाबिंद के मरीज, 69 कान की जांच तथा 16 मरीजों को कान की मशीन वितरित की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाई और चश्मा का वितरण किया गया।

शिविर में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ.यात्रा कावड़िया, डॉ.कर्तव्य कावड़िया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.पारूल कावड़िया, मूत्र प्रोस्टेट सर्जन डॉ.हर्ष जैन और वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.जयेश कावड़िया ने निःशुल्क नेत्र जांच, बहरनेपन की जांच, निःशुल्क चश्मा एवं दवाई वितरण में अपना सहयोग दिया। महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकेश कावड़िया तथा अशोक जैन ने बताया कि संस्था की ओर से शिविर में सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

इस अवसर पर संस्था की ओर से दो अलग-अलग एंबुलेंस अत्याधुनिक मशीनों के साथ उपस्थित रहीं जहां मरीजों का परीक्षण किया गया। कुछ मरीजों को आपरेशन के लिए भी चयनित किया गया है जिनका आपरेशन जल्द किया जायेगा।

ताजा खबर

संक्षिप्त

सीएम से कार्टूनिस्ट त्रयंबक शर्मा ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज शाम यहां राज्य अतिथि गृह पहुना में कार्टून वॉच पत्रिका के संपादक एवं कार्टूनिस्ट त्र्यम्बक शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को उनका ही कार्टून भेंट किया। यह भेंट देखकर मुख्यमंत्री मुस्कुराये बिना नहीं रह सके। उनकी बिटिया अंजली शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्टून वॉच के 28 वें वर्ष में प्रवेश पर श्री शर्मा को बधाई दी। इस मौके पर अंजय शुक्ला और कार्टूनिस्ट आलोक सिंग भी उपस्थित थे।

दूरदर्शन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का साक्षात्कार आज

रायपुर। प्रादेशिक समाचार एकांश, दूरदर्शन केन्द्र, रायपुर के कार्यक्रम ''चर्चा में'' के अंतर्गत 04 जनवरी गुरूवार को अपरान्ह 4 बजे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का साक्षात्कार प्रसारित किया जाएगा। साक्षात्कार में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की जायेगी।

मुख्यमंत्री से शहीद कर्नल विप्लव के पिता ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के पिता श्री सुभाष त्रिपाठी ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि शहीद कर्नल श्री विप्लव त्रिपाठी की प्रतिमा रायगढ़ में शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम के सामने स्थापित की गई है। साथ ही स्मृति पट भी स्थापित की गई है। श्री त्रिपाठी ने प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री को निमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि रायगढ़ जिले के वीर सपूत शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी ने देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। उनकी शहादत हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेगी। उनकी प्रतिमा अनावरण के अवसर पर उपस्थित होना मेरे लिए गौरव की बात होगी। इस दौरान शहीद कर्नल त्रिपाठी के मामा राजेश पटनायक एवं गोकुल पटनायक भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि कर्नल त्रिपाठी ने वर्ष 2003 में कुमाऊं रेजीमेंट में कमीशन लिया था।

उप मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी, पीएचई और नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ नहीं हो कोई समझौता : अरूण साव

jantaserishta.com

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज अपने प्रभार वाले लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने तीनों विभागों के अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर विभागीय कामकाज के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों की श्रेष्ठ गुणवत्ता पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं हो। उन्होंने सभी कार्यों को अनिवार्यतः समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। समय-सीमा में काम पूर्ण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सचिव श्री आलोक कटियार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के विशेष सचिव डॉ. अय्याज तंबोली भी बैठक में उपस्थित थे। श्री साव ने तीनों विभागों की दक्षता बढ़ाने, तेजी से काम पूरा करने, कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए कार्यप्रणाली में सुधार लाने आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीनों विभागों को अच्छा काम करना है और जनमानस में इन विभागों की अच्छी छवि बनाना है। उन्होंने काम का पुराना तौर-तरीका बदलते हुए निर्माण और मरम्मत के कार्यों में नई तकनीकों का उपयोग करने को कहा। श्री साव ने खाली पदों पर भर्ती के लिए पहल करने की बात कही। उन्होंने तीनों विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने तीनों विभागों के लिए आगामी बजट की तैयारियों की भी जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग की बैठक में कहा कि गड्ढों वाली सड़कों की तत्काल मरम्मत कराएं। अगले एक से दो महीनों में सभी सड़कों की मरम्मत का काम पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक और वाहनों के लोड के हिसाब से सड़कों का निर्माण कराएं। सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। अच्छी गुणवत्ता की टिकाऊ सड़कें बनवाएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के सुझाव पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की तरह लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़कों की गुणवत्ता की थर्ड पार्टी मूल्यांकन की व्यवस्था तैयार करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को जल जीवन मिशन का काम तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने का काम पूर्ण होते ही सड़कों की यथास्थिति बहाल करने को कहा, ताकि नागरिकों को आवाजाही में परेशानी न हो। उन्होंने विभाग के डिवीजन स्तर के कार्यालयों को और अधिक सक्रियता दिखाने के निर्देश दिए। उन्होंने काम के अनुरूप संसाधन बढ़ाने को कहा। उन्होंने आने वाले समय में लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता को देखते हुए नए हैंडपंप की स्थापना और मरम्मत के लिए आगामी जून माह तक की जरूरत के मुताबिक स्पेयर-पार्ट्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

श्री साव ने नगरीय प्रशासन और विकास विभाग की बैठक में अधोसंरचना संबंधी कार्यों और नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों ने उन्हें स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), स्मार्ट सिटी परियोजना, अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति की जानकारी दी। श्री साव ने विभाग में प्रशासनिक सुधार के साथ ही शहरों के लिए योजना बनाकर चरणबद्ध ढंग से काम करने को कहा।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने मंत्रालय में काम-काज संभाला

रायपुर (jantaserishta. com)। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता, संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज मंत्रालय में पूजा-अर्चना कर अपना कार्यभार संभाल लिया है। श्री बघेल ने विभागीय अधिकारी से विभागीय काम-काज के संबंध मे आवश्यक जानकारी ली।

इस अवसर पर विभागीय सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं विभगीय अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से मिला सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति का प्रतिनिधिमंडल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में विधायक गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में आए सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति रायपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी रायपुर में दिनांक 7 जनवरी को आयोजित होने वाले सतनामी समाज के प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति के सदस्यों को आमंत्रण हेतु आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति रायपुर के अध्यक्ष श्री जय बहादुर बंजारे, श्री सरजू प्रसाद, श्री दिनेश खूंटे, श्री पृथ्वीराज बघेल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड ने NATCON 2023 में राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ इतिहास रचा

जेसीआई कृति अग्रवाल ने प्राप्त किया NATCON पुरस्कार

रायपुर (jantaserishta. com)। मैक महाविद्यालय में नूतनवर्ष लेकर आया जेसीआई कृति अग्रवाल ने JCI (India) पर पुरस्कार पाकर महाविद्यालय का सम्मान बढ़ाया। अद्वितीय गौरव के क्षण में, जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड ने बैंगलोर में आयोजित 68वें JCI के राष्ट्रीय सम्मेलन NATCON में हिस्सा बनकर उसने जीतें जेसीआई इंडिया के प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अवार्ड आउटस्टैंडिंग लोकल ऑर्गेनाइजेशन रनर 2023 JCI India को अपने नाम करके इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। देश भर के 1700 स्थानीय संगठनों को पीछे छोड़ते हुए, मैक यूनाइटेड उपविजेता बनकर उभरा, जो एक असाधारण उपलब्धि है। कॉलेज के चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल जी के दूरदर्शी नेतृत्व, कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम.एस. मिश्रा के मार्गदर्शन और जेसीआई जया अरोड़ा सेन और चैप्टर प्रभारी जेसी ऋषि पांडे के मेहनती समन्वय के तहत मैक यूनाइटेड ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। प्रशंसा यहीं समाप्त नहीं होती - जेसीआई मैक यूनाइटेड रायपुर ने न केवल प्रतिष्ठित सुपर चैप्टर क्लॉक टॉवर जीता, बल्कि 100 सदस्यता प्रोफाइल अपडेशन के लिए दो ट्रॉफियां भी हासिल कीं।

आश्रम-छात्रावासों में मिलेगी जिम की सुविधा

- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए दिल्ली में एक और यूथ हॉस्टल बनाने पर चर्चा
- बिलासपुर में शुरू होगा प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र

रायपुर (jantaserishta. com)। मंत्री रामविचार नेताम आदिमजाति, अनुसूचित जाति, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज अटल नगर, नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय ट्राइबल रिसर्च इंस्ट्रिट्यूट सभा कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओ की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि आदिमजाति विकास के तहत ऐसा कार्य करें कि छत्तीसगढ़ की देश-दुनिया में एक अलग पहचान बने। आदिमजाति, अनुसूचितजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाज के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए संवेदन शीलता के सथ कार्य किया जाए। सभी आश्रम-छात्रवासों में स्वच्छता के साथ शिक्षा का वातावरण हो। शिक्षा के साथ-साथ खेल प्रतीभाओं को सामने लाने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं के स्वस्थ तन, स्वस्थ मन की दृष्टिकोण से आश्रम-छात्रवास परिसर में जिम स्थापित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में सचिव श्री डी.डी.सिंह और संचालक श्रीमती शम्मी आबिदी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री नेताम ने रिसर्च सेंटरऔर लाईब्रेरी का भी अवलोकन किया। लाईब्रेरी में संग्रहित आदिम जाति कला संस्कृति तथा परंपराओं पर आधारित किताबों के संग्रह से काफी प्रभावित हुए। मंत्री श्री नेताम ने समीक्षा बैठक में कहा कि आश्रम छात्रवास के बच्चे भी आपके बच्चे की तरह है।

दिल्ली पुलिस, सी.ए.पी.एफ में भर्ती के लिए परीक्षा 8 जनवरी को

रायपुर। दिल्ली पुलिस और सी.ए.पी.एफ में सब-इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए परीक्षा 08 जनवरी को होगी। इस परीक्षा के लिए रायपुर शहर के सरोना स्थित आयन डिजिटल जोन आईडीजेड, पार्थवी प्रोविंस कमर्शियल काम्पलेक्स, संत रविदास वार्ड-70 को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। 08 जनवरी को इस केंद्र पर सुबह 9 से 11 बजे तक परीक्षा होगी। इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

हॉस्पिटल क्षेत्र के युवाओं के लिए 09 जनवरी को जॉब फेयर

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 09 जनवरी 2024 को स्थान- रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 से दोपहर 02 बजे तक जॉब फेयर आयोजित किया गया है।

किसानों को 16,213 करोड़ रूपए का भुगतान

राज्य में अब तक 74.28 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर (jantaserishta. com)। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का महाअभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार की संकल्प पत्र के अनुसार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 74.28 लाख मीट्रिक धान की खरीदी की गई है।

धान के एवज में किसानों को 16,213 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी को राज्य में लागू किए जाने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का आदेश जारी कर दिया गया है। मार्कफेड की प्रबंध संचालक सुश्री इफ्फत आरा और महाप्रबंधक श्री दिलीप जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान विक्रय का लाभ पूर्व में धान बेच चुके किसानों को भी मिलेगा। इसका आशय यह है कि एक नवम्बर से अब तक पूर्व निर्धारित मात्रा के अनुरूप धान बेच चुके किसान शेष मात्रा का धान उपार्जन केन्द्र में 31 जनवरी तक बेच सकेंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 15 क्विंटल कॉमन धान की 2040 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की दर से किए जाने के साथ ही उन्हें प्रति एकड़ 9000 रूपए की इनपुट सब्सिडी दी गई, जिसे मिलाकर अधिकतम 39,600 रूपए का भुगतान होता था। इस साल 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से होने से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने पर 65,100 रूपए मिलेगा। इस प्रकार देखा जाए तो इस साल धान विक्रय पर किसानों को गत वर्ष की तुलना में 25,500 रूपए का अतिरिक्त लाभ होगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 15 लाख 32 हजार 389 किसानों से 74 लाख 28 हजार 060 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 16 हजार 213 करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 63 लाख 09 हजार 848 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है।

बोनस राशि आहरण में हीला-हवाला करने वाले बैंकर्स पर होगी कार्रवाई

- सहकारिता मंत्री ने बैंक से राशि आहरण के मामले में कमीशन मांगने वाले मैनेजर के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए

रायपुर (jantaserishta. com)। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि है किसानों को अपने सहकारी बैंक खातों से राशि के लेन-देन में किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों द्वारा राशि के आहरण के समय बैंकर्स द्वारा टाल-मटोल किए की शिकायत मिली तो संबंधित बैंकर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहकारी बैंक करगीरोड में किसानों द्वारा बोनस की राशि आहरण करते वक्त प्रभारी शाखा प्रबंधक द्वारा कमीशन मांगे जाने की शिकायत पर निलंबन की कार्रवाई को पर्याप्त न मानते हुए उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि सहकारी बैंक करगीरोड के प्रभारी शाखा प्रबंधक श्री हरीश कुमार वर्मा को किसानों से कमीशन राशि मांगे जाने की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाये जाने पर कलेक्टर बिलासपुर के निर्देश पर उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नया रायपुर स्थित अपेक्स बैंक के सभागार में सहकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को सहकारी बैंकों के कामकाज पर निगरानी रखने के साथ ही सोसायटियों के माध्यम से किसानों को रबी सीजन के लिए आवश्यक आदान-सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री केदार कश्यप ने बैठक में अधिकारियों को धान की व्यवस्था पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न आए और उन्हें सहजता से टोकन, बारदाना उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करना भी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
शहर की
जनता से रिश्ता

युवा पहलवानों ने दिल्ली में बजरंग, साक्षी, विनेश के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन: नई दिल्ली। युवा पहलवानों ने अनुभवी पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उन पर कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों को रोकने और खेल में आने वाले बच्चों का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया। सैकड़ों युवा पहलवान राष्ट्रीय राजधानी में एकत्र हुए और दिग्गज पहलवानों के खिलाफ नारे लगाए. उनके हाथों में तख्तियां भी थीं जिन पर लिखा था कि बजरंग, विनेश और साक्षी ने देश में कुश्ती की हालत खराब कर दी है।

ताजा खबर
संक्षिप्त

उच्चतम कैडेट उपस्थिति में रिकॉर्ड 907 लड़कियां

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में बालिका कैडेटों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की है। सभी 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 2,274 कैडेट एक महीने तक चलने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस में भाग लेंगे। शिविर 2024। 907 लड़कियों के साथ, इस वर्ष के शिविर में बालिका कैडेटों की सबसे बड़ी भागीदारी होगी। इस अवसर पर बोलते हुए, एनसीसी महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह (एवीएसएम, वीएसएम) ने पिछले वर्ष में संगठन की उपलब्धियों और मूल्यांकन को सूचीबद्ध किया। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड में, एनसीसी गर्ल्स कैडेट भाग लेंगे। उनका प्रशिक्षण और ड्रिल मानक उत्कृष्ट हैं। पहली बार, परेड में महिला दल भाग लेगा। पहले, मिश्रित टुकड़ी हुआ करती थी, डीजी एनसीसी लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने कहा।

मालदीव के राष्ट्रपति का चीन के प्रति झुकाव साफ दिखने लगा

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा है कि अगर भारत ने हिंद महासागर द्वीपसमूह से अपनी सेना नहीं हटाई तो उसके देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। चीन की तरफ झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने कहा कि मालदीव में अगर भारतीय सेना बरकरार रहती है तो इसका मतलब मालदीव के लोगों की 'लोकतांत्रिक इच्छा' की अवहेलना करना होगा। TOI को दिए एक विशेष इंटरव्यू में मुइज्जू ने कहा, भारत द्वारा हिंद महासागर द्वीपसमूह से अपनी सेना नहीं हटाने का मतलब मालदीव के लोगों की 'लोकतांत्रिक इच्छा' की अवहेलना करना होगा, और इससे हमारे देश में लोकतंत्र का भविष्य यह खतरे में पड़ जाएगा। हालाँकि, मुइज्जू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग का समर्थन किया है, जिसमें मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल की परिचालन तत्परता के निर्माण के प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित है। बता दें कि राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने मालदीव में भारत के किसी भी स्थायी सैन्य उपस्थिति को अस्वीकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और 11 राज्यों को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र और पंजाब समेत 11 राज्यों को उस जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इन राज्यों के जेल मैनुअल जाति-आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर की दलीलों पर ध्यान देते हुए कि इन 11 राज्यों के जेल मैनुअल ने जेलों में काम के आवंटन में भेदभाव किया और कैदियों की जाति उन स्थानों को निर्धारित करती है जहां उन्हें रखा गया था, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने उनसे जवाब देने को कहा। महाराष्ट्र के कल्याण की रहने वाली सुकन्या शांता ने जनहित याचिका दायर की। याचिकाकर्ता ने ऐसे मैनुअल और जेल प्रथाओं को संविधान के अनुरूप लाने के लिए उचित निर्देश देने की मांग की है।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मामले में सहायता करने के लिए कहते हुए, बेंच ने मुरलीधर को इन राज्यों से जेल मैनुअल संकलित करने के लिए कहा और मामले को चार सप्ताह के बाद आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। मेहता ने कहा, मैंने जाति पर भेदभाव के बारे में नहीं सुना है॰ अलगाव आमतौर पर विचाराधीन कैदियों और दोषियों पर आधारित होता है।

खबर जरा हटके

रेलवे ट्रैक पर कूड़ा फैलाते पकड़ा गया हाउसकीपिंग स्टाफ

मुंबई। एक एक्स पेज ने हाउसकीपिंग स्टाफ द्वारा ट्रेन से एकत्र किए गए कचरे को रेल पटरियों पर छोड़ने की एक घटना साझा की। भारतीय रेलवे सेवा के कुछ कर्मचारियों को परिवहन के बाहर कचरा फेंकने और रेलवे पटरियों पर कूड़ा डालने में शामिल पकड़ा गया था। इस पर ध्यान देने पर, एक यात्री ने इसे अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया और इसे इंटरनेट पर वायरल कर दिया, और अधिकारियों का ध्यान इस अस्वीकार्य कृत्य की ओर आकर्षित करने की कोशिश की। वीडियो की शुरुआत में एक वर्दीधारी ओबीएचएस कर्मचारी पटरियों पर एक कचरा बैग खाली करते हुए दिखाई देता है, जिसके बाद वह क्षेत्र में झाड़ू लगाता है और कचरा बाहर फेंकता है, एक बार फिर। ट्रेन में यात्रा कर रहे एक नागरिक ने कथित तौर पर ईमानदार पर्यवेक्षण की कमी के दौरान कर्मचारियों द्वारा किए गए आलसी काम के बारे में शिकायत करने के लिए 139 पर कॉल किया। हालाँकि, यह पता चला कि काम को जिम्मेदारी से करने के बजाय, पर्यवेक्षक ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि शिकायत करने की हिम्मत किसने की। रविवार शाम को ऑनलाइन साझा किए जाने के बाद, यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और एक्स पर 370च से अधिक बार देखा गया। कई नेटिज़न्स ने ट्रेनों में स्वच्छता की अनदेखी और रखरखाव से समझौता की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

बाक्स न्यूज

शराब की सील बंद बोतल में मिली दो मरी चींटियां

प्रतापपुर। प्रतापपुर के अंग्रेजी शराब दुकान में मिलावट खोरी का धंधा लंबे समय से चल रहा है। बार - बार शिकायतों के बाद भी इस ओर कार्यवाई नही होने से आबकारियों के मिली भगत के भी आरोप लगने शुरू हो गए हैं। इस बार छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिला के प्रतापपुर के शराब दुकान से खरीदी गई एक शराब की सील बंद बोतल के भीतर दो मरी हुई चींटी मिलने से मदिरा प्रेमियों में हड़कंप मच गया। मदिरा प्रेमियों का कहना है कि अक्सर में थकान और तनाव मिटाने के लिए शराब का सेवन करते हैं, मगर मिलावट की वजह से शराब चढ़ती ही नहीं है। हम पी - पी कर थक जाते हैं। अब तो मिलावटखोरों के द्वारा बोतल में मरी हुई चीटियां भी पैक कर दी जा रही है। जिससे छिपकली, बिच्छू, कानखजूरा जैसे जहरीले जंतु भी शराब में मिलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। शराब के शौकीनों का कहना है कि बगैर स्थानीय प्रशासन के मिली भगत के यह खेल संभव नहीं है। दुकान और गोदाम में पीछे की ओर कर्मचारी ब्रांडेड व महंगे शराब का सील खोल आधी शराब दूसरे खाली बोतल में भर पानी मिला एक बोतल शराब से दो बोतल तैयार कर असली पैकिंग के जैसे दोबारा सील व नकली लेबल लगा दिया जाता है। जिससे एक बोतल में दोगुनी कमाई की जा रही है। आरोप लगाया गया है कि विभाग के अधिकारी इसका हिस्सा बटोर रहे हैं इसी लिए शिकायतों के बाद भी कार्यवाही नहीं होती है।

भाजपा ने कानून लाकर महिलाओं को सशक्त बनाया है

इंडिया गठबंधन हमारी आस्था पर चोट करता है: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। केरल के त्रिशूर में पीएम मोदी ने रोड शो के बाद भाजपा के महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस और वाम दलों पर जमकर हमला बोला हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण विधेयक पर देरी की थी, जबकि भाजपा ने कानून लाकर महिलाओं को सशक्त बनाया हैं। पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी की है। इंडी गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी दल राज्य के विकास और प्रगति को बाधित कर रहा हैं। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में एनडीए की केरल में जीत होगी। महिला सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, अभिनेत्री शोभना, गायिका वैकोम विजयलक्ष्मी और महिला कार्यकर्ताओं के साथ मंच साझा किया। पने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों से ही देश प्रगति करता हैं। इंडी गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विपक्षी दल राज्य के विकास में बाधा डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'इंडी' गठबंधन केवल एक ही बात जानता हैं, वे हमारी आस्था पर लगातार चोट कर रहे हैं। उन्होंने हमारे मंदिरों और त्योहारों को लूट का जरिया बना दिया हैं। त्रिशूर पूरम के साथ जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। सबरीमाला में मौजूद कुप्रबंधन के कारण भक्तों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हैं, यह राज्य सरकार की अक्षमता का ही प्रमाण हैं। विपक्ष पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना हैं। उन्होंने महिला आरक्षण को लंबे समय तक रोक कर रखा था। लेकिन मोदी ने आपको आपका हक दिलाने की गारंटी दी थी, जिसे पूरा कर लिया हैं। जब देश में कांग्रेस और वाम दल का गठबंधन था, उस समय मुस्लिम बहनें तीन तलाक के कारण परेशान थीं। लेकिन मोदी ने इससे आजादी दिलाने की गारंटी दी और उसे ईमानदारी से पूरा किया है। केरल में महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में बड़ी-बड़ी सड़कें बन रही हैं। देश में आधुनिक हवाई अड्डे बन रहे हैं, लेकिन 'इंडी' गठबंधन की सरकार यहां कोई काम नहीं होने देती, क्योंकि वे मोदी का विरोध करते हैं। केरल में लूटपाट की आजादी हैं। यहां सोने की तस्करी को लेकर चल रहा खेल किसी से नहीं छिपा है। वे कभी चाहते ही नहीं कि गरीब लोगों और बुनियादी ढांचे के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड पर कोई उनसे सवाल पूछें। यही कारण हैं कि वे केंद्र की योजनाओं में बाधा डालने की कोशिश करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा- एलडीएफ, यूडीएफ सरकारों ने 'नारी शक्ति' को कमजोर माना

केरल में वाम दलों और कांग्रेस पर हमला करते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य में एलडीएफ और यूडीएफ के नेतृत्व वाली सरकारें नारी शक्ति को कमजोर मानती हैं और उन्होंने 'नारी शक्ति' के साथ महिलाओं को उनके अधिकार देने का अपना वादा पूरा किया है।'अधिनियम' अब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने वाला कानून है। केरल के थेक्किंकडु में 'श्रीत्री शक्ति मोदिक्कोप्पम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तीन तलाक के खिलाफ एक कानून लेकर आई है। आजादी के बाद, एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने 'नारी शक्ति' को कमजोर मानाज लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने का बिल लंबे समय तक पारित नहीं हुआ, लेकिन मोदी ने आपको अपना अधिकार देने की गारंटी दी और मैंने इसे पूरा किया। ज्जब तक देश में कांग्रेस और वाम गठबंधन की सरकारें थीं, मुस्लिम बहनें तीन तलाक के कारण पीड़ित थीं, लेकिन मोदी ने इससे मुक्ति दिलाने की गारंटी दी और इसे ईमानदारी से पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल की सांस्कृतिक राजधानी से निकलने वाली ऊर्जा पूरे राज्य में नई आशा का संचार करेगी। मैं श्रीत्रि शक्ति का आभारी हूं जो मुझे आशीर्वाद देने के लिए भारी संख्या में यहां आई हैं। सौभाग्य से, मैं काशी के निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य हूं जिसे शिव की नगरी कहा जाता है। यहां वडक्कुनाथन मंदिर में भी भगवान शिव विराजमान हैं। आज केरल की सांस्कृतिक राजधानी त्रिशूर से निकलने वाली ऊर्जा पूरे केरल में नई आशा का संचार करेगी। आज वेलु नचियार और देश की महान शिक्षिका और सामाजिक कार्यकर्ता सविर्तिबाई फुले की जयंती है। ये महिलाएं हमें नारी शक्ति की क्षमता सिखाती हैं। केरल की बेटियों ने भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और संविधान निर्माण में योगदान दिया है। एवी कुट्टीमालु अम्मा, अक्कम्मा चेरियन, रोसम्मा पुन्नूस जैसी बहादुर महिलाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी।

भाजपा के नए जिला अध्यक्षों की हुई नियुक्ति

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने अपनी नई टीम तैयार कर ली है। भाजपा की नई टीम में 11 जिलाध्यक्ष नये बनाए गए हैं, जबकि 11 पुराने जिलाध्यक्षों को दोबारा काम करने का मौका दिया गया है। प्रदेश टीम में हर जाति और वर्ग को प्रतिनिधित्व देते हुए महिलाओं का खास ध्यान रखा गया है। कई जिलों में अध्यक्ष की कमान जहां महिला नेताओं को सौंपी गई, वहीं प्रदेश महामंत्री के पद पर भी पहली बार डॉ. अर्चना गुप्ता के रूप में किसी महिला को जिम्मेदारी मिली है। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने पंचकूला, अंबाला, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, भिवानी, हिसार, झज्जर, सिरसा, गुरुग्राम और चरखी दादरी के जिलाध्यक्ष बदल दिए हैं। यमुनानगर, कैथल, करनाल, रोहतक, जींद, बलवल, रेवाड़ी, नूंह, महेंद्रगढ़, फतेहाबाद और कुरुक्षेत्र में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ के कार्यकाल में बने जिलाध्यक्षों को बरकरार रखा गया है। प्रदेश कमेटी में भी काफी बड़ा बदलाव हुआ है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में सबसे ऊपर चौधरी वेदपाल एडवोकेट का नाम है, जो कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की गुडबुक के नेता हैं। अब से पहले वेदपाल भाजपा के प्रदेश महामंत्री थे, जिनका अब प्रमोशन हुआ है। हरियाणा के पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल, राज्यसभा सदस्य कृष्ण लाल पंवार, अंबाला के सांसद रतनलाल कटारिया की धर्मपत्नी बंतो कटारिया, संतोष यादव और रोहतक के सतीश नांदल को नायब सिंह सैनी ने अपनी टीम में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है। इन सभी पार्टी नेताओं को नई जिम्मेदारी मिली है, जबकि जीएल शर्मा के रूप में नायब सिंह सैनी ने ओमप्रकाश धनखड़ की पसंद को रिपीट किया है। प्रदेश महामंत्रियों की सूची में राई के विधायक मोहन लाल बडौली को दोबारा से नियुक्ति मिली है। मोहन लाल पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की टीम में भी प्रदेश महामंत्री थे। डॉ. पवन सैनी की संगठन से छुट्टी कर दी गई है। हिसार के सुरेंद्र पूनिया तथा पानीपत की डॉ. अर्चना गुप्ता को नायब सिंह सैनी ने अपनी टीम में प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है। प्रदेश महामंत्री संगठन के रूप में फणीन्द्रनाथ शर्मा पहले की तरह काम करते रहेंगे। उन्हें रविंद्र राजू के स्थान पर नियुक्ति मिली थी। भाजपा में प्रदेश सचिव के रूप में सुरेंद्र आर्य व रेणु डाबला की नियुक्तियां पुरानी है।

भारत की जीडीपी चार ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी: गोयल

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा और 2 से 2.5 साल में यह 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी का आंकड़ा छू लेगा। गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आत्मनिर्भर भारत उत्सव के शुभारंभ पर कहा, हर सड़क अनुमान के अनुसार, भारत 2027 तक दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होगी। लोकसभा चुनाव इस साल अप्रैल-मई के आसपास होने की संभावना है। मंत्री ने जीडीपी के लिए पूर्वानुमान बढ़ाया है। क्योंकि अब तक के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार 31 अप्रैल, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्तवर्ष के पूरा होने पर अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छूने की उम्मीद है। 2028 तक देशों के जीडीपी अनुमानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का विश्व आर्थिक आउटलुक डेटा 2026 में भारत की जीडीपी 4.95 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाता है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और चालू वित्तवर्ष (24) की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत की मजबूत विकास दर दर्ज की है।

विशाखापत्तनम: अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ टर्मिनल मार्च से संचालित होगा

विशाखापत्तनम(ए/नेट डेस्क)। विशाखापत्तनम बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष एम अंगामुथु ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल मार्च से अपना परिचालन शुरू करेगा और जल्द ही विशाखापत्तनम को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर रखा जाएगा। वीपीए के 90 साल पूरे होने पर, चेयरपर्सन ने कहा कि क्रूज़ सर्किट शुरू करने के लिए विभिन्न क्रूज़ ऑपरेटरों के साथ बातचीत चल रही है। क्रूज़ की योजना पहले से बनाई जानी चाहिए और शेड्यूल कम से कम तीन साल पहले तय किया जाना चाहिए। 2024 की पहली तिमाही तक, क्रूज़ को चालू कर दिया जाएगा, वीपीए चेयरपर्सन ने बुधवार को मीडिया को बताया। बंदरगाह का लक्ष्य विजाग से अंडमान और थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों तक क्रूज शुरू करना है। मुंबई से गोवा, कोच्चि और लक्षद्वीप से कोलंबो तक एक सर्किट शुरू किया जाएगा, जबकि दूसरा चेन्नई से शुरू होगा। वीपीए परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, वीपीए अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में, बंदरगाह पर 22 परियोजनाएं प्रगति पर हैं। इनमें से पांच मार्च माह में पूरे हो जायेंगे. व्यापार के मामले में वीपीए ने अपने पिछले 40 रिकॉर्ड तोड़ दिए। भविष्य में, मानदंडों के अनुपालन और अच्छी व्यापार प्रथाओं का पालन करने में बंदरगाह देश में सर्वश्रेष्ठ होगा। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, हम एक वैश्विक बंदरगाह के बराबर एक बेंचमार्क स्थापित करेंगे, डॉ अंगामुथु ने कहा। समग्र प्रदर्शन संकेतकों में, वीपीए 12 प्रमुख बंदरगाहों में तीसरे स्थान पर है। क्रूज़ टर्मिनल का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ को बढ़ावा देना है। वीपीए चेयरपर्सन ने बताया कि वीपीए ने 31 दिसंबर, 2023 तक लगभग 60 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो को संभाला। वर्तमान में, माल परिवहन 43 प्रतिशत सड़क के माध्यम से, 26 प्रतिशत रेलवे के माध्यम से, 21 प्रतिशत पाइपलाइन के माध्यम से और 10 प्रतिशत कन्वेयर के माध्यम से किया जाता है। इस बीच, विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड कोलकाता/हल्दिया, पारादीप, चटगांव और यांगून के कंटेनरों के साथ भारत के पूर्वी तट पर एक क्षेत्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित हो रहा है।

सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, हुआ ये एक्शन

अयोध्या में आतंकी हमले की साजिश

लखनऊ (ए/नेट डेस्क)। अयोध्या में सुरक्षा को लेकर एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इस बीच यूपी एटीएस ने अयोध्या में आतंकी हमले की साजिश को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एटीएस की मानें तो अयोध्या में हमले की साजिश औरंगाबाद में रची जा रही थी। एटीएस ने इस मामले में केस दर्ज करने के बाद औरंगाबाद में 11 संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की पर अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इस दौरान कई फोन बरामद किए गए। एटीएस ने अब इन संदिग्धों को लखनऊ मुख्यालय तलब किया है। इस दौरान एटीएस लखनऊ में इनसे पूछताछ करेगी। सूत्रों के मुताबिक औरंगाबाद में अयोध्या हमले की साजिश रची जा रही थी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले कुछ युवक विशेष समुदाय के लोगों को भड़का रहे थे। उनका मकसद था कि मंदिर उद्घाटन से पहले बड़ी वारदात करने का। एटीएस को साजिश की जानकारी के बाद टीम सक्रिय हो गई। साजिश में शामिल मिर्जा सैफ बेग, अब्दुल वाहिद, यासिर, जियाउद्दीन सिद्दीकी, थोर भान, एसके खालिद, ताहिर, हबीब समेत 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। इस बीच एटीएस को खबर लगी कि यह सभी संदिग्ध घर से गायब हो गए हैं। यूपी एटीएस की टीम औरंगाबाद जाकर उनके घर पर छापेमारी की। इस दौरान संदिग्ध हाथ नहीं लगे पर कई के मोबाइल फोन बरामद किए गए जिसे यूपी एटीएस ने जब्त कर लिया। एटीएस की माने तो सभी संदिग्ध सोशल मीडिया पर सक्रिय थे। आईएस के समर्थन में औरंगाबाद निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट किया था जिसे सभी ने शेयर किया था। यूपी एटीएस ने अयोध्या के राम मंदिर को लेकर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वाले झांसी के जिबरान मकरानी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए एटीएस की साइबर पेट्रोलिंग के दौरान जिबरान मकरानी की यह पोस्ट पकड़ी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या के प्रस्तावित समारोह को देखते हुए एटीएस द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। इस साइबर पेट्रोलिंग के दौरान यह प्रकाश में आया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर आईडी @jibranMakraniv द्वारा विद्वेषपूर्ण व भड़काऊ पोस्ट की गई है।

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर अभी तक तस्वीर साफ नहीं

नई दिल्ली(ए/नेट डेस्क)। विपक्षी गठबंधन INDIA में सीट शेयरिंग को लेकर अभी तक तस्वीर साफ नहीं हुई है. इसी बीच बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने बिहार के लिए 10 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है. जबकि कांग्रेस ने यूपी में 40 सीटों पर चुनाव लड़ने पर जोर दिया है. जानकारी के मुताबिक यूपी कांग्रेस उन 40 सीटों की सूची तैयार कर रही है, जहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में है, यह सूची बड़ी पार्टी मीटिंग में सौंपी जाएगी. इसी बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है. टीएमसी ने कांग्रेस को बंगाल में 2 लोकसभा सीटों की पेशकश की है. जानकारी के मुताबिक कांग्रेस को लगता है कि लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में भी कांग्रेस की पकड़ अच्छी है. अगर सपा पिछले गठबंधनों में बसपा को बड़ा हिस्सा दे सकती है, तो कांग्रेस को क्यों नहीं. बता दें कि कल कांग्रेस आलाकमान के साथ पार्टी के संबंधित प्रदेश अध्यक्षों, प्रभारियों और महासचिवों की एक बड़ी मीटिंग होने वाली है। इस अहम बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष करेंगे, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे. कांग्रेस की मीटिंग में सीट बंटवारे पर मुख्य फोकस रहेगा. बैठक में कांग्रेस द्वारा तय किए गए सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर विचार-विमर्श के बाद अंतिम मुहर लगाई जाएगी. गठबंधन समिति पहले ही अपनी रिपोर्ट खड़गे और सोनिया को सौंप चुकी है. कांग्रेस संभवतः 291 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और बाकी सीटों पर प्रदेश के नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा. कांग्रेस अपनी बड़ी बैठक के लिए तैयारी कर रही है, वहीं, पार्टी की राज्य इकाइयों ने उन सीटों की एक लिस्ट तैयार कर ली है, जिन पर पार्टी चुनाव लड़ सकती है. कांग्रेस की ओर से ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दे हावी रहेंगे और बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस ही फ्रंट फुट पर चुनाव लड़ेगी।

अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने दिसंबर के अंत में भारत की नई दंड संहिता बीएनएस में हिट-एंड-रन एक्सिडेंट्स के लिए अधिकतम 10 साल की जेल और %7 लाख के जुर्माने% की समीक्षा का अनुरोध किया था। दूसरी तरफ, उसने ट्रक चालकों से भी धैर्य रखने की अपील की थी। लेकिन ट्रक ड्राइवरों ने इस अपील को बिल्कुल भाव नहीं दिया और हड़ताल शुरू कर दी। मंगलवार को सरकार के साथ बातचीत के बाद हड़ताल वापस ले ली गई।

संपादकीय

E-mail: jantaserishta@gmail.com

सड़क हादसों के लिए कठोर कानून तो चाहिए, लेकिन...

देश में सड़क दुर्घटना में जान-माल के भारी नुकसान की खबरें आती रहती हैं। अक्सर लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाएं होती हैं और चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो जाता है। सरकार ने भारतीय न्याय संहिता में ऐसे हिट एंड रन केस के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया है जिसके खिलाफ ट्रक ड्राइवर गुस्से में हैं। हाईवे जाम करके आपूर्ति रोकना अचानक फ्लैश मॉब की तरह नहीं हुआ। अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने दिसंबर के अंत में भारत की नई दंड संहिता बीएनएस में हिट-एंड-रन एक्सिडेंट्स के लिए अधिकतम 10 साल की जेल और %7 लाख के जुर्माने% की समीक्षा का अनुरोध किया था। दूसरी तरफ, उसने ट्रक चालकों से भी धैर्य रखने की अपील की थी। लेकिन ट्रक ड्राइवरों ने इस अपील को बिल्कुल भाव नहीं दिया और हड़ताल शुरू कर दी। मंगलवार को सरकार के साथ बातचीत के बाद हड़ताल वापस ले ली गई। केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया कि नए कानून लागू होने से पहले हितधारकों के साथ परामर्श किया जाएगा। ट्रक चालकों की दलील- प्रमुख निकाय और ट्रक चालकों को डर था कि हिट-एंड-रन मामलों में विशेष रूप से हाईवे प पुलिस शायद ही कभी जांच करती है, बस ट्रक चालकों को ही दोषी मानती है। ऐसे मामलों की जांच कैसे की जाए, इस पर कोई मानक प्रक्रिया (एसओपी) नहीं है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक अगर मौके पर रुके तो आग-बबूला हुए स्थानीय लोग उसके साथ क्या करेंगे, इसका कुछ अंदाजा नहीं रहता है। इस खौफ से ट्रक ड्राइवर एक्सिडेंट को रिपोर्ट करवाने के लिए मौके पर रुकने की बजाय किसी तरह जान बचाकर निकलने को प्राथमिकता देते हैं। इस पर सरकार ने कहा कि कानून में कहीं नहीं लिखा है कि दुर्घटना की सूचना साइट से ही देनी चाहिए। एसोसिएशन का मानना है कि एक तो ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में ड्राइवरों की 27त्न कमी है, ऊपर से 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान लोगों के इस सेक्टर से जुड़ने से रोकेगा। बहरहाल, ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से देश के सप्लाई चेन की जीवन रेखा बाधित हो गई। उम्मीद है आज से पेट्रोल-डीजल समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति फिर से शुरू हो जाएगी। लेकिन क्या कानून को दोष देना चाहिए ट्रक चालकों की दलीलों में दम तो है, लेकिन कानून को दोष देना उनकी परेशानियों का समाधान नहीं है। एक सख्त कानून की जरूरत है। सड़क दुर्घटनाओं में भारत दुनिया में सबसे आगे है। वर्ष 2022 में हिट एंड रन मामलों में लगभग 59 हजार लोग मारे गए, जो सड़क हादसों में कुल मौतों का लगभग 30त्न है। महाराष्ट्र में 2022 में हर घंटे एक व्यक्ति की हाइवे एक्सिटेंड में मृत्यु हुई, जो 2021 की तुलना में 14त्न अधिक है। इसमें कोई शक नहीं कि लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों की देश में कोई कमी नहीं है।

नशा एक अभिशाप है...

लेख -चन्दन घुघत्याल

रिपोर्ट बताती है कि भारत में सोलह करोड़ लोग शराबी हैं और हर साल नशे से करीब साढ़े सात हजार लोग मौत के मुँह में समां जाते हैं। इस नशे के खिलाफ बृहद जनजागरण अभियान की नितांत आवश्यकता है। हमारे चारों ओर ऐसी ही कई घटनाएं घटित होती हैं जो कि नशे की ओर आसानी से खींच लेती हैं। शायद मुझ जैसे कई साथियों में जागरूकता रही होगी जिसके कारण नशे से बचे रहे। मैं जब कक्षा दस में पढता था तो हमारे इलाके का माहौल बहुत ज्यादा मोटिवेशनल नहीं था, इलाके में ऐसा कोई ब्यक्ति नहीं था जो बच्चों को अच्छी सीख दे सके। हम 10-12 लोग रोज पैदल ही 6-7 किलोमीटर दूर इण्टर कॉलेज में पढ़ने जाते थे। हमारे कई साथी रोज 8 बजे घर से निकलकर पास के जंगल में दिनभर छिप जाते थे और शाम को 3-4 बजे घर आ जाते थे। शायद उन्हें ऐसा करने में मजा आता होगा।

आज की भागमभाग भरी जिंदगी में मानवीय संवेदनाओं का ह्रास हुआ है। जिसकी वजह से आपसी सौहार्द कम हुआ है, सतही और खोखले रिश्तों के कारण आपसी विश्वास में कमी आयी है। संयुक्त परिवारों में कमी, बाजारवाद और पाश्चात्य संस्कृति का अत्यधिक प्रभाव और नैतिक शिक्षा में कमी की वजह से बच्चे, जवान , बूढ़े आसानी से पथ विचलित हो जा रहे हैं। इसके परिणाम स्वरुप कई बुरी आदतें अपना प्रभाव बच्चों पर छोड़ रही हैं। नशे का सेवन इन बुराईयों में से एक है जो कि हर आयुवर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में जकड़ रहा है। नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट (एनडीडीटी), एम्स की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दसक में भारत में नशा करने वालों की संख्या 30 प्रतिशत बढ़ गई है और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में सोलह करोड़ लोग शराबी हैं और हर साल नशे से करीब साढ़े सात हजार लोग मौत के मुँह में समां जाते हैं। इस नशे के खिलाफ बृहद जनजागरण अभियान की नितांत आवश्यकता है। हमारे चारों ओर ऐसी ही कई घटनाएं घटित होती हैं जो कि नशे की ओर आसानी से खींच लेती हैं। शायद मुझ जैसे कई साथियों में जागरूकता रही होगी जिसके कारण नशे से बचे रहे। मैं जब कक्षा दस में पढता था तो हमारे इलाके का माहौल बहुत ज्यादा मोटिवेशनल नहीं था, इलाके में ऐसा कोई ब्यक्ति नहीं था जो बच्चों को अच्छी सीख दे सके। हम 10-12 लोग रोज पैदल ही 6-7 किलोमीटर दूर इण्टर कॉलेज में पढ़ने जाते थे। हमारे कई साथी रोज 8 बजे घर से निकलकर पास के जंगल में दिनभर छिप जाते थे और शाम को 3-4 बजे घर आ जाते थे। शायद उन्हें ऐसा करने में मजा आता होगा। इनमे से कई छात्र भांग के पेड़ों से चरस निकालकर बीड़ी में भरकर उसका सुट्टा लगाकर मस्त हो जाते थे। दिनभर आनंदमय रहने का विचारकर और धूप सेंक कर शाम को घर आ जाते थे ? आखिर वे सभी ऐसा क्यों करते होंगे ? वे बच्चे कभी अपने माँ बाप के बारे में नहीं सोचते होंगे क्या ? इनमे से कई तो हाई स्कूल भी नहीं कर पाए। क्या यह उस स्कूल की भी नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे उन बच्चों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यबाही करता, जो महीनों विद्यालय से गायब रहते थे? यह हाल उस दौर में ज्यादातर विद्यालयों का था। उन दिनों हाई स्कूल और इण्टर का रिजल्ट ग्रामीण क्षेत्रों में 20-30 प्रतिशत तक ही रहता था। आज जब सोचता हूँ कि यह डिवाइन डेस्टिनी ही होगी कि में और मेरे एकाध साथी उस माहौल में नशे से कैसे बच गए होंगे। अन्य साथियों को ऐसी कुबुद्धि क्यों आयी होगी ? काश कोई प्रभावशाली ब्यक्ति इन सभीको मोटीवेट कर पाता तो शायद वे भी नशे की तरफ नहीं जाते। यह नशा ब्यक्ति विशेष के साथ परिवार और समाज को भी बर्बाद कर देता है। आने वाली पीढ़ियां भी नशे के कारण बर्बाद हो जाती हैं। यह गनीमत थी कि उनदिनों गांजा और चरस का ही नशा ग्रामीण क्षेत्रों में था, यदि आज की तरह के महंगे नशे होते तो न जाने समाज की दशा क्या होती ? आज तो हर स्कूल, जिम और खेल मैदान के आस पास नशा करने और करवाने वाले एजेंट मिल ही जायँगे जो कि नए नए बच्चों को अपने जाल में फंसाने के लिए तरह तरह के प्रपंच करते हैं। यह हाल पूरे भारतवर्ष में

है और बच्चे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जा रहे हैं। हमें ठोस कदम उठाते हुवे अपने बच्चों को नशे से बचाना होगा। लत यानी एडिक्शन किसी भी चीज की हो सकती है जैसे हम जैसे लोग काफी चाय पीते हैं , कई बच्चे विडिओ गेम बहुत ज्यादा खेलते हैं ,आजकल कई एडल्ट भी तो घंटों फेसबुक या यू ट्यूब वीडियो देखते हैं, यह सभी चीजें लत कहलाती हैं। इन सभी लतों से आदमी की सृजनात्मक्त का ह्रास होता है। मानसिक और शारीरक शक्ति में कमी तो आती ही है अपितु आर्थिक संशाधनों में भी कमी होती है। धूम्रपान,शराब और नशे के आदी हो गए लगों में तो यह लत ऐसी घर कर जाती है कि ब्यक्ति की सोचने समझने की शक्ति भी क्षीण हो जाती है। किसी भी लत को ब्यक्ति विशेष छोड़ना तो चाहता है लेकिन वह लत के आगे नत मस्तक सा हो जाता है क्योकि यह लत उसे अपना गुलाम बना देती है। किसी भी लत या आदी हो जाने के क्या कारण हो सकते हैं ? किसी भी नशे का पहला प्रभाव हमारे दिमाग पर पढता है।हमारे दिमाग में एक सर्किट होता है, जिसे रिवार्ड पाथवे कहते हैं। जब दिमाग उत्तेजित होता है तो यह डोपामाइन नाम का कैमिकल छोड़ता है। डोपामाइन रिलीज होने पर व्यक्ति को आनंद की अनुभूति होती है। सभी नशे इतने खतरनाक होते हैं कि इनके उत्पाद दिमाग पर ऐसा असर दिखाते हैं कि लोग जल्दी ही नशे के आदी हो जाते हैं। डोपामाइन एक ऐसा कैमिकल है जो दिमाग को कई अच?छी चीजेंकरने के लिए प्रेरित करता हैं। जब ब्रेन में बड़ी संख?या में डोपामाइन कैमिकल रिलीज होता है तो कई सकारात?मक भावनाएं जैसे नव ऊर्जा, नव प्रेरणा, गुद गुदी यादें, खुशी और सुकून आदि मन में पैदा होते हैं और ब्यक्ति नेचुरल खुश रहता है। जब डोपामाइन कम रिलीज़ होता है तो मन निराश रहता है, ऐसे में किसी भी प्रकार के नशे या ड्रग्स के सेवन से डोपामाइन रिलीज़ होता है और ब्यक्ति नशे काआदी हो जाता है। यही से वह इन बाहरी तत्वों का दास बनने लग जाता है। स्वाभाविक खुशी के बजाय चाय , कॉफी , धूम्रपान, शराब, नशा या फिर कोई और आर्टिफीसियल चीजो के द्वारा डोपामाइन उत्प्रेरित करता है और इनके फांस में जकड़ जाता है। यही से अत्यधिक लत उसके सोचने समझने की शक्ति को कम कर देता है। हमारे समाज में शराब, सिगरेट, तंबाकू का सेवन आजकल बहुत आम सा हो गया है, लेकिन इसके अलावा भी लोग अलग अलग तरह के नशे करते हैं, जिनमे शराब, अफीम, चरस, गांजा (भांग), हेरोइन व कोकेन जैसे घातक नशीले पदार्थ शामिल है। कुछ लोग खांसी के सिरप, आयोडेक्स और कुछ निद्रकारक गोलियों का इस्तेमाल नशे के रूप में करते हैं। इसके अलावा भी लोगो ने नशा करने के अलग-अलग तरीके खोज रखे हैं जैसे कोई पेट्रोल सूंघकर नशा करता है, कोई थिनर सूंघ कर तो कोई सिलोचन (टायर पंचर जोडने़ वाला) से नशा करता है। यह बहुत ही भयावह है कि आठ से बारह साल के बच्चे इस नशे की गिरफ्त में आ गए हैं। नशे के लिए यह बच्चे कुछ भी करने को तैयार रहते है। जिस उम्र में इन बच्चों के हाथों में कॉपी और किताब होनी चाहिए, उस उम्र में इनके हाथों में व्हाइटनर, सिलोचन और आयोडेक्स की शीशी नजर आती है। जब भी मैं नशे और जुवे की लत के कुप्रभाव की बात करता हूँ तो मुझे अपने क्षेत्र के परुवा के परिवार की याद आ जाती है। परुवा का परिवार गांव के बाक़ी परिवारों से बहुत ही धनाढ्य परिवार था , धनाढ्य का मतलब उन दिनों खेती बाढ़ी, जेवर और बड़े बड़े काँसे, ताम्बे और पीतल के बर्तनों वाले परिवार को कहते थे। परुवा के पास सब कुछ था, भाबरी बैल, हरिवाणावी भैंस, आदि उसके चौखट की शान बढ़ाते थे। पता नही कैसे परुवा को जुवे और शराब की लत पढ़ गयी। नशे और जुवे की ऐसी लत पड़ी कि उसने बर्तन, जेवर खेत खलिहान सभी बेच दिए और शीघ्र ही अकाल मृत्यु की गोद मेँ समां गया। यह लत इतनी खतरनाक होती है कि ब्यक्ति अपने बच्चों और परिवार के बारे में नहीं सोचता है। परुवा के बच्चों ने दर दर की ठोकरें खाकर बढ़ी मुश्किल से अपनों को संभाला है। नशे के कारोबारी धनवान या कमाने वाले को तो फंसाते ही हैं साथ ही गरीब तबके के बच्चों को भी नशे का गुलाम बनाकर उन्हें ड्रग पैडलर बनाते हैं। नशे के शिकार हुवे अनगिनत परिवारों की कहानियाँ दिल दहला देती हैं। शेरू पढ़ाई में बहुत ही अच्छा था , उसके पिता जी दिल्ली में किसी गेस्ट हाउस में काम करते थे और वह अपनी माँ और बहिन के साथ गांव में रहता था। बारहवी करने के बाद पिता जी के पास दिल्ली गया और किसी कंपनी में ऑफिस बॉय के रूप में काम करने लग गया। उसकी दोस्ती खोड़ा निवासी संजय और बीरु से हो गयी। ऑफिस के बाद शाम को वे रोज पार्टी करते थे। खाना खाओ या नहीं लेकिन पीना जरुरी करने लगे। पीने के साथ साथ गांजा, चरस और अन्य नशा भी करने लगे। शेरू को नौकरी से हाथ धोना पढ़ा। पिता जी और अन्य रिश्तेदारों ने शेरू को संभालने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह तो ड्रग एडिक्ट हो गया था। हिम्मत हार कर उसको गांव मेँ छोड़ आये। वहां भी वह नशे के लिए केरोसीन तेल और शराब पीने लगा। नशे के लिए मार पीट भी करने लगा। बिना खाये पीये केवल नशा करने से उसकी भी अकाल मृत्यु हो गयी और वह अपने पीछे अपने परिजनों को ग़मगीन हालत में छोड़ गया। निम्न और मध्यम श्रेणी परिवारों मेँ माँ बाप को बच्चों से यही आशा होती है कि पढ़लिखकर बच्चे परिवार की आर्थिक दशा सुधारेंगे, लेकिन नशे की लत परिवारों को कंगाल बना देती है।नशे के खिलाफ जन जागृति के लिए आर्य समाज मंदिर, गायत्री परिवार, चिन्मय मिशन, राम कृष्ण मिशन आदि जैसे संघटन समय समय पर जागरूकता अभियान चलाते हैं। इन संघटनों से जुड़े लोग स्वयं निरब्यसनी होते हैं और समाज को

चिंतन कण

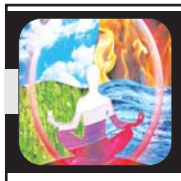

छूटने का भय

हमारे लिए यह जान लेना आवश्यक है कि हम कौन हैं? क्योंकि अभी तक हम अपने को जिस रूप में जानते हैं वह सही नहीं है। सृष्टि की संरचना और इसमें आने वाले जीव के विषय में जो विचार करते हैं, उनका कहना है कि जैसे ही जीव इस धरती पर कदम रखता है, पांच ज्ञानेंद्रियों, पांच कर्मेंद्रियों, एक मन और एक बुद्धि से युक्त इसका शरीर भी इसके साथ-साथ चला आता है। हालांकि यह शरीर इसके साथ तो आता है, किंतु यह इसका अपना इसलिए नहीं होता, क्योंकि यह जीव तो उस परब्रह्म परमात्मा का अंश है, जो जन्म और मरण से मुक्त है और जिसमें सुख-दुख की व्याप्ति नहीं होती। जीव को कब कौन-सा शरीर मिलेगा और कब कौन-सा शरीर उससे छूट जाएगा, इसका न तो इसे पता होता है और न ही अपना शरीर प्राप्त करना तथा छोड़ना इसके वश में होता है, क्योंकि न तो यह अपने शरीर का स्वामी है और न यह शरीर इसका अपना है। इसलिए इसके छूटने का भय निरर्थक है।

यही स्थिति सांसारिक संबंधों की भी है। इस जीव ने जिस किसी स्त्री के गर्भ से जन्म लिया वही इसकी माता हो गई। जिस किसी पुरुष ने इसका पालन-पोषण किया उसे पिता कहा जाने लगा। जो इसकी माता के ही गर्भ से जन्मे वे भाई-बहन हो गए। इसी तरह से सांसारिक संबंधों का एक ब?ा जाल बिछ गया, जिसका जु?ाव समाज और राष्ट्र से हो गया, किंतु यथार्थ फिर वही है कि इनमें से इस जातक का अपना इसलिए कोई नहीं है, क्योंकि जिस मां के गर्भ से इसका जन्म हुआ, जिस पिता ने पालन-पोषण किया और एक ही गर्भ से जन्म लेने के कारण, जो इसके भाई-बहन बने, क्या वे सभी पूर्व जन्म में इसके साथ थे? कब तक साथ रहेंगे और क्या अगले जन्म में भी इसे मिलेंगे? इसका कोई ठिकाना इसीलिए नहीं है, क्योंकि यथार्थ में इसका अपना कोई है ही नहीं। यही स्थिति इसकेजीवन में प्राप्त होने वाली भोग-सामग्री की भी है। मकान, दुकान, पद-प्रतिष्ठा, लाभ-हानि के होने न होने का क्या कोई ठिकाना है? सब कुछ अनिश्चय है, क्योंकि इन सबसे भी जीव का कोई सीधा संबंध नहीं है। इसीलिए जब इसका कुछ है ही नहीं, तब फिर कुछ भी छूट जाने का भय निरर्थक है।

-डॉ. गदाधर त्रिपाठी

सेल्फी, सेल्फी और सेल्फी...

एक महाशय सुबह से इसी बात पर नाराज थे कि जिसे देखो, सेल्फी खींचकर डालने पर अड़ा है, पड़ा है, सड़ा है। सेल्फी देख-देखकर कुढ़ा रहे थे।

मैंने भी पूछ ही लिया- क्या हुआ भाई क्यों बड़बड़ा रहे हो बैठे बैठे।

क्या बताएं मैडम, जिसे देखो वही सेल्फी लेकर फेसबुक और व्हाट्सअप पर चिपकाने पर तुला हुआ है। कोई अपने घर के बाहर, तो कोई अपनी कार के आगे, कोई नए कपड़ों के साथ तो बीवी बच्चों के साथ।

फिर तो भैया आपने किसान को अपनी नई फसल के साथ सेल्फी लेते भी देखा होगा! और जब वह फसल सूखा और बाढ़ की चपेट में आती होगी, तो उसके साथ भी सेल्फी लेते देखा होगा? मरते किसानों की अंतिम सेल्फी जरूर देखी होगी आपने।

नहीं, मैडम किसान लोग सेल्फी नहीं लेते।

तो तुमने किसी मजदूर को अपने द्वारा बनाए एक नए मकान के साथ सेल्फी लेते तो जरूर देखा होगा?

मैडम आप भी न, वो कैसे सेल्फी लेंगे?

तो फिर आपने गोबर पाथती महिला को उपलों के साथ सेल्फी लेते तो जरूर देखा होगा?

नहीं मैडम, मैं उनकी बात नहीं कर रहा हूं।

तब तो जरूर आपने भीख मांगते बच्चो को सेल्फी लेते तो देखा होगा? उन्हें नहीं, तो मिड डे मील खाते बच्चो को सेल्फी लेते जरूर ही देखा होगा?

अरे यह भी कोई बात हुई...

अच्छा छोड़ो, किसी मजदूरिन को तो अपने बच्चे के साथ सेल्फी लेते तो देखा होगा।

मैडम भला वो लोग भी सेल्फी कैसे डाल सकते हैं ?

फिर तो तुमने किसी आदिवासी को अपने जंगल बचाते हुए सेल्फी लेते तो जरूर ही देखा होगा?

क्या कहती हो आप वो लोग क्यों लेने लगे सेल्फी... तब तो तुमने उन बेरोजगार युवाओं को आत्महत्या करने से पहले तो सेल्फी लेते जरूर देखा होगा?

ओहो कितनी बार कहा नहीं, नहीं, नहीं...

लेकिन अभी अभी तो तुम्हीं कह रहे थे कि जिसे देखो वो सेल्फी लेने पर तुला हुआ है।

लेकिन.... वो तो मैं दूसरों लोगों की बात कर रहा था। अच्छा तुम डिजीटल इंडिया के लोगों की बात कर रहे थे, गरीब भारत के लोग लोगों की नहीं

पहले नहीं बता सकते थे कि तुम्हारा चिंतन सिर्फ डिजीटल इंडिया के लोगों के लिए था!

फिर तो भैया आपने किसान को अपनी नई फसल के साथ सेल्फी लेते भी देखा होगा! और जब वह फसल सूखा और बाढ़ की चपेट में आती होगी, तो उसके साथ भी सेल्फी लेते देखा होगा? मरते किसानों की अंतिम सेल्फी जरूर देखी होगी आपने। नहीं, मैडम किसान लोग सेल्फी नहीं लेते। तो तुमने किसी मजदूर को अपने द्वारा बनाए एक नए मकान के साथ सेल्फी लेते तो जरूर देखा होगा?

कटाक्ष

आरिफा एविस

इनकी जुबां

कांग्रेस नेताओं को अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर जाना चाहिए।

-उद्धव ठाकरे
शिवसेना प्रमुख

रणबीर कपूर बहुत अच्छे सह-कलाकार हैं और उन्होंने काफी मदद की है।

-तृप्ति
अभिनेत्री

नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

जन-मंच

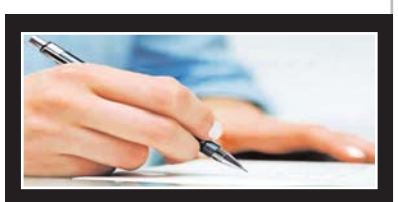

मुंगेरी लाल के सपने जैसे हैं लोकलुभावने वादे

हमारे देश की राजनीतिक पार्टियों की चुनावी लोकलुभावनी बातों पर एक हिंदी फिल्म के गाने की यह कुछ पंक्तियां बिल्कुल सूट करती हैं, 'कसमें-वादे प्यार वफा में, सब बातें हैं, बातों का क्या?' ये दल देते हैं भगवान को धोखा (धर्म की राजनीति कर), इनसान को क्या छोड़ेंगे।

चुनाव के समय देश की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां वादों और घोषणापत्रों में बहुत बड़े-बड़े दावे देशहित और जनहित के लिए करती हैं, पर सत्ता में आते ही यह वादे और दावे भूल जाती हैं। कुछ समय पहले चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर यह पूछा है कि वो लोकलुभावने वादों को पूरा करने के लिए राजस्व कहां से जुटाएंगे। अगर सरकारें आमजन के खून-पसीने की कमाई को ईमानदारी से खर्च करें तो आमजन को सरकार की तरफसे मिलने वाली कुछ मूलभूत सुविधाएं मुफ्त में मिल सकती हैं।

-आनंद मोहन मिश्र, रायपुर

योग को पूरे विश्व ने अपनाया

'व्यायामात् लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखं, आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।' अर्थात, व्यायाम से स्वास्थ्य, लम्बी आयु, बल और सुख की प्राप्ति होती है, निरोगी होना परम भाग्य है और स्वास्थ्य से अन्य सभी कार्य सिद्ध होते हैं। योग का इतिहास बहुत पुराना है। और इसके इतिहास पर विभिन्न इतिहासकारों, बुद्धिजीवियों और लेखकों के अपने-अपने मत भी हैं। श्रुति परंपरा में बताया गया है कि भगवान शिव योग विद्या के पहले आदि गुरु, योगी या आदियोगी हैं।

हजारों साल पहले भगवान शिव ने हिमालय के कांतिसरोवर झील के किनारे सप्तऋषियों को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। उसके बाद योग विद्या को सप्त ऋषियों ने एशिया, मध्यपूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका समेत विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में प्रसारित किया था। आज पूरे विश्व ने योग को अपना लिया है।

-जंग बहादुर सिंह, भिलाई

समानता का सवाल

संपादकीय 'समान संहिता का प्रश्न' विविधताओं से भरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का विश्लेषण करने वाला था। संविधान बनाते समय कुछ कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारकों ने इसे भविष्य के लिए छोड़ दिया था।

अब विधि-आयोग ने समान नागरिक संहिता लागू के बाबत तीस दिन के अंदर-अंदर लोगों के विचार आमंत्रित किये हैं। आखिर सरकार को समान नागरिक संहिता लागू करने की इतनी जल्दी क्यों है? क्या सरकार कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों अथवा 2024 के शुरू में संसदीय चुनावों में ध्रुवीकरण करके इसका लाभ तो नहीं उठाना चाहती?

-सुभाष बुड़ावन वाला, अंबिकापुर

एकता के प्रश्न

देश में बिहार और उत्तर प्रदेश से राजनीतिक सत्ता का समीकरण बनता है। वर्तमान में बिहार और उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य स्पष्ट दिखाई देता है कि दोनों राज्यों में विपक्षी एकता का संचार नहीं हो पाया है। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में मायावती और अखिलेश यादव के रास्ते अलग हो चुके हैं। बिहार की राजनीति के दिग्गज जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, मुकेश साहनी आदि नीतीश कुमार का साथ छोड़ चुके हैं। विपक्ष के पिटारे से यदि विपक्षी एकता ठोस आकार लेकर निकलती है तो यह देश की राजनीति को जरूर प्रभावित करेगा।

-पल्लवी पाठक, महासमुंद

ऑनलाइन शॉपिंग से छोटे व्यापारियों पर संकट

वक्त के साथ परिवर्तन होना प्रकृति का नियम है. समय बदला, परिवेश बदली, सोच बदले तथा व्यापार करने का जरिया भी बदला. आज बाजारीकरण, पूंजी की कृत्रिमता, विज्ञापन, चकाचौंध आदि व्यवसाय का अहम किरदार हो गया है, जो ग्राहकों को न केवल अपनी गिरफ्त में ले रहा है, बल्कि उन्हें जरूरत के सामान के लिए मॉल पर आश्रित कर दिया है.

अब ग्राहक छोटी-छोटी दुकानों के बदले मॉल में सामान खरीदना ज्यादा उपयोगी समझते हैं. ऐसे में लघु उद्योग, हस्त उद्योग, छोटे-छोटे व्यापारी तथा लघु पूंजी वाले दुकानदारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा होने लगा है. इस संकट से न केवल शहर, बल्कि गांव भी कुप्रभावित होने लगा है. जिसके पास पूंजी है, आज वही व्यापार में सफल है. ऑनलाइन शॉपिंग ने भी लघु उद्योगों को व्यापारियों को काफी कुप्रभावित किया है.

-सत्यम भारती, अंबिकापुर

ममता का 'मां माटी मानुष' नारा खूब चला था / वैसे तृणमूल के लिए यह कोई पहला चुनावी नारा नहीं है. ममता ने सबसे पहले 'मां माटी मानुष' का नारा दिया था, जो 2009 के आम चुनाव और 2011 के विधानसभा चुनाव में काफी हिट रहा. यह उस समय के सबसे हिट राजनीतिक नारों में एक था. विधानसभा चुनाव जीतने के बाद ममता ने इसी शीर्षक से एक किताब लिखी. इस नाम से एक गाना भी रिकॉर्ड किया गया था. पार्टी का एक और नारा खूब चला था- 'चुप चाप, फूले छाप'. यानी चुपचाप फूल (पार्टी का चुनाव चिन्ह) पर वोट दीजिए.

क्या विपक्ष 2024 की लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार जाएगा?

रा

वार्षिक कैलेंडर का पन्ना पलटते ही राजनीतिक संभावनाओं का पहिया पूरा चक्र पूरा कर गया। पिछले वर्ष इसी समय अधिकांश विश्लेषकों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच एकमतता थी। भारत के वर्तमान सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के समर्थकों के साथ-साथ दूसरे पक्ष के लोग भी इस बात पर सहमत थे कि भाजपा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष पर बढ़त के साथ शीर्ष स्थिति में हैं। यह लगभग सर्वमान्य राय इसलिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले यह सरकार का आखिरी साल था। यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि भाजपा अपने प्रतिद्वंद्वियों से बहुत आगे है क्योंकि यह आकलन श्री मोदी के अंतिम चुनाव-पूर्व कदमों, राजनीतिक पहलों, नई योजनाओं को शुरू करने और दोबारा चुने जाने पर दूसरों से वादा करने से पहले किया गया था। तीन द्विध्रुवीय राज्यों में भी विधानसभा चुनाव हुए जहां भाजपा का मुकाबला व्यापक चुनावी प्रभाव वाली विपक्षी पार्टी कांग्रेस से था।

यह सत्य है कि लोग विधानसभा चुनावों में अलग-अलग तरीके से वोट करते हैं और उसके और उसके बाद के संसदीय चुनावों के बीच बहुत कम सह-संबंध होता है ङ्क उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 2018 विधानसभा चुनाव जीते, फिर भी भाजपा ने तीनों में जीत हासिल की। अप्रैल-मई 2019 में राज्य। पिछले साल इस समय, भाजपा कमजोर स्थिति में थी- शिवराज सिंह चौहान का प्रदर्शन निराशाजनक नहीं था, लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नेतृत्व का संकट था, जबकि वसुंधरा राजे और रमन सिंह नहीं थे। सीएम के तौर पर पेश किया जा रहा है. यह प्रमुख आकलन रहा, हालांकि यह भी कहा गया कि जहां राजस्थान कॉल के बहुत करीब था, वहीं एमपी और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की जीत को औपचारिकता का मामला घोषित कर दिया गया। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान देश के लगभग पूरे हिस्से में घूमने के राहुल गांधी के आकस्मिक प्रयासों और श्रमसाध्य प्रयासों के संयोजन में, विपक्ष एक गंभीर चुनौती पेश करने की ओर अग्रसर दिखाई दिया। भाजयुमो के अलावा, राहुल गांधी ने भी हिंडनबर्ग रिपोर्ट का तुरंत इस्तेमाल किया, जिसने बड़ी धूम मचा दी और बड़े पैमाने पर स्टॉक बिकवाली शुरू कर दी, साथ ही अदानी कंपनियों के शेयर की कीमतें गिर गईं। अदानी समूह के खिलाफ आरोप न केवल कृत्रिम रूप से संपत्ति बढ़ाने का था, बल्कि श्री मोदी के गौतम अदानी के साथ संबंधों का भी आरोप लगाया गया था। ये अंकित मूल्य पर विश्वसनीय प्रतीत हुए क्योंकि उन्होंने कई वर्षों से लगाए गए आरोपों को दोहराया। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में बहस में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने अपने भाषण का इस्तेमाल पीएम पर तीखा हमला करने के लिए किया। उन्होंने ब्रिटेन की काफी सफल यात्रा भी पूरी की, जिसके दौरान चुनिंदा श्रोताओं को दिए गए उनके चुभने वाले व्याख्यानों की गूंज भारत में भी सुनाई दी।

हालाँकि भाजपा ने गुजरात की एक अदालत में लगभग भूले हुए मानहानि के मामले को पुनर्जीवित किया और श्री गांधी को संसद से अयोग्य घोषित कर दिया, 14 विपक्षी दलों ने एक साथ आकर संयुक्त रूप से केंद्रीय जांच के हथियारीकरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। एजेंसियों, मुख्य रूप से ईडी और सीबीआई ने भाजपा को परेशान कर दिया, भले ही याचिका शीर्ष अदालत द्वारा स्वीकार नहीं की गई थी। भाजपा की चिंता इस तथ्य से उपजी है कि उसके नेता धारणा की शक्ति को जानते थे और विपक्षी दलों द्वारा सामान्य मुद्दे उठाने के अड़ियल कदमों से भी चिंतित थे।विपक्षी दल एकजुट हो गए और उन्हें 卐ढ्ढद्धढ्ढ卐 नाम का एक संक्षिप्त नाम मिल गया, जिससे भाजपा के शीर्ष नेताओं की भौंहें तन गईं। कुछ समय के लिए, श्री मोदी भी पतवारहीन लग रहे थे। उन्होंने एजेंडे पर प्रारंभिक स्पष्टता के अभाव में जल्दबाजी में संसद का विशेष सत्र बुलाया। एक साथ चुनावों की प्रणाली में बदलाव का संकेत देने के बाद, सरकार ने अंततः विधानमंडलों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की समयसीमा पर कोई स्पष्टता नहीं होने के बाद एक बाद की तारीख वाली जांच पारित करने का फैसला किया। चुनाव प्रचार के शुरुआती हफ्तों में, भाजपा पिछड़ती हुई दिखाई दी, लेकिन चुनाव नजदीक आते-आते स्थिति बदल गई। बाकी इतिहास है ङ्क भाजपा ने तीन राज्यों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के बावजूद, हिंदी पट्टी में हार अधिक चुभती है।कुछ ही दिनों में, विपक्षी गठबंधन की संभावनाओं के बारे में संदेह सामने आने लगा क्योंकि मप्र में समाजवादी पार्टी को जगह नहीं देने के कांग्रेस के फैसले के कारण दरारें तब से अधिक दिखाई देने लगीं, जब चुनाव प्रचार के दौरान ये पहली बार सामने आई थीं। राजस्थान में छोटी पार्टियों से समझौता न करना भी पार्टी को महंगा पड़ा.प्रश्न सरल है- भाग्य में इतने नाटकीय परिवर्तन के पीछे क्या कारण हैं? सीधे शब्दों में कहें तो, भाजपा द्वारा तीन राज्यों में इतनी निर्णायक जीत हासिल करने और लोकसभा चुनाव प्रचार में चार महीने शेष रहने पर भी पार्टी की किस्मत चमकती रहने के पांच कारण हैं। *मोदी फैक्टर- प्रधानमंत्री का करिश्मा और उनकी अभियान शैली, जहां वह ऊर्जा और अपने संदेश को सहजता से संप्रेषित करने की क्षमता दोनों में अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर हैं।*अव्यक्त और सर्वव्यापी हिंदुत्व कारक, अब धीरे-धीरे जनवरी के अंत में राम मंदिर प्रतिष्ठा के साथ उत्साह में बढ़ रहा है।*मोदी की कल्याणकारी नीतियां, सबसे हालिया जिला है अगले पांच वर्षों के लिए खाद्यान्न का त्याग।

भाजपा का अत्यधिक कुशल पार्टी तंत्र जो पुराने नेटवर्क से परे बनाया गया है।आखिरकार, अव्यवस्था और विपक्षी दलों की विकास की आशा करने और योजनाएं तैयार करने में असमर्थता, सीट-बंटवारे पर जल्दी सहमत होना और समय की समझ का अभाव।जिन कारकों ने भाजपा की जीत में सहायता की और पार्टी की संभावनाओं को बढ़ावा देना जारी रखा, उनमें से अंतिम कारक संभवतः सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी होने के कारण, भाजपा को वास्तव में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कृत्रिम बुद्धि से जुड़े असली सवाल

हरजिंदर

बात आठ साल पुरानी है। 2015 के जनवरी महीने में दुनिया की एक दर्जन से ज्यादा बड़ी हस्तियों- वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, दार्शनिकों और प्रोफेसरों ने मिलकर एक खुला खत जारी किया। इसमें कहा गया था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), यानी कृत्रिम बुद्धिमता जिस तरह से विकसित हो रही है, वह दुनिया के लिए ही नहीं, मानवता के लिए भी खतरा साबित हो सकती है। उन्होंने इस पर रोक लगाने की मांग की। इस पत्र पर दस्तखत करने वालों में स्टीफन हॉकिंग जैसे वैज्ञानिक और एलन मस्क जैसे उद्योगपति भी शामिल थे। मगर अभी वह साल पूरा भी नहीं बीता था कि एलन मस्क ने पाला बदला और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को विकसित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में बनी एक कंपनी ओपेनएआई के संस्थापक और प्रमुख निवेशक बन गए। यह बात अलग है कि तीन साल के भीतर ही उन्होंने इस कंपनी के निदेशक पद से कुछ मतभेदों के चलते इस्तीफा दे दिया। अब इसी ओपेनएआई कंपनी ने चैटजीपीटी नाम की व्यवस्था विकसित की है, जिसे लेकर वे तमाम सवाल फिर सामने आ गए हैं, जो आठ साल पहले उस खुले खत में उठाए गए थे। चैटजीपीटी ऐसा बहुत कुछ कर सकता है, जिसे पहले इंसान ही कर सकते थे। वह इंसान की तरह सोचता है, उसी की भाषा में बोलता है, सवालों के जवाब भी उसी की तरह देता है और समस्याओं के समाधान भी वैसे ही बताता है। कृत्रिम बुद्धिमता की नैतिकता को लेकर बहुत सारे सवाल शुरू से ही उठाए जाते रहे हैं, वे सारे सवाल तो अपनी जगह हैं ही। इस बीच एक नई चिंता भी उठ ख?ी हुई है, वह है इसकी वजह से पैदा होने वाली बेरोजगारी का सवाल। डर है कि चैटजीपीटी जैसी व्यवस्थाएं अगर और विकसित हुईं, तो प?-लिखे लोगों के वैसे रोजगार कम हो जाएंगे, जिन्हें 'व्हाइट कॉलर जॉब' कहा जाता है। हालांकि, यह कहा जा रहा है कि इससे कई तरह के रोजगार भले ही कम होंगे, लेकिन रोजगार के कई नए अवसर भी पैदा होंगे। ठीक वैसे ही जैसे एक दौर में कंप्यूटर ने किया था। बहुत से लोग जब मान बैठे थे कि इससे रोजगार के अवसर कम होंगे, तो ऐसे अवसर दरअसल ब? गए, क्योंकि कंप्यूटर ने उत्पादकता को ब?ाकर अर्थव्यवस्था को एक विस्तार दे दिया था। तर्क है कि यही काम कृत्रिम बुद्धिमता भी कर सकती है। मगर कोविड महामारी के बाद की दुनिया में इस तरह के तर्क लोगों को बहुत आश्वस्त नहीं कर पा रहे। खासकर तब, जब महामारी के दौरान बेरोजगार हुए लोगों की एक बहुत ब?ी फौज आज भी अपनी रोजी-रोटी की तलाश में भटक रही है। और, एक बार फिर एआई पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है। क्या सचमुच इस पर रोक लग सकती है? एआई से बहुत पहले जेनेटिक इंजीनियरिंग के मानव पर प्रयोग के खिलाफ बहुत कुछ कहा, सुना और लिखा गया था। वैज्ञानिकों में इसे लेकर एक आम सहमति भी बनती दिखाई दी थी। फिर भी इसे रोका नहीं जा सका। विज्ञान और तकनीक की छोटी-ब?ी लहरों को इस तरह रोकना संभव भी नहीं होता। सभी को लगता है कि अगर उसने तकनीक विकसित नहीं की, तो कोई दूसरा इसका फायदा उठा लेगा। नतीजा यह होता है कि सभी उसे विकसित करने में जुट जाते हैं। एलन मस्क जैसे वे लोग भी, जो शुरू में उसके विरोधी होते हैं। वैसे भी ज्ञान किसी भी तरह का हो, उसके विकास को रोकना खतरनाक भी हो सकता है और प्रतिगामी भी। समस्या वैसे पूरी तरह से विज्ञान और तकनीक की है भी नहीं। समस्या उस सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था की है, जो हमने बना ली है। लंबे दौर तक दुनिया को आश्वासन देने वाला एक आर्थिक सिद्धांत था, जिसे 'ट्रिकल डाउन थ्योरी' कहा जाता था। यह सिद्धांत कहता था कि जब विकास तेजी से होगा, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ेगा, तो उसके फायदे छन-छनकर नीचे सभी लोगों तक पहुंचेंगे ही। सूरज जब बीच आसमान पर चमकेगा, तब उसकी रोशनी हर कोने तक पहुंच जाएगी। मगर पिछली एक सदी के अनुभव ने यह बता दिया है कि दुनिया के बहुत से अंधेरे कोने अभी तक रोशनी की बाट जोह रहे हैं; जबकि इस बीच तरक्की भी खूब हुई है और जीडीपी में वृद्धि भी काफी तेजी से हुई है। इसे हम अपने देश में ज्यादा अच्छी तरह से देख सकते हैं। उदारीकरण के बाद से अब तक हमने विकास का एक लंबा दौर देख लिया है। इस विकास के लिए एक और शब्दावली का प्रयोग किया जाता है- जॉबलेस ग्रोथ, यानी विकास का ऐसा दौर, जिसमें जीडीपी के आंक? तो बहुत तेजी से बुलंद हुए, लेकिन उस अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बढ़े। सिर्फ इतना ही नहीं हुआ। तकनीक के कारण ब?ी उत्पादकता और विकास दर से आई समृद्धि चंद लोगों के हाथ ही सिमटी रही है। समृद्धि का यह हिमपात सिर्फ ऊंची चोटियों तक सीमित रहा, नीचे तलहटी तक इसकी सर्द सिहरन और कंपकंपी ही पहुंची।

पक्षियों का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग-

मदेश एवं विदेशों में विलुप्त हो रही विभिन्न पक्षियों की प्रजातियों को बचाने के लिये वर्तमान में राष्ट्रीय पक्षी दिवस की प्रासंगिकता बढ़ी है। हर साल 5 जनवरी को प्रकृति प्रेमी, पर्यावरणविद, पक्षी रक्षक और पक्षीप्रेमी इस दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। राष्ट्रीय पक्षी दिवस पक्षियों के प्रति प्यार जताने एवं उनके संरक्षण के लिये प्रतिबद्ध होने का एक खास दिन है। 2002 में पहली बार राष्ट्रीय पक्षी दिवस मनाने की शुरुआत हुई। सिर्फ अमेरिका में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पक्षी प्रेमियों और अन्य लोग समान रूप से इस दिवस को मनाते हैं। भारत में भी इस दिवस को मनाने की विशेष प्रासंगिकता है, क्योंकि यहां भी अधिकांश पक्षी प्रजातियों को गंभीर भविष्य का सामना करना पड़ रहा है या वे विलुप्तता की कगार पर है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को व्यापक पैमाने पर मनाया जाता है। अक्टूबर में प्रकाशित यूएस नॉर्थ अमेरिकन बर्ड कंजर्वेशन इनिशिएटिव की 2022 स्टेट ऑफ बर्ड्स रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में आधे से अधिक पक्षी प्रजातियों में गिरावट आ रही है और लगभग सभी आवासों में इन पक्षियों की आबादी कम हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 50 वर्षों में पक्षियों की लगभग 70 प्रजातियों ने अपनी आबादी का कम से कम आधा हिस्सा खो दिया है और अगर संरक्षण के प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं की गई तो अगली आधी सदी में वे बाकी आधी आबादी खो देंगे। भारत में भी पक्षी विलुप्ति एक गंभीर मुद्दा है जिसका हमें ध्यान रखना चाहिए। भारत सहित दुनिया में धीरे-धीरे विलुप्त हुए कुछ पक्षियों के नाम हम देखते है जैसे जंगली उल्लू, बेयर पोचार्ड, जॉर्डन कोर्टर, भारतीय गिद्ध, हिमालयन बटेर, साइबेरियन क्रेन, बंगाल फ्लोरिकन दुबला-पतला गिद्ध, सोसिएबल लैपविंग, लाल सिर वाला गिद्ध, सफेद पीठ वाला गिद्ध, महान भारतीय बस्टर्ड, सफेद पेट वाला बगुला, गुलाबी सिर वाली बतख, स्पून-बिल्ड सैंडपाइपर, गौरेया, मोर आदि। मनुष्य के जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें पक्षियों की संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और संगठित कार्रवाई की आवश्यकता है। जब हम पक्षियों को संरक्षित रखते हैं, तो हम अपने आप को और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण का उपहार देते हैं।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य-व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं- न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों-पहाड़ों-तालाबों का। दरअसल हमारे यहां बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, पर गौरेया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण पर उतना नहीं। वृक्षारोपण, जैविक खेती को बढ़ाकर तथा माइक्रोवेव प्रदूषण पर अंकुश लगाकर पक्षियों को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। अब भी यदि हम जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास न करें, तो बहुत देर हो जाएगी।

पृथ्वी पर हमें विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी मिलते हैं, जो हमारे प्राकृतिक वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा एवं प्रकृति संतुलन का सशक्त माध्यम हैं। दुनियाभर में जानवरों और पक्षियों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। यह गिरावट न केवल पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण हो रही है, बल्कि मुख्य रूप से मनुष्य की असंवेदनशील गतिविधियों और उनकी अज्ञानता के कारण भी हो रही है। इंसानी गतिविधियां जैसे नगरीकरण, उर्वरकों और कीटनाशकों का अधिकतम उपयोग, वायु यातायात और भूमि संपत्ति की विस्तार योजनाएं हैं। पक्षी विलुप्ति एक गंभीर समस्या है, क्योंकि पक्षियों का महत्वपूर्ण योगदान हमारी प्राकृतिक पेयजल और खाद्य सुरक्षा में होता है। पक्षियों को बीज और फल बोने, उगाने और फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य मिलता है, जिससे वनस्पतियों का प्रजनन होता है। इसके अलावा, पक्षी भी कीट-नियंत्रण करने में मदद करते हैं, जो हमारे खेती और फसलों को सुरक्षित रखता है। पक्षियों का एक और महत्वपूर्ण योगदान हमारे बायोडायवर्सिटी की सुस्थिति बनाए रखना है। पक्षियों के संकट ग्रस्त होने से हमारे प्राकृतिक परिदृश्य, बायोलॉजिकल संतुलन और वातावरणीय सेवाओं में कमी आती है। जंगलों की कटाई, अनुचित वन्यजीव व्यापार, औद्योगिकीकरण, वन, आग, जल प्रदूषण, हवा प्रदूषण, जैव उपयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों के आवास की हानि हो रही है। इसके अलावा, जीवाश्मी शस्त्रधारी पक्षी जैसे कीटों और रोगों के आक्रमण के कारण भी पक्षियों की संख्या में गिरावट होती है।

जापान में भूकंप आया...

सोमवार को 7.6 रिक्टर की तीव्रता वाले तीव्र भूकंप और अगले दिन तक जापान सागर के तट पर 155 से अधिक छोटे झटके और एक मीटर ऊंची सुनामी लहरें झेलने के बावजूद, जापान अपेक्षाकृत सुरक्षित रूप से सदमे से बाहर आ गया है। मध्य और पश्चिमी जापान के प्रभावित क्षेत्रों की अधिकांश इमारतें झटके झेल गईं। दुनिया में सबसे अधिक भूकंप-प्रवण देश होने के नाते, इसने अपने बुनियादी ढांचे को भूकंप-रोधी बनाने और ऐसी आपदाओं के लिए त्वरित और कुशल प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने के लिए प्रौद्योगिकी में भारी निवेश किया है। यह प्रत्येक बड़े भूकंप के बाद शमन उपायों को अद्यतन करता है। 1923 की आपदा के कारण भूकंप-रोधी बिल्डिंग कोड तैयार किया गया था। 2011 की सुनामी, जिसमें 18,000 से अधिक लोग मारे गए थे, ने पृथ्वी के हिलने और अंतर्देशीय समुद्री लहरों के टकराने की दोहरी मार से निपटने के लिए महत्वपूर्ण सुराग प्रदान किए। स्पष्ट रूप से, जापान नए साल के दिन भूकंपीय गतिविधि से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित था। हालांकि इसके कारण आग लग गई और इमारतें बुरी तरह हिल गईं, कुछ ढह गईं और सड़कें टूट गईं, जिससे बचाव कार्यों में बाधा आई, उथल-पुथल को अच्छी तरह से नियंत्रित किया गया। मंगलवार शाम तक, लगभग 50 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए, जबकि बचाव दल ङ्क प्रभावित क्षेत्र में बिजली कटौती और उड़ानों और रेल सेवाओं में व्यवधान के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे थे ङ्क आपदा से बचे अधिक लोगों को बाहर निकालने के लिए समय के साथ संघर्ष कर रहे थे। लगभग एक लाख लोगों को खेल हॉल और स्कूल व्यायामशालाओं में ले जाया गया, जो आपातकालीन निकासी भवनों के रूप में भी काम करते हैं।

भारत को जापान से बहुत कुछ सीखना है। पाठों में भूकंप की तैयारी से लेकर त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र तक शामिल है, जिसमें समय पर अलर्ट जारी करना भी शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भूकंप प्रतिरोध से संबंधित भवन उपनियमों से समझौता नहीं करने के बारे में है।

फोरेंसिक विशेषज्ञता को परिभाषित करने की आवश्यकता

संसद ने हाल ही में मूल और प्रक्रियात्मक कानून दोनों से संबंधित तीन विधेयक पारित करके देश की आपराधिक संहिता में बदलाव किया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 176(3) में उन अपराधों में फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा अपराध स्थल की अनिवार्य जांच अनिवार्य की गई है, जहां निर्धारित सजा सात साल या उससे अधिक है। इसके साथ, फोरेंसिक विशेषज्ञों के पास अब भारत के आपराधिक न्याय प्रशासन में अग्रणी सीट है। नए प्रावधानों के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं के संदर्भ में संसाधनों में वृद्धि के साथ-साथ पुलिस, अभियोजकों, न्यायाधीशों और वकीलों जैसे हितधारकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता है।

न्यायिक निर्णय लेने में मानवीय त्रुटियों और संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों को कम करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान लगातार विकसित हुआ है। अपने वैज्ञानिक आधार, तटस्थता और निष्पक्षता के साथ, फोरेंसिक राय किसी तथ्य के पीछे की सच्चाई तक पहुंचने में आत्मविश्वास बढ़ाती है, जो न्याय देने के लिए आवश्यक है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि फोरेंसिक विशेषज्ञों की राय पूर्ण रूप से त्रुटि-मुक्त नहीं है ङ्क इसलिए न्यायिक कार्यवाही में पुष्टि के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञ की राय में त्रुटियों की गुंजाइश को कम करना एक कठिन चुनौती बनी हुई है, जिसे दो स्तरों पर संबोधित किया जा सकता है ङ्क एक विशेषज्ञ को परिभाषित करना और क्या किसी विशेषज्ञ की राय निकालने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विधियाँ विश्वसनीय और मान्यता प्राप्त हैं।

सबसे पहले, फोरेंसिक विशेषज्ञ की परिभाषा पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1882 की धारा 45 एक विशेषज्ञ का वर्णन करती है। इसमें कहा गया है कि जब अदालत विदेशी कानून, विज्ञान या कला पर एक राय बनाती है ङ्क या कहें, उन क्षेत्रों में विशेष रूप से कुशल व्यक्तियों की सलाह के आधार पर लिखावट या उंगलियों के निशान की पहचान करनी होती है ङ्क तो ऐसे व्यक्तियों को विशेषज्ञ माना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि 'फॉरेंसिक' शब्द पूरे साक्ष्य अधिनियम में शामिल नहीं है। अधिनियम में 'विशेष रूप से कुशल' अभिव्यक्ति को भी परिभाषित नहीं किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप विशेषज्ञ कौन है, यह दुविधा पैदा हो गई है।

चांद बत्रा बनाम यूपी राज्य (1974) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्साइज इंस्पेक्टर को एक विशेषज्ञ के रूप में स्वीकार किया, जिसे गंध परीक्षण द्वारा यह निर्धारित करना था कि शराब अवैध थी या नहीं क्योंकि उसने ऐसे मामलों से निपटने में व्यापक अनुभव हासिल किया था। इस तरह की अपूर्ण, व्यक्तिपरक कानूनी व्याख्या से न्याय के गर्भपात का गंभीर खतरा पैदा होता है, जिसमें गलत सजाएं भी शामिल हैं जो कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को कम कर देंगी।

हिमाचल प्रदेश राज्य बनाम जय लाल (1999) मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने 'विशेष कुशल' अभिव्यक्ति पर प्रकाश डाला और कहा कि एक विशेषज्ञ ने एक विशेष अध्ययन किया होगा या एक विशेष अनुभव प्राप्त किया होगा। इस प्रकार एक विशेषज्ञ को पर्याप्त विषय ज्ञान के साथ कुशल होना चाहिए। नए भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 39 लगभग विशेषज्ञों पर पुराने प्रावधानों की प्रतिकृति है, सिवाय इसके कि इसमें विशेषज्ञता के अन्य विषयों को शामिल करने के लिए 卐कोई अन्य क्षेत्र卐 शामिल है। 卐प्रासंगिक होने पर तीसरे व्यक्ति की राय卐 शीर्षक वाले खंड में प्रक्रियात्मक कानून में जारी अस्पष्टता को दूर करने के लिए दोबारा समीक्षा की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों पर अंग्रेजी कानून भी इसी तरह की अस्पष्टता से ग्रस्त है। ऐसा प्रतीत होता है कि कॉमन लॉ देशों ने अधिकतर यूके मॉडल को अपनाया है। हालाँकि, अमेरिकी संघीय साक्ष्य नियमों का अनुच्छेद ङ्कढ्ढढ्ढ (नियम 701 से 706) राय और विशेषज्ञ गवाही पर व्यापक है। नियम 702 में वर्णन किया गया है कि एक गवाह जो ज्ञान, कौशल, अनुभव, प्रशिक्षण या शिक्षा से अर्हता प्राप्त करता है वह एक विशेषज्ञ है। विशेषज्ञ की गवाही की स्वीकार्यता के लिए, यह नियम चार पूर्वापेक्षाएँ प्रदान करता है- (द्ब) तथ्य या साक्ष्य को समझने में विशेषज्ञ के विशेष वैज्ञानिक या तकनीकी ज्ञान की भूमिका; (द्बद्ब) पर्याप्त तथ्यों या आंकड़ों पर आधारित गवाही; (द्बद्बद्ब) विश्वसनीय सिद्धांतों और तरीकों के उत्पाद के रूप में गवाही; और (द्ब1) विशेषज्ञ ने मामले के तथ्यों पर सिद्धांतों और तरीकों को विश्वसनीय रूप से लागू किया है। यह कानूनी प्रावधान अविश्वसनीय 'कबाड़ विज्ञान' को साक्ष्य के रूप में सुने जाने से रोकता है।

खाद्य तेल आयात पर सीमा शुल्क में कटौती एक साल के लिए बढ़ायी गयी: नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए खाद्य तेल के आयात पर लागू सीमा शुल्क को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने इस साल जून में शुरू में कच्चे पाम तेल, कच्चे सूरजमुखी तेल और कच्चे सोया तेल पर मूल सीमा शुल्क को मार्च 2024 तक 17.5 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया था क्योंकि कीमतें नियंत्रण से बाहर हो रही थीं। घटी हुई ड्यूटी लागू होने की यह तारीख अब मार्च 2025 तक बढ़ा दी गई है। भारत दुनिया में खाद्य तेल का सबसे बड़ा आयातक है क्योंकि यह अपनी 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात के माध्यम से पूरी करता है।

प्री... डाउनलोड करें...

READ E-PAPER
jantaserishta.com

सराफा बाजार भाव

रायपुर		
सोना	₹ 64, 800	10 ग्राम
चांदी	₹ 74,600	किलोग्राम
मुंबई		
सोना	₹ 52, 487	10 ग्राम
चांदी	₹ 72, 648	किलोग्राम
लंदन		
सोना	₹ 44, 079	10 ग्राम
चांदी	₹ 61,150	किलोग्राम

एनएससी निफ्टी

बीएसई सेंसेक्स

सेबी ऋण प्रतिभूतियों के लिए फास्ट ट्रैक मोड पर विचार कर रहा

नई दिल्ली(jantaserishta. com)। बांड बाजार को गहरा करने के लिए, सेबी ऋण प्रतिभूतियों के लिए 'फास्ट ट्रैक' सार्वजनिक निर्गम की अवधारणा पेश करने पर विचार कर रहा है और निजी प्लेसमेंट के आधार पर जारी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर सहित ऋण प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य को घटाकर 10 रुपये कर रहा है। वर्तमान में 1 लाख रुपये से ,000 रु. यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह कदम व्यापार करने में आसानी को भी बढ़ावा देगा। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा, ऋण प्रतिभूतियों के फास्ट ट्रैक सार्वजनिक निर्गम का मुख्य उद्देश्य निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड वाले लगातार जारीकर्ताओं को सुविधा प्रदान करना है, ताकि कम समय, लागत और प्रयास के साथ ऋण प्रतिभूतियों के सार्वजनिक निर्गम जारी किए जा सकें। कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में गैर-संस्थागत निवेशकों की भागीदारी को और बढ़ाने के लिए, सेबी ने जारीकर्ताओं को 10 रुपये के अंकित मूल्य के साथ एनसीडी (गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर) या एनसीआरपीएस (गैर-परिवर्तनीय प्रतिदेय वरीयता शेयर) लॉन्च करने की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, ऐसे मामलों में, जारीकर्ता को एक मर्चेंट बैंकर नियुक्त करना चाहिए जो निजी तौर पर रखे गए एनसीडी और एनसीआरपीएस जारी करने और निजी प्लेसमेंट ज्ञापन में प्रकटीकरण आवश्यकताओं के लिए उचित परिश्रम करेगा, सेबी ने कहा। इसके अलावा, ऐसी ऋण प्रतिभूतियां एक सरल संरचना के साथ सादे वेनिला होनी चाहिए और इसमें कोई क्रेडिट वृद्धि या संरचित दायित्व नहीं होना चाहिए। यह अक्टूबर 2022 में सेबी द्वारा अंकित मूल्य को 10 लाख रुपये से घटाकर 1 लाख रुपये करने के बाद आया। ऑनलाइन

बॉन्ड प्लेटफ़ॉर्म (ओबीपी) को मुख्यधारा में लाने के निर्णय के साथ-साथ बॉन्ड बाज़ार में गैर-संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिली है। जुलाई से सितंबर 2023 की अवधि के दौरान, यह देखा गया कि गैर-संस्थागत निवेशकों ने जुटाई गई कुल राशि का 4 प्रतिशत सब्सक्राइब किया, जबकि सामान्य औसत 1 प्रतिशत से कम था। सेबी ने कहा कि इसके अलावा, 1974 उपयोगकर्ताओं (निवेशकों) द्वारा ओबीपी पर किए गए ट्रेडों की कुल मात्रा लगभग 333 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, नियामक ने 10,000 रुपये के अंकित मूल्य पर प्रतिभूतिकृत ऋण उपकरण (एसडीआई) जारी करने के मामले में एक मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति की आवश्यकता का सुझाव दिया है। सेबी ने सुझाव दिया कि ऑफर दस्तावेज़ में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के ऑडिट किए गए वित्तीय और स्टब अवधि के वित्तीय विवरणों को सम्मिलित करने के बजाय, इसे क्यूआर कोड स्कैनिंग के रूप में प्रदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए जो जारीकर्ता की वेबसाइट पर वित्तीयों के लिए वेब लिंक खोलता है। इसके अलावा, चालू वर्ष के लिए आवश्यक कुछ सूचनाओं का विवरण जैसे संबंधित पार्टी लेनदेन (आरपीटी), और निदेशकों का पारिश्रमिक और अन्य को नवीनतम तिमाही तक आवश्यकतानुसार निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। साथ ही, सेबी ने सुझाव दिया है कि रिकॉर्ड तिथियों को ब्याज के भुगतान या मोचन की नियत तारीख से 15 दिन पहले मानकीकृत किया जाना चाहिए। नियामक ने इक्विटी जारी करने की तरह, ऋण जारीकर्ताओं के लिए सार्वजनिक मुद्दों को फास्ट-ट्रैक आधार पर जारी करने के एक अवसर पर विचार करने का प्रस्ताव दिया है। तौर-तरीकों का सुझाव देते हुए, सेबी ने कहा कि फास्ट-ट्रैक सार्वजनिक मुद्दों के लिए मसौदा प्रस्ताव दस्तावेज़ पर जनता से टिप्पणियां मांगने की आवश्यकता को घटाकर दो कार्य दिवस कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, इसने प्रस्तावित किया कि ऋण प्रतिभूतियों के फास्ट-ट्रैक सार्वजनिक निर्गमों को सूचीबद्ध करने की समयसीमा नियमित सार्वजनिक निर्गम के लिए T+6 के विपरीत T+3 होनी चाहिए।

विदेशी मुद्रा-जोखिम रैली रुकने से डॉलर स्थिर

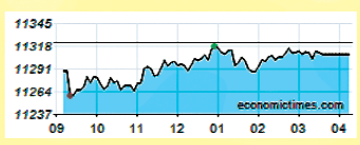

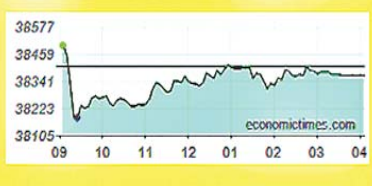

नई दिल्ली(jantaserishta. com)। संयुक्त राज्य अमेरिका: बुधवार को डॉलर में थोड़ी नरमी आई, हालांकि यह दो सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब रहा, जो अमेरिकी ट्रेजरी पैदावार में वृद्धि और वॉल स्ट्रीट पर दबाव डालने वाली जोखिम भावना में सतर्क मोड़ सहित कारकों के संगम पर आधारित था। जापान के छुट्टी पर होने के कारण एशिया में व्यापार कम हो गया, इस क्षेत्र में व्यापारिक दिन के दौरान ग्रीनबैक ने सुबह की कुछ बढ़त कम कर दी। न्यूज़ीलैंड डॉलर, जिसे अक्सर जोखिम की भूख के लिए प्रॉक्सी के रूप में उपयोग किया जाता है, पिछले बुधवार को 0.29प्रतिशत बढ़कर 0.62695 पर था, जो दो सप्ताह के निचले स्तर 0.62485 पर फिसल गया था। सत्र के दौरान 0.6756 के दो सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद ऑस्ट्रेलियाई डॉलर भी 0.09ब उछलकर 0.6767 पर पहुंच गया। फिर भी, मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले, ग्रीनबैक मंगलवार को 102.25 के दो सप्ताह के शीर्ष से बहुत दूर नहीं था, और 102.13 पर अंतिम था। डॉलर इंडेक्स मंगलवार को

0.86प्रतिशत उछल गया था, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे अच्छा दैनिक प्रदर्शन था। पिछले साल के अंत में जोखिम की भूख में वृद्धि - फेडरल रिजर्व की दिसंबर की नीति बैठक में नरम रुख के कारण हुई, जिसने 2024 में अमेरिकी दर में कटौती के लिए दांव को बढ़ावा दिया, ग्रीनबैक को गिरा दिया और ट्रेजरी और शेयरों में तेजी ला दी। हालाँकि, यह नए साल में जारी रखने में विफल रहा, जोखिम से बचने के कारण एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट को 2024 के अपने पहले कारोबारी सत्र को बड़े तकनीकी नामों से नीचे खींचकर बंद करना पड़ा। नेशनल ऑस्ट्रेलिया बैंक (एनएबी) में एफएक्स रणनीति के प्रमुख रे एट्रिल ने कहा, हमने जोखिम भावना में काफी महत्वपूर्ण उलटफेर देखा है। उच्च अमेरिकी पैदावार, कमजोर अमेरिकी स्टॉक मजबूत डॉलर के बराबर है। मुझे लगता है कि यह सरल कहानी है। एट्रिल ने कहा, कीवी डॉलर, जो अधिक जोखिम के प्रति संवेदनशील मुद्राओं में से एक है, ने अधिकांश अन्य मुद्राओं की तुलना में खराब प्रदर्शन किया है। इस बीच यूरो और स्टर्लिंग भारी घाटे में चल रहे थे, मंगलवार को मुद्राओं ने महीनों में अपना सबसे खराब दैनिक प्रदर्शन देखा था। मंगलवार को 0.95प्रतिशत की गिरावट के बाद यूरो 0.14प्रतिशत बढ़कर 1.0955 डॉलर हो गया, जो पिछले साल जुलाई के बाद से इसकी सबसे बड़ी दैनिक गिरावट है। स्टर्लिंग 0.11 प्रतिशत बढ़कर 1.2633 डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले सत्र में 0.87ब फिसला था, जो लगभग तीन महीनों में इसकी सबसे तेज दैनिक गिरावट थी। अमेरिकी ट्रेजरी की पैदावार में उछाल से ग्रीनबैक को बल मिला, जिससे पिछले सत्र में बेंचमार्क 10-वर्षीय उपज दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। जापान में छुट्टी को देखते हुए एशिया में ट्रेजरी का नकद कारोबार बुधवार को बंद था। अन्य जगहों पर, येन दबाव में रहा और पिछले सत्र में लगभग 0.8ब गिरने के बाद, लगभग 0.1 प्रतिशत फिसलकर 142.05 प्रति डॉलर पर आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि मंगलवार को लेबनान की राजधानी बेरूत में एक ड्रोन हमले में इज़राइल द्वारा हमास के उप नेता सालेह अल-अरोउरी को मारने के बाद, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव पर चिंताओं के कारण जोखिम-मुक्त मनोदशा भी थी।

अप्रैल-दिसंबर में पंजाब का जीएसटी 16.52 प्रतिशत बढ़ा

चंडीगढ़(jantaserishta. com)। पंजाब में चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से राजस्व में साल-दर-साल 16.52 प्रतिशत की वृद्धि और उत्पाद शुल्क से राजस्व में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024 में दिसंबर तक शुद्ध जीएसटी संग्रह 15,523.74 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान यह 13,322.59 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, इस प्रकार, जीएसटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 2,201.15 करोड़ रुपये है।मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 में दिसंबर तक उत्पाद शुल्क से राजस्व 6,050.7 करोड़ रुपये था, जबकि चालू वित्त वर्ष के लिए यह बढ़कर 6,679.84 करोड़ रुपये हो गया। चीमा ने एक आधिकारिक बयान में राज्य के कर राजस्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पंजाब ने चालू वित्त वर्ष के दौरान दिसंबर तक वैट, सीएसटी,

जीएसटी, पीएसडीटी और उत्पाद शुल्क से कुल राजस्व में 14.15 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। स्न्ङ्क23 की समान अवधि। उन्होंने कहा कि वैट, सीएसटी और पीएसडीटी (पंजाब राज्य विकास कर) से राजस्व क्रमशः 12 प्रतिशत, 26.8 प्रतिशत और 5.24 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ महीनों के दौरान राज्य का अपना कर राजस्व 27,931.16 करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले इसी अवधि के दौरान यह 24,468.14 करोड़ रुपये था।चीमा ने कर राजस्व में वृद्धि का श्रेय राज्य सरकार द्वारा अपनाए गए प्रमुख सुधारों को दिया और कहा कि विकास चार्ट को बनाए रखने के लिए वित्त वर्ष 24 में कई और सुधार अपनाए जा रहे हैं।

ऑयल इंडिया में नौकरी के लिए इच्छुक उम्मीदवार करें आवेदन

नई दिल्ली(jantaserishta. com)। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने असम के डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव जिलों में अपने उत्पादन और अन्वेषण क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। योग्य उम्मीदवार ओआईएल की आधिकारिक वेबसाइट oil-india.com के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की लास्ट डेट 30 जनवरी है। उम्मीदवार इस तारीख तक आवेदन कर दें अन्यथा फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा। केवल वे उम्मीदवार, जो महत्वपूर्ण तिथि तक इस विज्ञापन/अधिसूचना में उल्लिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें कंप्यूटर आधारित टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। चयन प्रक्रिया में सीबीटी शामिल होगा जिसमें अर्हता अंक एससी/एसटी/बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (जहां भी आरक्षण लागू हो) के लिए न्यूनतम 40ब अंक और अन्य के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होंगे। अंतिम चयन केवल सीबीटी में प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता क्रम में किया जाएगा। आवेदन करने वाले सामान्य/ओबीसी उम्मीदवारों को 200 रुपए का ऑनलाइन आवेदन शुल्क देना होगा। एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस/बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों/भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क का भुगतान करने से छूट दी गई है।

70,000 करोड़ जुटाने की इच्छुक 40 कंपनियों की मंजूरी हो सकती है खत्म

नई दिल्ली(jantaserishta. com)। 2024 के लिए आईपीओ पाइपलाइन मजबूत बनी हुई है। प्राइम डेटाबेस के अनुसार, 28,500 करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव रखने वाली 27 कंपनियों के पास वर्तमान में सेबी की मंजूरी है, जबकि 40,500 करोड़ रुपये जुटाने की इच्छुक अन्य 36 कंपनियां सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। प्राइम डेटाबेस ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया के अनुसार अगले कुछ महीनों में आम चुनावों के कारण रोक से पहले कई आईपीओ लॉन्च किए जाने चाहिए। 2023 में 87 कंपनियों ने अनुमोदन के लिए सेबी के पास अपने प्रस्ताव दस्तावेज़ दाखिल किए (2022 में 89 की तुलना में)। दूसरी ओर, 2023 में भी 40 कंपनियां लगभग 70,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही थीं, जिससे उनकी मंजूरी समाप्त हो गई, तीन

कंपनियां जो 3,550 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही थीं, उन्होंने अपने ऑफर दस्तावेज़ वापस ले लिए और सेबी ने 10,800 रुपये जुटाने की चाह रखने वाली अन्य छह कंपनियों के ऑफर दस्तावेज़ वापस कर दिए। करोड़. हल्दिया के अनुसार, मजबूत लिस्टिंग प्रदर्शन से आईपीओ की प्रतिक्रिया में और भी बढ़ोतरी हुई। औसत लिस्टिंग लाभ (लिस्टिंग तिथि पर समापन मूल्य के आधार पर) 2022 में 11 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया। 57 आईपीओ में से 40 ने 10 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया। टाटा टेक्नोलॉजीज ने 163 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया, उसके बाद आइडियाफोर्ज (93 प्रतिशत) और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक (92 प्रतिशत) का स्थान रहा। 57 में से 53 आईपीओ 46 फीसदी के औसत रिटर्न के साथ निर्गम मूल्य (1 जनवरी, 2024 के समापन मूल्य) से ऊपर कारोबार कर रहे हैं।

लगातार खरीदार रहे घरेलू फंड मुनाफा वसूली कर रहे

नई दिल्ली। वी.के. का कहना है कि उच्च मूल्यांकन के कारण मुनाफावसूली शुरू होने से बाजार अत्यधिक अस्थिर हो गया है और यहां तक कि लगातार खरीदार रहे डीआईआई भी मुनाफावसूली कर रहे हैं। विजयकुमार, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार। गिरावट पर खरीदारी भी साथ-साथ हो रही है। मुनाफावसूली और गिरावट पर खरीदारी की ये दोहरी चालें निकट अवधि में बाजार को अत्यधिक अस्थिर बनाए रखेंगी।

निर्यात सीमाएँ कृषि निर्यात को करती हैं प्रभावित

नई दिल्ली। कृषि-निर्यात प्रोत्साहन संस्था एपीडा के अनुसार, बासमती चावल सहित कृषि-वस्तुओं का निर्यात इस साल सितंबर में 35.83 प्रतिशत घटकर 17.93 लाख टन (एलटी) रह गया, जो पिछले महीने में 27.94 लाख टन था। अप्रैल और मई में कृषि-वस्तुओं का निर्यात लगभग 33 लाख टन था। हालाँकि, टूटे हुए चावल और गैर-बासमती सफेद चावल सहित चावल की विभिन्न किस्मों के निर्यात पर कई प्रतिबंधों के कारण कृषि वस्तुओं का शिपमेंट लगभग 18 लाख टन तक गिर गया। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) द्वारा रखे गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के अगस्त में कृषि वस्तुओं का निर्यात 27.94 लाख टन था। मूल्य के संदर्भ में, कृषि वस्तुओं का निर्यात सितंबर के दौरान घटकर 14,153 करोड़ रुपये रह गया, जो इस वित्तीय वर्ष के अगस्त में 18,128 करोड़ रुपये था। आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में ज्यादातर निर्यात गैर-बासमती निर्यात थे जो 4.25 लाख टन, बासमती चावल 1.21 लाख टन, ताजा प्याज 1.51 लाख टन और भैंस के मांस 1,21,427 टन थे।

वॉलमार्ट ने 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया

बेंगलुरु(jantaserishta. com)। घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट को मूल कंपनी वॉलमार्ट से 600 मिलियन डॉलर का फंड मिला है। फ्लिपकार्ट ने इस अखबार को धन उगाही की पुष्टि की। कंपनी को कथित तौर पर अतिरिक्त 400 मिलियन की फंडिंग मिल सकती है और नए निवेशक भी नए फंडरेजिंग दौर में शामिल होंगे। हालाँकि फ्लिपकार्ट ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा जाता है कि फंडिंग से कंपनी का मूल्य मौजूदा मूल्यांकन से 5-10ब अधिक हो जाएगा। पिछली बार इसकी कीमत करीब 35 अरब डॉलर आंकी गई थी। फ्लिपकार्ट इस फंड का इस्तेमाल अपने परिचालन के विस्तार के लिए करेगी। फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल, एक्सेल और टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट ने जुलाई में ई-कॉमर्स कंपनी छोड़ दी और अपने

शेयर वॉलमार्ट को बेच दिए। इससे पहले जुलाई में, वॉलमार्ट ने अपनी फाइलिंग में कहा था कि 31 जुलाई, 2023 को समाप्त छह महीनों के दौरान, उसने फ्लिपकार्ट के कुछ गैर-नियंत्रित शेयरधारकों से शेयर हासिल करने के लिए 3.5 बिलियन डॉलर का भुगतान किया। अमेरिकी रिटेल कंपनी ने फ्लिपकार्ट के शेष शेयर खरीदने के लिए टाइगर ग्लोबल को लगभग 1.4 बिलियन डॉलर का भुगतान किया। 2018 में, वॉलमार्ट ने ई-कॉमर्स कंपनी में 77ब हिस्सेदारी के लिए लगभग 16 बिलियन डॉलर का भुगतान किया, और ट्रैक्सन के अनुसार, वॉलमार्ट के पास अब कंपनी का लगभग 80.5ब हिस्सा है। फ्लिपकार्ट ने पिछले साल दिसंबर में अपनी भुगतान इकाई फोनपे को बंद कर दिया और जुलाई में कंपनी ने पूर्व कर्मचारियों सहित लगभग 24,000 कर्मचारियों को 700 मिलियन डॉलर का नकद भुगतान वितरित किया। यह ई-कॉमर्स कंपनी से PhonePe के अलग होने की भरपाई के लिए है। अगस्त में एक कमाई कॉल में, वॉलमार्ट ने कहा कि फ्लिपकार्ट और फोनपे दोनों ने प्रभावशाली वृद्धि प्रदर्शित करना जारी रखा है और फ्लिपकार्ट ने मजबूत जीएमवी (सकल माल मूल्य) और शुद्ध बिक्री वृद्धि उत्पन्न की है क्योंकि मुख्य व्यवसाय अच्छी तरह से बढ़ रहा है। फ्लिपकार्ट समूह में फ्लिपकार्ट समूह की कंपनियां मिंत्रा, फ्लिपकार्ट होलसेल, फ्लिपकार्ट हेल्थ+ और क्लियरट्रिप शामिल हैं।

Toner Toner Toner Toner Toner Toner
बार-बार रिफलिंग से छुटकारा पाईये
PREMIUM
Laser Toner
Cartridges
खराब प्रिंटिंग से छुटकारा
अपने प्रिंटर की लाईफ बढ़ाईये
अच्छी प्रिंट पाईये

12A
475 रु.
16A
2100 रु.
Contact
8966886688, 8770978078
जनता से रिश्ता प्रेस बिल्डिंग, इंद्रावति कालोनी, रायपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण) दिनांक 02.01.2024

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है । ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 22.01.2024 है :-

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT No. 230 Tender No. 150903	पैरी नदी में राजिम से नेहरू घाट तक रिवर बेड पर पुल पुलिया सहित सर्विस रोड का निर्माण कार्य । (राजिम माघी पुन्नी मेला 2024)	रू. 36.78 लाख
NIT No. 233 Tender No. 150904	पैरी नदी में राजिव लोचन मंदिर से महोत्सव स्थल एवं बाघ तक रिवर बेड पर पुल-पुलिया सहित सर्विस रोड का निर्माण कार्य । (राजिम माघी पुन्नी मेला 2024)	रू. 45.01 लाख
NIT No. 234 Tender No. 150905	जिला महासमुन्द विकासखंड पिथौरा के बेल्डीह में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य । (शेष कार्य)	रू. 32.46 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बावत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)
निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि.रायपुर मंडल क्र.-2 (छ.ग.)
Credible Chhattisgarh
G- 06870/3
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग भानुप्रतापपुर काष्ठागार (पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल) के नीलाम का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल अंतर्गत काष्ठागार भानुप्रतापपुर एवं बांसागार करठी / अंतागढ़ / में संग्रहित ईमारती काष्ठ / बल्ली / औद्योगिक / व्यापारिक बांस का निम्न दर्शाये गये स्थल में भण्डारित है। जिसका निर्वतन नीलाम तिथि 09.01.2024 को किया जावेगा तदानुरूप इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि घोष विक्रय में भाग लेवें। नीलाम में प्रस्तावित मात्रा कम या अधिक हो सकती है। बोली लगाने से पूर्व कृपया वनोपज का निरीक्षण कर लेवें। घोष विक्रय की शर्तो एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में संबंधित वनमंडल से प्राप्त की जा सकती है।

वनमंडल का नाम	काष्ठागार का नाम	स्थान/नीलाम दिनांक व समय
पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल	काष्ठागार भानुप्रतापपुर	काष्ठागार भानुप्रतापपुर नीलाम भवन दिनांक 09.01.2024 प्रातः 09:00 बजे से

-: अनुमानित मात्रा काष्ठ एवं बल्लियां :-

अ.क्र.	प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग	
		काष्ठ घ.मी	बल्ली	काष्ठ घ.मी	बल्ली	काष्ठ घ.मी	बल्ली
1	सागौन	0	22	37	96	37	118
2	साल	6	0	344	0	350	0
3	बीजा	9	0	34	0	43	0
4	साजा	4	58	50	0	54	58
5	शीशम	1	32	0	9	1	41
6	हल्दू/मुंडी	10	41	20	0	30	41
7	सलिहा/मोंदे	3	0	4	0	7	0
8	तिन्सा	2	0	6	0	8	0
9	धावड़ा	0	113	27	0	27	113
10	कर्रा	0	34	0	0	0	34
11	तेन्दू	39	121	0	0	39	121
12	अन्य	84	1454	43	0	84	1454
योग		158	1875	565	105	680	1980

-: नीलाम हेतु प्रस्तावित औद्योगिक/व्यापारिक बांस :-

क्रं.	वनमंडल	बांसागार भानुप्रतापपुर	बंडल	नो. टन	रिमार्क
	पूर्व वनमंडल भानुप्रतापपुर	औद्योगिक बांसागार भानुप्रतापपुर (पुराना लॉट)	250	2.000	काष्ठ नीलाम के पश्चात औद्योगिक / व्यापारिक बांस का भानुप्रतापपुर नीलाम हॉल में किया जावेगा।
		बांसागार अंतागढ़	नग	नो.टन	
		व्यापारिक बांसागार अंतागढ़ (नया लॉट)	2830 नग	8.606	
		औद्योगिक बांसागार भानुप्रतापपुर (नया लॉट)	1350	19.943	
		व्यापारिक बांसागार अंतागढ़ (पुराना लॉट)	1780 नग	5.055	

दूरभाष क्रमांक - पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल (07850-252223)

1. प्रत्येक क्रेता को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व प्रत्येक लॉट के संबंध में जिस सीमा तक वह बोली लगाना चाहता है, उसके 10 प्रतिशत के बराबर राशि या 1,000/- रूपये इसमें जो भी अधिक हो, जमा करना अनिवार्य है । 2. क्रेता द्वारा नीलाम में बोली लगाने के पूर्व कलेण्डर वर्ष 2023 का पंजीयन, आयकर पेन कार्ड की छायाप्रति एवं जी.एस. टी. पंजीयन का प्रमाण पत्र ई.एम.डी. कक्ष में जमा करना अनिवार्य है । 3. विनिर्माता / उपभोक्ता / व्यापारी लायसेंस / जी.एस.टी.पंजीयन नम्बर की छायाप्रति एवं आयकर पेन कार्ड की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा करने पर ही कार्य आदेश जारी किया जावेगा। 4. नीलाम में क्रय किये गये लॉटों का विक्रय मूल्य सहित पूर्ण विवरण ई.एम.डी. जमा पर्ची के पीछे अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। 5. वनोपज विक्रय उपरांत डिमाण्ड ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया का ही स्वीकार किया जावेगा । 6. अन्य जो भी जानकारी जो आवश्यक हो वनमंडल कार्यलय से सम्पर्क स्थापित कर प्राप्त कर सकते है।

वनमंडलाधिकारी
पूर्व भानुप्रतापपुर वनमंडल भानुप्रतापपुर
G - 06863/4

दिल्ली और छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
शहर की जनता से रिश्ता

गांव में युवकों ने लूटी महिला की अस्मत, केस दर्ज : भिवानी। जिले के एक गांव में शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां गांव के ही दो शख्शों द्वारा एक महिला को घर में अकेली पाकर उसे बहला फुसलाकर पास के खण्डर एरिया में बलात्कार की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसकी शिकायत महिला ने पुलिस को दी थी। इस सम्बंध में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिफ्तार किया है। एक आरोपी महिला का सम्बंधी भी बतलाया जा रहा है। ये दोनों दहाड़ी मजदूरी करते हैं। मामले की जानकारी देते हुए भिवानी औधोगिक थाना प्रभारी ने बताया कि 31 दिसम्बर को डायल 112 से एक शिकायत प्राप्त हुई थी।

ताजा खबर

संक्षिप्त

पत्नी के सामने पति की चाकू मारकर हत्या

रांची। पाकुड़ में अपराधियों ने पत्नी के सामने ही पति की चाकू मारकर हत्या कर दी. हत्या करने के बाद हमलावर मृतक की साइकिल पर सवार होकर आसानी से भागने में सफल रहे.

राज्य में ऐसी घटनाएं आम हैं. लगातार हो रहे हत्या के मामले बताते हैं कि अपराधी कितने बेखौफ हैं. घटना पाकुड़ के पाकुड़िया (पाकुड़) थाने की है. जहां पगला नदी पर बने पुल के पास अपराधी पहले से ही घात लगाकर बैठे थे. अपराधियों ने रात का फायदा उठाकर साइकिल सवार दंपती पर हमला कर दिया. अपराधियों ने 36 वर्षीय एनोस मरांडी की चाकू मारकर हत्या कर दी. पत्नी के शोर मचाने पर अपराधियों ने हत्या कर दी और मृतक की साइकिल पर बैठकर भाग गये. इसके बाद अस्पताल ले जाते समय एनोस की मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

समलैंगिक संबंध को लेकर ट्रांसजेंडर की पीट-पीटकर हत्या

खुर्दा। एक भयावह घटना में, ओडिशा के खुर्दा जिले के सागदाभांगा गांव में एक युवक को उसके दोस्त ने कथित तौर पर समलैंगिक संबंध के कारण पीट-पीटकर मार डाला। सगदाभांगा गांव के रस्मीरंजन बलियारशिंग अपने ट्रांसजेंडर दोस्त सोमनाथ लाल को एक जात्रा शो में भूमिका देने के उद्देश्य से अपने घर ले गए थे। हालाँकि, सोमनाथ ने कथित तौर पर रस्मीरंजन पर लोहे की रॉड से हमला किया, जबकि घर में कोई नहीं था। बाद में, वह सोने के गहने लूटकर और घर का दरवाजा बाहर से बंद करके मौके से भाग गया। उनके पहुंचने पर, रस्मीरंजन के परिवार के सदस्यों ने उन्हें कई बार फोन किया। बाद में कॉल रिसीव न करने पर उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया। उन्होंने उसे खून से लथपथ मृत पाया। घटना की जानकारी मिलते ही जानकिया थाने से पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. उन्होंने सोमनाथ का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। इस बीच, रस्मीरंजन के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

युवक की चाकू गोदकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पश्चिम चम्पारण। पश्चिम चम्पारण जिले में अपराधी बेख़ौफ़ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। गंभीर घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। ताज़ा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शेखौना गांव में सामने आया है। जहां युवक को घर से बुलाकर चाकू से गोद कर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान शेखौना गांव निवासी केदार पटेल के पुत्र राजेश पटेल के रूप में हुई है। घटना के सम्बन्ध में मृतक के साला शर्मा पटेल ने बताया कि उसके दोस्त ने घर से बुलाकर ले जाकर चाकू से गोदकर हत्या कर दिया है।

देश-दुनिया के सबसे तेज
वेब पोर्टल से जुड़कर
अपना भविष्य बनाएं...
jantaserishta.com
किसी भी शहर के सभी वार्डों में संवाददाता चाहिए, 24 घंटे वार्ड की गतिविधियों व घटित घटनाओं से रूबरू रहने वाले सक्रिय युवा वेब साइट से जुड़ कर घर बैठे नौकरी पाएं...
संपर्क करें-
8966886688
3/111 ललिता पार्क लक्ष्मीनगर नई दिल्ली

पुलिस वाले बनकर लोगों से की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। पुलिस अधिकारी बनकर सायबर फ्रॉड करने वाले मध्यप्रदेश के 4 आरोपियों को कांकेर पुलिस ने आज गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपियों द्वारा ऑनलाइन एफ आईआर से नंबर प्राप्त कर ठगी किया जा रहा था। ये आरोपी राज्य के पुलिस पोर्टल को खोलकर वहां के दर्ज हुए प्रकरणों से पक्षकारों के मोबाइल नंबर से उनके प्रकरण में कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग करते थे। पुलिस अधिकारी बनकर ठगी करने वाले अंतरराज्जीय गिरोह में शामिल चार लोगों की पहचान हुई है। गिरोह में शामिल अन्य की पुलिस तलाश कर रही है। सायबर क्राईम के आरोपियों के छत्तीसगढ़ के अन्य 8 जिलों में तथा अन्य राज्यों में भी अपराध करना पाया गया। पुलिस थाना चारामा में 3 प्रार्थियों आवेदिका मनीषा वर्मा, आवेदिका पुष्पा बाई एवं आवेदक उत्सव

जुर्री ने लिखित आवेदन पेश किया कि अज्ञात 5 मोबाईल नंबर के धारकों द्वारा पूर्व में आवेदक को थाना चारामा में पंजीबद्ध अपराध के प्रकरण में पुलिस अधिकारी बनकर फोन कर दूसरे पक्ष को जेल भेजने के नाम पर पैसे की मांग कर रहा है। शिकायत पर धारा 170, 384, 511, भादवि 66 डी सूचना प्रोद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 के तहत आरोपी मोबाईल धारकों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। बालाजी राव पुलिस उप महानिरीक्षक, दिव्यांग पटेल पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश ठाकुर के नेतृत्व में थाना प्रभारी चारामा जितेन्द्र गुप्ता के द्वारा थाना चारामा और साईबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी करने टीम को मध्यप्रदेश रवाना किया गया। आरोपी मोबाईल नंबर के धारकों को पूछताछ करने पर बताया कि गिरोह में मनीष कुशवाह (21 वर्ष) एवं विजय कुशवाह (24 वर्ष) सभी मध्यप्रदेश निवासी मोबाईल सिम की व्यवस्था करते थे और अनीत यादव (24 वर्ष) एवं लवकेश यादव (25 वर्ष) सभी निवासी मध्यप्रदेश, ये दोनों छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्य के पुलिस पोर्टल को खोलकर वहां के दर्ज हुए प्रकरण में दिये गये प्रार्थीयों के मोबाईल नम्बर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पुलिस अधिकारी बनकर उनके प्रकरण में कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग करते थे।

नाबालिग बच्ची हुई गर्भवती, पीड़िता ने किया चौकाने वाला खुलासा

तिरुवंतपुरम। नाबालिग भाई के साथ अवैध संबंध के चलते 12 साल की लड़की गर्भवती हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, लड़की के मां-बाप को जब यह मालूम हुआ तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन-फानन में उन्होंने गर्भपात की अनुमति के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि अदालत ने लड़की को अबॉर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने तर्क दिया कि गर्भपात अभी इसलिए नहीं किया जा सकता क्योंकि भ्रूण 34 सप्ताह तक पहुंच चुका है और पूरी तरह से विकसित है। अदालत ने मां-बाप को आदेश दिया कि गर्भ धारण तक भाई को बहन से दूर रखा जाए। लड़की के परिजनों ने अदालत में दलील दी थी कि गर्भावस्था से उनकी बेटी को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं हो सकती हैं। लड़की के माता-पिता आखिर तक गर्भावस्था से अनजान थे। लाइव लॉ के अनुसार, मामला केरल की अदालत में पहुंचा। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, भ्रूण पहले ही 34 सप्ताह के गर्भ

तक पहुंच चुका है और अब पूरी तरह से विकसित हो चुका है। भ्रूण गर्भ के बाहर अपने जीवन की तैयारी कर रहा है। इस अवस्था में गर्भपात असंभव नहीं लेकिन उचित नहीं है। जाहिर है इसलिए बच्चे को जन्म लेने की अनुमति देनी होगी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन ने निर्देशन में हुई। उन्होंने आदेश दिया कि नाबालिग लड़की को उसके माता-पिता की देखभाल में रहना चाहिए। अदालत ने संबंधित अधिकारियों और माता-पिता को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया है कि जिस भाई के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, उसे लड़की से दूर रखा जाए। दरअसल, लड़की के माता-पिता ने गर्भपात की अनुमति मांगने के लिए केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। रिपोर्ट के अनुसार, मामले की जांच कर रहे मेडिकल बोर्ड ने शुरुआत में लड़की की कम उम्र और संभावित मनोवैज्ञानिक आघात के कारण 34 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की सिफारिश की थी।

जाली नोट फैलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, STF ने की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा के हबीबपुर से कोलकाता के विभिन्न इलाकों में गिरोह के सदस्यों की मदद से जाली नोट फैलाने वाले गिरोह के प्रमुख मुखिया को मालदा से कोलकाता पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (स्ञस्त्र) की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. पकड़े गये आरोपी का नाम सबीरुद्दीन मोमिन (42) बताया गया है. उसके कब्जे से 45 हजार रुपये का नकली नोट पुलिस को मिला है. आरोपी को कोलकाता लाकर बैंकशाल कोर्ट में पेश करने पर उसे एसटीएफ हिरासत में भेजने का निर्देश दिया गया है।

एसटीएफ सूत्र बताते हैं कि इसके पहले गुप्त सूचना के आधार पर गत 31 दिसंबर की रात को कोलकाता के तोपसिया इलाके में स्थित जेबीएस हल्दाने एवेन्यू से एसटीएफ ने मोहम्मद अजीरुद्दीन मोमिन (21) नामक एक युवक को गिरफ्तार किया था. उसके पास से दो लाख रुपये के नकली नोट बरामद किये गये थे. उससे पूछताछ में पता चला कि मालदा के हबीबपुर इलाके में रहनेवाला सबीरुद्दीन मोमिन नकली नोट फैलानेवाले गिरोह का मास्टर माइंड है. वही कोलकाता में विभिन्न इलाकों में इन दिनों जाली नोट की सप्लाई करवा रहा था. वह कोलकाता में जाली नोट फैलाने का रैकेट तैयार करने की फिराक में था।

नौकरानी ही निकली चोर, बेटे-दामाद के साथ रची साजिश

लखनऊ। लखनऊ में सिंचाई विभाग के इंजीनियर महेश्वरी प्रसाद के घर जो नौकरानी 10 साल से काम कर रही थी, उसी ने अपने बेटे व दामाद के साथ उनके घर चोरी की साजिश रची। एक महीने तक रेकी की, तीन अन्य अपराधियों को साथ मिलाया और इंजीनियर के घर चोरी कर डाली। सीसी फुटेज की मदद से साजिश और घटना में शामिल नौकरानी, उसके बेटे व दामाद समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर विभूतिखंड पुलिस ने मंगलवार को यह खुलासा किया। घटना में शामिल तीन अन्य लोगों का अपराधिक इतिहास मिला है। पुलिस का दावा है कि तीन अपराधियों ने चोरी की कई घटनायें की है। आरोपियों से चोरी किए 27 लाख रुपये, तीन आईफोन और जेवर बरामद हुए हैं।

सिंचाई विभाग में झांसी के जोनल अधिकारी महेश्वरी प्रसाद का विभूतिखंड में भी घर है। 10 साल से कठौता निवासी अनुराधा उर्फ राधा उनके घर साफ सफाई का काम करती थी। इंजीनियर व उनका परिवार यहां अक्सर नहीं रहता था। वह लोग अनुराधा पर काफी विश्वास करते थे। इस वजह से मुख्य गेट और लॉबी की चाभी उसके पास ही रखवाते थे। 23 दिसंबर को महेश्वरी प्रसाद के घर 35 लाख रुपए व जेवर चोरी हो गये थे। एडीसीपी पूर्वी सै. अली अब्बास ने बताया कि सीसी फुटेज में चोरों की तस्वीर कैद हुई थी,

लेकिन इन्हें कोई पहचान नहीं पा रहा था। जब यह पता चला कि चाभी नौकरानी अनुराधा के पास थी। इस पर अनुराधा से पूछताछ की गई। फिर उसके मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली गई। इससे कई सुराग मिले। जब उसके बेटे व अन्य लोगों की लोकेशन देखी गई तो राज खुलते चले गये। पकड़े गये लोगों में अनुराधा, बेटा लखीमपुर निवासी अभय सिंह, दामाद सुमित सिंह व साथी लखीमपुर के सुधीर कश्यप, दीपक कश्यप व गुलफाम हैं। दीपक व गुलफाम के खिलाफ लखीमपुर में हत्या के प्रयास के मुकदमे दर्ज है। साथ ही चोरी में शामिल होने की बात भी पता चली है।

एक माह से कर रहे थे रेकी इंस्पेक्टर सुनील सिंह के मुताबिक अनुराधा ने बेटे अभय और दामाद सुमित के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई थी। सुमित ने साथी सुधीर, दीपक और गुलफाम से कहा की यहां बड़ी रकम हाथ लग सकती है। घर पर जल्दी कोई आता भी नहीं है। इसलिए पकड़े जाने का डर नहीं है। एक माह पहले लखीमपुर से तीनों लोग मकान देखने आए थे। तब से वह मकान की रेकी कर रहे थे।

अभय ने पुलिस को बताया कि दीपक व गुलफाम ने उनसे क्रिसमस के समय चोरी के लिये सही बताया था। इसके पीछे उनका तर्क था कि इस दौरान पुलिस क्रिसमस पर्व में व्यस्त रहेगी। इस लिए 23 दिसम्बर की रात ये लोग चोरी करने गये।

16 वर्षीय लड़की से बलात्कार मामले में दो और आरोपियों की तलाश जारी

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम पुलिस 16 वर्षीय लड़की से बलात्कार मामले में दो और आरोपियों की तलाश जारी रखे हुए है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, उन्हें अदालत में पेश किया और बाद में 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान यह पता चला कि नाबालिग लड़की के साथ नौ फोटोग्राफरों सहित 13 लोगों ने एक सप्ताह तक कथित तौर पर बलात्कार किया था। उन्होंने बताया कि मामले के बाकी दो आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। डीसीपी श्रीनुवास राव के मुताबिक, पीड़िता के पिता अपने परिवार के साथ ओडिशा से विशाखापत्तनम चले गए थे। जहां उसके पिता विशाखापत्तनम के एक अपार्टमेंट में चौकीदार के रूप में काम करते हैं, वहीं पीड़िता घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। डीसीपी श्रीनुवास ने बताया कि 17 दिसंबर को पीड़िता अपने बॉयफ्रेंड के साथ एक होटल के कमरे में गई थी. उसके बॉयफ्रेंड ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में अपने दोस्त को होटल में बुलाया जिसने उसके साथ रेप किया. अपने प्रेमी और उसके दोस्त द्वारा बलात्कार किए जाने के बाद पीड़िता आत्महत्या करने के लिए विशाखापत्तनम के आरके बीच पर पहुंच गई। हालांकि, समुद्र तट पर पर्यटकों की तस्वीरें लेने वाले एक स्थानीय व्यक्ति ने उसके साथ बातचीत शुरू कर दी और फिर उसे अपने साथ एक लॉज में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया, डीसीपी श्रीनुवास ने कहा। डीसीपी ने कहा, फोटोग्राफर उसे आठ से नौ फोटोग्राफरों के साथ दूसरे कमरे में भी ले गया।

14 लाख की लूट मामले में आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों पुलिसकर्मियों द्वारा 14 लाख रुपए लूट मामले में पुलिस ने जफर नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक चार पहिया वाहन और 1 लाख 30 हजार रुपए बरामद हुए है। वहीं पुलिस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। दरअसल चंदन नगर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों अहमदाबाद की बस से दीपक यादव और योगेश सिंह नामक दो पुलिसकर्मियों द्वारा पकड़ा गया था। पूरे मामले में उन्हें लूट का आरोपी बनाया गया। जांच पड़ताल में पता चला कि दोनों ही पुलिस कर्मियों के साथ तीन अन्य लोगों ने भी इस लूट की वारदात में पुलिसकर्मियों का साथ दिया था। जिसके बाद निशानदेही पर पुलिस ने जफर पठान नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है,

जिसके पास से एक चार पहिया वाहन और 1लाख 30 हजार रुपए की नगद राशि भी बरामद की गई है। बताया जा रहा है कि समीर नामक व्यक्ति की पुलिस और तलाश कर रही है, जिसके पकड़े जाने के बाद अन्य दो व्यक्तियों के नाम का भी खुलासा हो सकेगा। जिनमें से प्रत्येक व्यक्ति को लूट की रकम का कुल 2 लाख 90 हजार रुपए हिस्सेदारी बनी थी और उसी हिसाब से इन लोगों ने आपस में रुपए बांटे थे। जिसमें से जफर पठान ने 1 लाख 60 हजार रुपए की चार पहिया वाहन गाड़ी भी खरीद ली थी। फिलहाल दोनों ही पुलिसकर्मी और जफर के रिमांड बढ़ाई गई है और अब उनसे पूछताछ की जा रही है। लेकिन अभी तक पुलिसकर्मियों के पास से पुलिस रुपए बरामद नहीं कर पाई है।

मकान की दूसरी मंजिल से गिरा मिस्त्री, मौत

रायगढ़। रात्रि का खाना खाने के बाद सीढ़ी व बालकनी में टहल रहे व्यक्ति की गिरने से मौत होने का मामला सामने आया है। यह हादसा चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के सूर्य विहार पीएम आवास के मकान के दूसरे माले में घटित हुआ है। जानकारी के मुताबिक सलीम खान पिता करीम खान 30 सूर्या विहार थाना चक्रधर नगर का रहने वाला है। मोटरसाइकिल मिस्त्री का कार्य करता है। अपनी मां के साथ सूर्य बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकान पर दूसरे वाले में रहता था। मृतक के जीजा ने बताया कि सलीम 1 जनवरी को काम काज कर घर आया था और सीढ़ी व बालकनी में टहल रहा था।

रात को करीब 9 से साढ़े 9 के बीच छत से कुछ गिरने की आवाज आई तो उक्त कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने नीचे

झांककर देखा तो घटना को देखकर उनके होश उड़ गए। कालोनी में हड़कंप मच गया। शोर शराबा सुनकर सभी ब्लॉक में रहने वाले लोग मौके पर एकत्रित हो गए। जहां सलीम की उन्होंने सुध ली तो वह लहूलुहान होकर अचेत अवस्था में पड़ा था तत्काल उसे निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर चक्रधर नगर पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए मंगलवार को पोस्टमार्टम अन्य कानूनी प्रक्रिया को पूरा की है । इधर प्रथम दृष्टया में यह भी बात सामने आई की मृतक बालकनी से नीचे झांक रहा होगा तभी वह अनियंत्रित होकर गिर गया, फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

प्रोफेसर की जिंदगी खतरे में, मिल रही धमकी, पुलिस से मांगी मदद

गोरखपुर। गोरखपुर के दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर वेद प्रकाश राय को पिछले एक हफ्ते से लगातार धमकी मिल रही है। धमकी देने वाला खुद को विश्वविद्यालय का ही छात्र बता रहा है। बार-बार धमकी और अभद्र भाषा को देखते हुए डॉ. वेद ने डीडीयू प्रशासन के माध्यम से कैंट पुलिस को तहरीर दी है। डॉ. वेद के मुताबिक जनवरी 2023 की विषम सेमेस्टर परीक्षा में वे केन्द्राध्यक्ष बनाए गए थे। परीक्षा के दौरान एक छात्र मोबाइल, पंचांग और नकल सामग्री के साथ पकड़ा गया था। तब उसके खिलाफ अनुचित साधन प्रयोग (यूएफएम) के तहत कार्रवाई की गई थी। एक साल बाद अब उस छात्र का परिणाम आया तो उसमें यूएफएम लिखा हुआ है। बीते 26 दिसंबर से ही वह छात्र बार-बार फोन करके

धमकी दे रहा है। डॉ. वेद ने सभी बातचीत की रिकॉर्डिंग भी की है।

डॉ. वेद प्रकाश राय ने बताया कि वह फोन करके अमर्यादित ढंग से बात कर रहा है। उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया है। इस सम्बंध में उन्होंने कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक को भी पत्र लिखा है। मुख्य नियंता प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय को पत्र लिखकर उन्होंने कार्रवाई की मांग की। मुख्य नियंता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वह शिकायती पत्र कैंट पुलिस को कार्रवाई के लिए भेज दिया है।

छह बार प्रोफेसर को किया फोन तहरीर के मुताबिक आरोपी छात्र ने कुल छह बार उन्हें फोन किया है। पहली बार 26 दिसंबर को फोन किया था। उसके बाद 28 दिसंबर को कुल तीन बार फोन किया। एक जनवरी को दो बार फोन किया। डॉ. वेद द्वारा जारी रिकॉर्डिंग में छात्र कह रहा हैज हेलो प्रोफेसर.. मेरा नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिए हो। अपना लोकेशन शेयर करो। तुम्हारे घर ही आ जाते हैं। तुम्हारा 2024 बहुत खराब जाएगा। हम अपना तो बैड ईयर करेंगे ही तुम्हारा भी करेंगे। हम जिसे याद रखते हैं, उसे कभी भूलते नहीं हैं। आज साल भर पूरा होने जा रहा है। इसलिए याद दिलाना जरूरी है कि हम अभी जिंदा हैं। हम 2023 में जितने खतरनाक थे, उससे ज्यादा खतरनाक 2024 में बने रहेंगे। तुम्हारा हालचाल ठीक है? बीपी-शुगर

माता-पिता ने खुद की बेटी का कत्ल कर शव को जलाया

नई दिल्ली। सीतामढ़ी के परसौनी थाना क्षेत्र से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। जहां माता-पिता ने अपनी खुद की बेटी की जान ले ली। दरअसल, माता पिता को पता चला की बेटी का बॉयफ्रेंड है और वह उससे शादी करना चाहती है। इस बात से नाराज होकर जवान बेटी को उसके माता-पिता ने मार डाला और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को आनन-फानन में जला भी दिया। स्थानीय लोगों से जब पुलिस ने बात की तो पता चला की परसौनी निवासी निरंजन बैठा की पुत्री पुष्पा कुमारी का किसी युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लंबे समय से चल रहे प्रेम प्रसंग के बारे में परिजनों को जब जानकारी मिली तो माता-पिता ने उसकी शादी तय कर दी। सोमवार को लड़की देखने की रस्म भी पूरी की गई। बावजूद पुष्पा तय शादी से इनकार करती रही और अपने प्रेमी संग शादी की जिद करती रही।

13 वर्षीय चचेरी बहन से रेप, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में दो भाइयों को पिछले आठ महीनों से अपनी 13 वर्षीय चचेरी बहन के साथ कथित तौर पर बार-बार बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि बच्ची के साथ दरिंदगी तब की जाती थी, जब वह घर में अकेली होती थी।

एक आरोपी 22 वर्ष उम्र का है और दूसरा आरोपी उसका भाई 18 साल का है। ये पूर्वोत्तर मुंबई के विक्रोली इलाके में अपने नाबालिग चचेरे भाई के घर अक्सर आते थे, जहां चचेरी बहन अपने माता-पिता के साथ रहती थी। माता-पिता, दोनों काम पर चले जाते थे। उन्हें कुछ भी गलत होने का संदेह नहीं था। उन?होंने बच?ची के साथ स्वतंत्र रूप से घुलने-मिलने की अनुमति दी और भाई भी दंपति की गैरमौजूदगी में उससे बेरोकटोक मुलाकात किया करते थे। पिछले रविवार को पीड़िता की मां ने देखा कि लड़की का पेट बाहर निकला हुआ है और उसने उससे इसके बारे में पूछा, लेकिन उसने ठीक से जवाब नहीं दिया। चिंतित होकर, महिला अपनी बेटी को एक स्थानीय अस्पताल में ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे बताया कि बच?ची 23 सप्ताह की गर्भवती है।

स्तब्ध परिवार ने पार्कसाइट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसने लड़की का बयान दर्ज किया और चौंकाने वाले इस मामले की जांच शुरू की। अन्य बातों के अलावा, पीड़िता ने खुलासा किया कि छोटे चचेरे भाई ने पहली बार मई में उसके साथ बलात्कार किया और बड़े चचेरे भाई ने अगस्त से बलात्कार करना शुरू किया था, दोनों भाइयों ने कई मौकों पर बच?ची के साथ छेड़छाड़ की और यौन उत्पीड़न करने से पहले उसे अश्?लील सामग्री और वीडियो देखने के लिए भी मजबूर किया। दोनों आरोपियों को रविवार और सोमवार को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया गया।

sms of the day »

अगर आप रंगोली बनाने में एक्सपर्ट नहीं है, तो आप माचिस की तिल्ली और दिए की मदद रंगोली डिजाइन बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक बोतल में रंग भरना है, फिर इससे फूलों का डिजाइन बनाना है। इसके बाद आपको माचिस की तिल्ली की मदद से बीच में रेखा खीचें। अब आपको साइड में दीपक के पास नीले रंग का डिजाइन नजर आ रहा होगा। इसे बनाने के लिए आप थाली का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नहीं बढ़ रहा बच्चों का वजन तो उन्हें पिलाएं ये जूस

बच्चों की जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है उनके शरीर के अंग बढ़ते हैं। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों की लंबाई और वजन बढ़ना बहुत ही जरूरी होता है। वजन न बढ़ने कई बार बच्चा न सिर्फ दुबला और पतला नजर आता है बल्कि माता-पिता को शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती है। बच्चों का वजन बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें बादाम, पिस्ता, दूध और दाल जैसी चीजें खिलाते हैं। इतना ही नहीं बच्चों का वजन बढ़ जाए इसलिए कई पेरेंट्स उन्हें गलत फूड कॉम्बिनेशन तक खिलाने को तैयार हो जाते हैं। अगर आप भी बच्चे के वजन न बढ़ने से परेशान हैं तो आज हम आपको बताने जा रहे हैं 5 ऐसे जूस के बारे में। ये जूस बच्चों का वजन बढ़ाने के साथ-साथ उनके शरीर में पोषक तत्वों की कमी को भी पूरा करेंगे।

एवोकाडो जूस

एवोकाडो कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। एवोकाडो में हाई कैलोरी पाई जाती है, इसलिए ये वजन बढ़ाने में मददगार साबित होती है। एवोकाडो के जूस का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं, आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके साथ ही एवोकाडो का जूस बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

कैसे बनाएं एवोकाडो का जूस

एवोकाडो का जूस बनाने के लिए सबसे इसके 2 पीस लेकर छील लें। एवोकाडो का मिक्सर में डालें और इसमें अपने स्वाद के अनुसार नींबू का रस और शहद मिलाकर ब्लेंड करें। ब्लेंड करने के बाद बच्चों को फ्रेश एवोकाडो का जूस पिलाएं।

पालक का जूस

छोटे बच्चे हरी सब्जियां खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। लेकिन पालक के जूस का हरा रंग उनकी आंखों को बहुत ही ज्यादा पसंद आता है। बच्चों को नियमित तौर पर पालक का जूस पिलाने से उनका वजन और मोटापा बढ़ाने में मदद मिलती है। पालक में आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो बच्चों के शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद करती हैं। इसके अलावा पालक विटामिन्स ए, बी-2, बी-6, सी और के पाया जाता है जो इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने में मदद मिलती है।

कैसे बनाएं पालक का जूस

पालक का जूस बनाने के लिए सबसे पहले 100 ग्राम कटा हुआ पालक लें। इसमें 1 सेब या कोई भी मौसमी फ्रूट मिलाएं और ब्लेंड करें। अब पिसे हुए पालक को छलनी की मदद से छानें और नींबू का रस व नमक डाल बच्चों को पिलाएं।

चीकू का जूस -

चीकू का स्वाद मीठा है। चीकू में हाई कैलोरी पाई जाती है, इसलिए ये वजन बढ़ाने में सहायक माना जाता है। बच्चों का वजन बढ़ाने के लिए चीकू का जूस काफी मददगार साबित होता है। कई बार लोगों का चीकू के जूस को शेक भी कहते हैं। चीकू के शेक में दूध का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए ये दोनों ही अलग हैं। एनसीबीआई द्वारा की गई एक रिसर्च में ये बात सामने आई है कि चीकू का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं, अनिद्रा और अवसाद से लड़ने में मदद मिलती है।

कैसे बनाएं चीकू का जूस -

चीकू का जूस बनाने के लिए सबसे पहले इसके 2 से 3 बड़े पीस लें और इसमें संतरा ग्राइंड करें। जैसे ही चीकू और संतरा अच्छे से पीस जाएं तो इसे छान लें। आप इस जूस में थोड़ा सा शहद और नींबू का रस मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

1- केला- वजन बढ़ाने के लिए केला बहुत अच्छा फल है. केले में पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन सी और विटामिनी बी6 भरपूर मात्रा में पाया जाता है. केले में काफी कैलोरी होती है जो वजन बढ़ाने में मदद करती है. खास बात ये है कि बच्चों को केले बहुत पसंद आते हैं. आप चाहें तो केले को मसलकर या स्मूदी और शेक बनाकर भी खिला सकते हैं.

घी और रागी- आप 6-7 महीने के बाद बच्चे की डाइट में घी शामिल कर सकते हैं. बच्चे के लिए घी बहुत जरूरी है. घी में कई पोषक तत्व होते हैं. आप बच्चे के दलिया, खिचड़ी, दाल या सूप में घी डालकर खिला सकते हैं. आपको बच्चे का वजन बढ़ाने के लिए डाइट में रागी जरूर शामिल करनी चाहिए. रागी में कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे विटामिनों और खनिज पाए जाते हैं. रागी खाने से बच्चे का वजन बढ़ेगा और हेल्दी भी रहेगा.

शकरकंद- बच्चे को मोटा करने के लिए आप उसे शकरकंद भी खिलाएं. शकरकंद में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी6, कॉपर, फास्फोरस, पोटैशियम और मैंगनीज होता है. शकरकंद खाने और पचाने में आसान होती है. शकरकंद डायट्री फाइबर से भरपूर होती है. आप बच्चे को मैश करके, प्यूरी बनाकर या सूप बनाकर बच्चे को दे सकते हैं.

दालें- बच्चे को हेल्दी बनाने के लिए डाइट में दालें जरूर शामिल करनी चाहिए. दाल में प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और फाइबर होता है. आप 6 महीने से बच्चे को पहले दाल का सूप फिर दाल दे सकते हैं. आप चाहें तो दाल की खिचड़ी और दलिया भी खिला सकते हैं. दाल खाने से बच्चा जल्दी मोटा होने लगता है.

अंडा और एवोकाडो- अंडा खाने से शरीर को प्रोटीन मिलता है. बच्चे को एक साल का होने के बाद आप अंडा खिला सकते हैं. अंडे में सैचुरेटेड फैट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं. आप बच्चे की अंडा चीला या उबालकर खिला सकते हैं. इसके अलावा एवोकाडो भी खिला सकते हैं. एवोकाडो में विटामिन ई, विटामिन सी, विटामिन के और फोलेट, पैंटोथेनिक एसिड, कॉपर और डायट्री फाइबर होता है. इसमें भरपूर फैट पाया जाता है. अंडा और एवोकाडो खिलाने से बच्चे का वजन बढ़ने में मदद मिलती है।

खर्राटे रोकने के लिए बनानी होगी शराब से दूरी

खर्राटे लेने की वजह अभी ठोस रूप से नहीं पता चली है, लेकिन कुछ आदतों को बदलकर हम इस प्रकार की बीमारी से छुटकारा पा सकते हैं. ज्यादातर लोग रात में सोते वक्त तेज-तेज खर्राटे लेते हैं, जिससे न सिर्फ आपकी नींद खराब होती है बल्कि आपके साथ सोने वाले की भी नींद खराब होती है. इतना ही नहीं कई मामलों में तो खर्राटों के चलते कई लोगों की शादियां तक टूट जाती है.

हम क्यों लेते हैं खर्राटे

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नींद के दौरान जब हम सांस लेते हैं और छोड़ते हैं तब हमारी गर्दन और सिर के सॉफ्ट टिशू (मुलायम ऊतक) में कंपन होता है, जिसके चलते हम खर्राटे लेते हैं. ये मुलायम ऊतक हमारी नाक के रास्ते, टॉन्सिल और मुंह के ऊपरी हिस्से में होते हैं. ऐसे में जब हम सो रहे होते हैं तो हवा के जाने का रास्ता आराम की स्थिति में होता है, तब हवा को अंदर बाहर जाने के लिए जोर लगाना पड़ता है, जिसकी वजह से मुलायम ऊतकों में कंपन पैदा हो जाता है.

- सबसे पहले तो शराब से आपको दूरी बनानी होगी. क्योंकि इसको पीने के चलते ही नींद के दौरान मांसपेशियां अधिक रिलेक्स हो जाती हैं, इसके चलते एयरवे सिकुड़कर और अधिक संकरा हो जाता है. कोशिश करें कि सोने से पहले शराब न पीएं.

इसके अलावा सोते वक्त आपको एक तरफ लेटना चाहिए. रिपोर्ट के मुताबिक, जब आप सीधे कमर पर लेटते हैं तब आपकी जीभ, थुड्डी और थुड्डी के नीचे के वसायुक्त ऊतक, ये सब आपके एयरवे में रुकावट पैदा कर सकते हैं. इसलिए एक तरफ लेटने की सलाह दी जाती है.

-इसके अलावा बाजार में खर्राटे रोकने के लिए कई उत्पाद हैं, ऐसे में नाक में लगने वाली पट्टी भी ले सकते हैं. हालांकि, इसका कोई प्रमाण नहीं है कि ये असरदार है या नही. पट्टियों के पीछे विचार ये है कि वो आपके नथुनों को खुला रखती हैं. ये तब काम करती हैं जब आप नाक से खर्राटे लेते हैं.

-नाक को साफ रखें, क्योंकि अक्सर जब आपको सर्दी हुई होती है तो आपकी नाक बंद हो जाती है. ऐसे में आपके खर्राटे लेने की संभावना अधिक है. ऐसे में सोने से पहले अपनी नाक को अच्छे से साफ रखें.

-इस सबसे बड़ा कारण वजन को भी खर्राटे लेने लिए जिम्मेदार बताया जाता है. क्योंकि अगर आपका वजन अधिक है तो आपकी ठुड्डी के पास अधिक वसायुक्त ऊतक हो सकते हैं. ये एयरवे को संकरा करके हवा के आने-जाने के रास्ते में रुकावट पैदा करते हैं।

तवे के मामले में न करें ये गलतियां करती हैं धन हानि, लाती हैं गरीबी

उपयोग होने वाली चीजों को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है. आज हम तवे से जुड़ी कुछ अहम बातों के बारे में जानते हैं, जो घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं. जनता से रिश्ता वेबडेस्क। वास्तु शास्त्र में घर की हर एक चीज से होने वाले अच्छे-बुरे असर के बारे में बताया गया है. यदि इन चीजों के उपयोग और रख-रखाव में गलतियां होती हैं तो इसका सीधा असर हमारी जिंदगी पर पड़ता है. घर के वास्तु में किचन और उसमें उपयोग होने वाली चीजों को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है. आज हम तवे से जुड़ी कुछ अहम बातों के बारे में जानते हैं, जो घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं.द्यह्यश्च ऋद्धुस्र - षटतिला एकादशी, कैसे करें भगवान विष्णु को प्रसन्न जानिए तवे से जुड़ी इन बातों का रखें विशेष ध्यान - खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा साफ करके सभी की नजरों से छिपाकर रखें. इसे कभी भी ऐसी खुली जगह पर नहीं रखना चाहिए, जहां से ये बाहर से आने वाले लोगों को दिखे. ऐसा होना अशुभ माना गया है. - रोज रोटी पकाने से पहले तवे पर नमक छिड़कें और पहली रोटी गाय को खिलाएं. इससे घर में धन और अनाज की कभी कमी नहीं होती है. - कभी भी तवे को पैनी चीज से न खुरचें और ना ही तवे से उठाकर सीधे कोई चीज खाएं. हमेशा खाने की कोई भी चीज तवे से प्लेट में लें और फिर खाएं.

तवे और कढ़ाई को उल्टा करके रखना धन हानि का कारण बनता है. ऐसा कभी न करें. - गर्म तवे पर कभी भी पानी न डालें. ऐसा करना घर पर संकट आने का कारण बनता है. साथ ही गर्म तवे पर पानी डालने से आई छनछन की आवाज नकारात्मकता का कारण बनती है. - रात में भोजन पकाने के बाद तवे को हमेशा साफ करके ही रखें. तवे को ऐसे ही छोड़ देना घर में दरिद्रता लाता है. तवे को बिना धोए रखना मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी को नाराज करता है।

दादा-दादी के मोटा होने पर बच्चों में दोगुना बढ़ जाता है मोटापे का खतरा

स्कूल की छुट्टियां बड़े परिवारों के इकट्ठा होने का एक विशेष समय होता है। कामकाजी माता-पिता के बच्चे अमूमन क्रेच में रहते हैं इसलिए वह त्यौहारों या छुट्टियों में ही अपने दादा दादी से मिल सकते हैं। नए शोध से पता चला है कि जीव विज्ञान, पर्यावरण और उनके द्वारा साझा किया जाने वाला भोजन बच्चों के भविष्य के स्वास्थ्य में योगदान देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के तीन करोड़ 90 लाख बच्चे अधिक वजन वाले हैं। लगभग 25त्न ऑस्ट्रेलियाई बच्चे और किशोर अधिक वजन वाले या मोटे हैं। माता-पिता अपनी संतान के मोटापे के जोखिम में कैसे योगदान करते हैं, यह अच्छी तरह से स्थापित है लेकिन दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच की कड़ी कम स्पष्ट है। दुनिया भर में 200,000 से अधिक लोगों को शामिल करने वाले अध्ययनों की हमारी व्यवस्थित समीक्षा पुष्टि करती है कि मोटापा परिवारों की कई पीढ़ियों में फैलता है।

जीवन भर के लिए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से जुड़ा : बच्चों और किशोरों में मोटापा स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने से जुड़ा हुआ है। इनमें उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल असंतुलन, इंसुलिन प्रतिरोध, मधुमेह मेलिटस, अधिक बढ़वार और परिपक्वता, हड्डी रोग संबंधी कठिनाइयां, मनोसामाजिक समस्याएं, हृदय रोग का जोखिम और समय से पहले मृत्यु दर शामिल हैं।

हमने दादा-दादी जो अधिक वजन वाले या मोटे हैं और उनके पोते के वजन की स्थिति के बीच संबंध पर वर्तमान वैश्विक साक्ष्य की जांच की। हमने 25 अध्ययनों को देखा जिसमें 17 देशों के 238,771 लोग शामिल थे। संयुक्त डेटा पुष्टि करता है कि मोटापा पीढ़ी दर पीढ़ी फैलता है - न केवल माता-पिता से बच्चे में बल्कि दादा-दादी से पोते तक भी।हमने पाया कि जिन बच्चों के दादा-दादी मोटे या अधिक वजन वाले हैं, उनकी सामान्य वजन वाले दादा-दादी के बच्चों की तुलना में मोटे या अधिक वजन वाला होने की संभावना लगभग दोगुनी है।

बच्चों के मोटापे की स्थिति उनके दादा-दादी से कैसे प्रभावित होती है, इस पर और शोध की आवश्यकता है, लेकिन इसमें दो कारकों के शामिल होने की संभावना है। मोटापे का प्रभाव बच्चे पर माता-पिता के जीन के माध्यम से अप्रत्यक्ष हो सकता है या बच्चों के पालन-पोषण में दादा-दादी द्वारा निभाई गई भूमिकाओं के माध्यम से सीधे हो सकता है।

आइए जैविक कारकों से शुरू करें। अंडे और शुक्राणु कोशिकाओं दोनों में अणु होते हैं, जिनपर माता-पिता द्वारा किए जाने वाले भोजन का असर पड़ता है। इसका मतलब यह है कि अधिक वजन बढ़ने की आशंका वाले लक्षण दादा-दादी से माता-पिता और फिर उनके पोते-पोतियों को दिए जा सकते हैं। और सबूत से पता चलता है कि आनुवंशिकी, पर्यावरणीय कारक, जीवन शैली और खाने की आदतें सभी व्यक्तियों को मोटापे की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हम जो खाते हैं और अपने परिवार के सदस्यों को जो खिलाते हैं, उससे कुछ आनुवंशिक लक्षण (एक शब्द जिसे एपिजेनेटिक्स कहा जाता है) की अभिव्यक्ति हो सकती है, जिसे बाद की पीढ़ियों में स्थानांतरित किया जा सकता है।

साझा पारिवारिक, अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारकों के कारण, मोटापा पूरे परिवार में देखा जाता है और अध्ययनों ने लगातार माता-पिता से बच्चों में मोटापे के एक अंत:क्रियात्मक संचरण की सूचना दी है।

भोजन का सेवन कई पीढ़ियों में स्वास्थ्य और जीव विज्ञान को भी प्रभावित कर सकता है। स्वीडन में, एक अध्ययन में बताया गया है कि दस साल की उम्र में दादा-दादी के लिए पर्याप्त भोजन से हृदय रोग और मधुमेह में कमी आई और उनके पोते-पोतियों की आयु में वृद्धि हुई।

भोजन और परिवार

इसलिए, दादा-दादी के वजन की स्थिति और उनके घर में क्या और कितना खाया जाता है, इस बारे में विकल्प उनके पोते के वजन को सीधे या बच्चों के माता-पिता के माध्यम से प्रभावित कर सकते हैं। दादा-दादी प्राथमिक देखभाल करने वालों के रूप में या संयुक्त परिवार में रहने की व्यवस्था में भूमिका के आधार पर ये प्रभाव अधिक या कम महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सीनियर्स के सर्वेक्षण के अनुसार, हर चार ऑस्ट्रेलियाई दादा-दादी में से एक अपने पोते-पोतियों को प्राथमिक देखभाल प्रदान करते हैं। देखभाल करने वालों के रूप में दादा-दादी की भूमिका बच्चों के स्वस्थ खाने के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। यह भोजन साझा करने या प्रियजनों के लिए विशेष व्यवहार में देखा जा सकता है। इस तरह की आदतें आनुवंशिक कारकों से परे, बचपन में मोटापे के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

रोकथाम पर काम करना

हमारा शोध मोटापे की रोकथाम की रणनीतियों में दादा-दादी को शामिल करने के महत्व को दर्शाता है। माता-पिता के अलावा, दादा-दादी को भी इस बात का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि बच्चे को कब और कितना स्वस्थ भोजन दिया जाना चाहिए। इसके अलावा वे नियमित व्यायाम को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकते हैं और अपने पोते-पोतियों को जबरदस्ती खिलाने की प्रथा को हतोत्साहित कर सकते हैं।

जबकि हमारा अध्ययन मोटापे के संचरण में एक बहु-पीढ़ीगत लिंक दिखाता है, अधिकांश उपलब्ध साक्ष्य उच्च आय वाले देशों से आते हैं - मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोपीय देशों से। अधिक अध्ययन, विशेष रूप से कम आय वाले देशों से, मददगार होगा।

विभिन्न जातियों और वर्गों में पोते के मोटापे पर दादा-दादी के प्रभाव की आगे की जांच की भी आवश्यकता है। दुनिया भर में अपने पोते-पोतियों के पालन-पोषण में दादा-दादी की विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिकाएँ होती हैं। अधिक डेटा प्रभावी मोटापा निवारण कार्यक्रमों को डिजाइन करने में मदद कर सकता है जो दादा-दादी के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानते हैं।

'सलार' बन गई प्रभास के करियर की सबसे बड़ी फिल्म

साउथ सुपरस्टार प्रभास जब भी किसी फिल्म को लेकर आते हैं तो उसका क्रेज देखने लायक होता है. उनकी हालिया रिलीज फिल्म सलार का क्रेज भी कुछ ऐसा ही है. फिल्म को पर्दे पर उतरे हुए 13 दिन हो चुके हैं. ऐसे में इसके कलेक्शन के आंकड़े देखने वाले हैं. चलिए जानते हैं कि प्रभास की सलार ने अबतक कितना बिजनेस कर लिया है और इस वीकेंड फिल्म से क्या उम्मीद की जा रही है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सलार प्रभास के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन गई है. ये फिल्म एक के बाद एक कमाई के नए रिकॉर्ड्स बना रही है. 12 दिनों में इस फिल्म ने भारत में 368.32 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया था. अब 13नें दिन 5.25 करोड़ का बिजनेस कर पाई है. इसी के साथ, इंडिया में कुल मिलाकर सलार ने अबतक 373.57 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. वहीं, वर्ल्डवाइड भी फिल्म का कलेक्शन देखने वाला है. इस फिल्म ने 12 दिनों में 650 करोड़ रुपए कमा लिए थे. इसी के साथ, ये फिल्म प्रभास की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई. इसके पहले बाहुबली ने ये रिकॉर्ड कायम किया था. 12 दिन में सलार ने 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं, ओवरसीज ये फिल्म 149.50 करोड़ रुपए कमा पाई है.जानकारी हो कि फिल्म रिलीज से पहले ही अपना जलवा बिखेर चुकी थी. मेकर्स के साथ साथ प्रभास के फैंस को भी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं. एडवांस बुकिंग में ही सलार ने करीब 50 करोड़ का बिजनेस कर लिया था. साथ ही, ओपनिंग डे पर फिल्म ने 90.7 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं, पहले वीकेंड पर तो इस फिल्म ने 300 करोड़ का आंकड़ा बड़े आराम से पार कर लिया था. अब देखना दिलचस्प होगा कि दूसरे हफ्ते ये फिल्म क्या कमाल करती है।

आइरा-नुपुर की शादी के फोटो सोशल मीडिया पर हुई वायरल

आमिर खान की बेटी आइरा खान ने अपने मंगेतर नुपुर शिखरे के साथ 3 जनवरी कोर्ट मैरिज की है। आइरा खान और नुपुर शिखरे की कोर्ट मैरिज के बाद फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। आइरा खान और नुपुर शिखरे ने शादी के बाद दोनों की फैमिली एक साथ नजर आईं और उनकी फोटोज सामने आए हैं। इन फोटोज में आइरा खान और नुपुर शिखरे एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए नजर आए। वहीं, इस कपल की कई फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं।आइरा खान-नुपुर शिखरे ने लंबे समय एक दूसरे को डेट करने के बाद शादी कर ली है। आयरा खान-नुपुर शिखरे की शादी की तस्वीरें आते ही छा गईं। आयरा खान इस तस्वीर में अपने छोटे और बड़े भाई के साथ नजर आईं। आयरा खान की ये तस्वीर खूब वायरल हो रही है।आयरा खान-नुपुर शिखरे इस तस्वीर में काफी खुश दिखाई दिए। आयरा खान-नुपुर शिखरे की तस्वीरों ने दिल जीत लिया।आयरा खान-नुपुर शिखरे इस तस्वीर में आमिर खान के साथ नजर आए। आयरा खान-नुपुर शिखरे और आमिर खान की तस्वीर आते ही छा गई।आयरा खान-नुपुर शिखरे की शादी में आमिर खान की पहली पत्नी रीना दत्ता भी नजर आईं। रीना दत्ता सिंपल लुक में नजर आईं।आयरा खान की ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही हैं।

जाह्नवी ने की अपने बॉयफ्रेंड शिखर के बारे में खुलासा

स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपनी बहन खुशी कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। शो में जाह्नवी ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के बारे में खुलासा किया।जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है और वे सोशल मीडिया पर भी जुड़े रहते हैं।इसके बारे में बात करते हुए करण जौहर ने पूछा, आपका प्यार का सफर दिलचस्प रहा है, आप शिखर को डेट कर रही थीं, और फिर आपने किसी और को डेट किया और अब आप फिर से शिखर को डेट कर रही हैं। सही या गलत?मैं ऐसा नहीं कहूंगी, लेकिन मैं यह कहूंगी, वह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हमारे परिवार में सभी के लिए शुरू से एक दोस्त रहे है। इस तरह से नहीं कि मुझे ऐसा लगे कि वह किसी चीज की उम्मीद कर रहे है।

सामंथा संग बनेगी सलमान की जोड़ी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के लिए साल 2023 खास अछा नहीं रहा। इस साल उनकी महज 2 फिल्में ही सिनेमाघर पहुंच सकी। जिसमें से सिर्फ एक मूवी टाइगर 3 ही दर्शकों को कुछ लुभा सकी। हालांकि टाइगर 3 का रिस्पॉन्स वैसा नहीं देखा गया जैसा कि उम्मीद थी। ये मूवी बमुश्किल हिट का स्टेट्स हासिल कर पाई थी। इसके बाद अब सुपरस्टार सलमान खान अपनी अगली फिल्मों पर ध्यान देना शुरू कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जल्दी ही सुपरस्टार सलमान खान निर्माता करण जौहर के साथ अपनी फिल्म द बुल लेकर आएंगे। ये एक एक्शन एंटरटेनर मूवी होगी। जिसे लेकर एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में फैंस के बीच अभी से ही भारी बज है। इधर, खबर है कि इस मूवी को लेकर कास्टिंग जोर-शोर से चल रही है। पहले रिपोर्ट्स थीं कि फिल्म स्टार सलमान खान के साथ इस मूवी में तमिल एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की धांसू एंट्री होने वाली है। तृषा कृष्णन पोन्नियिन सेल्वन में राजकुमारी कुंदवई का किरदार निभाकर दर्शकों को पहले ही इंप्रेस कर चुकी हैं। ऐसे में सलमान खान के साथ तृषा कृष्णन की जोड़ी देखने के लिए लोग बेताब थे। मगर अब सामने आ रहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अदाकारा तृषा कृष्णन के हाथ ये मूवी फिसल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक अब उनकी जगह इस मूवी में साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की धांसू एंट्री हो चुकी है। मिली जानकारी के मुताबिक सलमान खान की इस फिल्म में अब मेकर्स ने अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु को कास्ट कर लिया है।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम सोनू ने की सगाई

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में अपने किरदार सोनू के लिए मशहूर झील मेहता ने हाल ही में बॉयफ्रेंड आदित्य से सगाई की है।झील ने इंस्टाग्राम पर एक मनमोहक वीडियो डाला, जिसमें उसे आदित्य से एक स्वप्निल प्रस्ताव मिलते देखा जा सकता है।झील अपने दोस्तों की मदद से आंखों पर पट्टी बांधकर कार्यक्रम स्थल में दाखिल हुई। बड़ा सवाल पूछने से पहले झील आदित्य को डांस करते देख इमोशनल हो गईं।उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, फकोई मिल गया, मेरा दिल गया । झील की TMKOC सह-कलाकार भाव्या गांधी, जिन्होंने शो में टप्पू की भूमिका निभाई, ने झील की पोस्ट पर दिल के इमोटिकॉन के साथ टिप्पणी की।

4 हफ्ते पहले हुई भविष्यवाणी

मन्नारा चोपड़ा बनेंगी बिग बॉस 17 की विनर

बिग बॉस के गेम में कब क्या हो जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। बिग बॉस 17 में इन दिनों काफी हलचल मची हुई है। एक ओर घर में कैप्टेंसी टास्क चल रहा है, तो वहीं मेकर्स एक के बाद एक शॉकिंग इविक्शन भी करते जा रहे हैं। हाल ही में घर से अनुराग डोभाल को बाहर कर दिया गया है, जिसकी वजह से उनके फैंस काफी खफा हैं। वहीं बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव ने भी अनुराग के इविक्शन का विरोध किया है। इसी बीच मेकर्स ने बिग बॉस 17 का नया प्रोमो रिलीज कर दिया है। इस प्रोमो को देखने के बाद मन्नारा चोपड़ा को लोग बिग बॉस 17 की ट्रॉफी का असली हकदार बता रहे हैं।दरअसल कलर्स चैनल के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया प्रोमो आउट हुआ है। इस प्रोमो में अंकिता लोखंडे लोगों से मिन्नतें करती नजर आ रही हैं कि उन्हें घर का नया कैप्टन बना दिया जाए। मुन्नवर फारूकी इस बात की पूरी कोशिश करते दिख रहे हैं कि उनके चलते अंकिता लोखंडे को कैप्टेंसी मिल जाए। साथ ही साथ वह मन्नारा चोपड़ा को कैप्टेंसी टास्क से बाहर करने की भी बात कर रहे हैं। इस प्रोमो को देखने के बाद लोग मुन्नवर फारूकी को फट्टू बता रहे हैं। दूसरी ओर मन्नारा चोपड़ा जिस अंदाज में अकेले लड़ती दिख रही हैं, लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।मन्नारा चोपड़ा की खास बात यह है कि वह शुरुआत से ही बिग बॉस 17 में एक्टिव दिखाई दी हैं। किसी का साथ मिला हो या ना मिला हो, मन्नारा चोपड़ा ने अपनी आवाज कभी भी दबने नहीं दी। हालांकि उनके हेटर्स भी खूब हैं, जो बात-बात पर उनकी ट्रोलिंग करते हैं। रही बात बिग बॉस 17 के होस्ट सलमान खान की तो कई दफा वह मन्नारा चोपड़ा को सपोर्ट करते दिखे हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि फिनाले तक मन्नारा चोपड़ा टिकती हैं या नहीं? जिस तरह से मन्नारा चोपड़ा ने बीते कुछ दिनों से अपना गेम पलटा है, उसे देखकर आसानी से कहा जा सकता है कि वह फिनाले का हिस्सा बन सकती हैं।

ऑरी ने पलक तिवारी के वायरल व्हाट्सएप चैट पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के सर्वव्यापी बीएफएफ, ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी, जो हमेशा सेलेब्स के साथ बेहतरीन तस्वीरें क्लिक करते हुए और पार्टी की जान बनते हुए देखे जाते हैं, नए साल की पूर्व संध्या पर अभिनेत्री पलक तिवारी के साथ झगड़ा हो गया। और यह सिर्फ यहीं खत्म नहीं हुआ बल्कि ऑरी ने पलक के साथ अपनी चैट का स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया, लेकिन बाद में उसे हटा दिया।कथित स्क्रीनशॉट में, पलक को ओरी से माफी मांगते हुए देखा जा सकता है, लेकिन बाद वाला उसे माफ करने के मूड में नहीं दिख रहा था, और वास्तव में, उसने आगे बढ़कर उसे 'मिडिल-फिंगर' इमोटिकॉन भेजा।ओरी ने सोमवार तड़के स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, और कुछ ही मिनटों में इसे हटा दिया, लेकिन यह उनके उत्साही अनुयायियों को नज़र नहीं आया, जो ऑनलाइन इस बात पर चर्चा करने लगे कि पूरी लड़ाई किस बारे में थी।और अब, ऑरी ने आखिरकार तीन दिनों के बाद अपनी चुप्पी खत्म कर दी है, और रेडिट सत्र के दौरान, अपने अनुयायियों से पूछा कि वे घटना के बारे में पलक से सवाल क्यों नहीं कर रहे थे।कोई यह क्यों नहीं पूछ रहा कि वह किस बात के लिए माफी मांग रही है..? इसके बारे में सोचो? आप उसकी माफी को खुशी से स्वीकार नहीं करने के लिए मुझे डांट रहे हैं? लेकिन वह स्पष्ट रूप से उसके लिए माफी मांग रही है क्योंकि उसने जो किया वह गलत था.. इतना गलत कि तीसरे पक्ष को इसकी शिकायत करनी पड़ी शामिल करें और उसे इसे सही ढंग से देखने दें।

Punjab National Bank

पंजाब नेशनल बैंक

न्यू बस स्टैंड शाखा धमतरी (छ.ग.)

वाहन विक्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

हमारी शाखा द्वारा जब्त किये गये वाहनों का ''जहाँ है जैसा है'' आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

(1)	(2) ऋणी का नाम व पता	(3) वाहन का विवरण	(4) न्यूनतम आरक्षित मूल्य	(5) अग्रिम जमा राशि
1.	श्री रुद्रनारायण साहू पिता श्री बिसाहू राम साहू वार्ड क्रमांक 05 सरदार वल्लभ भाई पटेल धमतरी, छत्तीसगढ़ - 493773तह. व जिला धमतरी	रेनॉल्ट क्विड मॉडल रजिस्ट्रेशन नं. CG-05-AK-2688 पंजीयन वर्ष जुलाई 2020 चेचिस नं. MEEBBA001L1712394 इंजन क्र. AA403E001824	रु 1,36,000/- एक लाख छत्तीस हजार	रु 13,600/- तेरह हजार छह सौ

इच्छुक खरीददार न्यूनतम आरक्षित मूल्य (कॉलम 4) की 10% राशि (कॉलम 5) का ड्राफ्ट या बैंकर्स चैक जो मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, के नाम पर देय हो, सादे पेपर में अपनी ऑफर राशि तथा अपना आई.डी. प्रुफ, पता एवं फोन नं. निविदा फार्म के साथ बंद लिफाफे में जमा करें। निविदा की नियम व शर्ते एवं वाहन निरीक्षण संबंधी जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति शाखा प्रबंधक से उपर दिये हुए उपरोक्त नम्बर मो नंबर 9303635499 कविंद्र जैन पर संपर्क कर सकते हैं। पीएनबी नया बस स्टैंड शाखा धमतरी (छ.ग.) में निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 12.01.2024 को दोपहर 3.00 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि 12.01.2024 को सायं 5.00 बजे, स्थान- पीएनबी नया बस स्टैंड शाखा धमतरी (छ.ग.) नियत की गई है। बैंक के पास बिना कोई कारण बताए कोई भी निविदा/संपूर्ण निविदा प्रक्रिया निरस्त करने अथवा स्थगित करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक

स्थान: धमतरी (छ.ग.), दिनांक: 04.01.2024

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक **पप्पू फरिश्ता**, द्वारा 'जनता से रिश्ता' प्रेस HN 29/56 इंद्रावती कॉलोनी, राजातालाब, रायपुर (छ.ग.) से घड़ी चौक सुपेला पुराना दैनिक भास्कर कार्यालय भिलाई, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ से प्रकाशित। **CHHHIN/2019/80335** फोन नं. 0771-2430777, फैक्स नं. 2445200